ग्रन्थ-नाभावतिः



र्थाः गेराक-प्राम्हण्ड-द्वाः का जैन स्वरक्षानीः सक्षा



不过者的者的者的者的者的事的事的事的事例是"事的事的事的事的事的事的事的事

श्री-ऐलक-पन्नालाल-दि०-जैन-सरस्वती-भवन भालरा-पाटन ।



Catalogue

Of

SANSKRIT MANUSCRIPTS AND OTHER BOOKS

In the

SHRI-AILAK-PANNALAL-DIGAMBER-JAIN-

SARASWATI-BHAWAN.

JHALRAPATAN

प्रकाशक—दीपच**ःद्र असवाल—मं**त्री ।



मृहकः--

ज्योनीप्रशाद गुप्त.

महाबीर प्रेस, किनारी बाजार--त्र्यागरा।

वी. नि २४४६

क्षेत्र विवदन ।

साहित्यप्रेमी सज्जनवृन्द ! श्रापकी पुनीत सेवामे यह परिमल पुष्प समर्पित है। पूज्य १०४ श्री-ऐलक-पन्नालालजी महाराज के सतत श्रसीम परिश्रमसे श्रारोपित श्रीर दि० जैन समाज द्वारा प्रदत्त द्रव्य-जल से श्रमिपिक्त सरस्वती भवन रूप कल्प वृत्त का यह पुष्प है। इसके श्रन्तर्गन प्रन्थोकी सुगन्धिसे उन्सुग्ध हो समाज श्रनुभव कर सकेगा कि उसके शास्त्रोद्धारार्थ प्रदत्त द्रव्य का कैसा सदुप्योग हुश्चा है।

प्रेमी पाठक, ऐसे प्रन्थ भी इस पुष्पमें देखेगे जिनका अन्यत्र मिलना अत्यन्त कठिन हैं। व बड़े ही पिरश्रम और अर्थ-व्यय के साथ सग्रह किये गये हैं। इन सब प्रन्थोंक संप्रह और उद्घार करनेका श्रेय पूज्य श्री-ऐलकर्जी महाराजको ही प्राप्त हैं। अर्थ-संप्रह और प्रंथ-संप्रह एवं दोनो प्रकारका सग्रह किस युक्तिमें किस चतुरता एवं परिश्रमसे किया गया है। इस बातका पूर्ण अनुभव तो पूज्य ऐलकर्जी महाराज को ही हैं परन्तु इस सग्रह परसे हम यह अवश्य जानते हैं कि प्रन्थों के उद्धार करने में पूज्य महाराजकी कितनी प्रवल भावना और उत्कट भक्ति है। इतने बड़े कार्य-भारका उठाने में उन्हें कितनी वड़ी शक्तिका सामन(करना पड़ा होगा यह अनुमान लगाना भी सहज नहीं है।

प्रातः स्मराहीय पुज्य ऋषियोने ध्यान स्वाध्याय के समयमें से समय बचाकर भावी जैन सतानके हिनार्थ जिसतरह प्रन्थांकी रचनाएं की थी ठीक वही अनुकरण उन ऋषियो द्वारा प्राणीत प्रन्थों के उद्धार के लिए पूज्य ऐलकजी महाराजने भी किया है अन्यथा उत्तम स्वादिष्ट फलोंका फलनेवाला यह सरस्वती भवन रूप कल्प-वृत्त दृष्टिपथप्रस्थायी न होता।

यदि यह कल्प-वृत्त अन्य समाजो या देशों में होता तो इसका कितना बड़ा गौरव होता। खेट हैं दि० जैन समाज अभी तक ऐसी अनुपम वस्तुओं का गौरव करना नहीं सीख सका हैं। अस्तु तो भी वि० सं० १९८६ कार्तिक तक सगृहीत प्रन्थोंकी यह व्योरवार नामावली इसलिए प्रकाशित की गई है कि समाज को माल्महों कि उसका एक बड़ा भारी साहित्य मन्दिर है और उसमें इस प्रकार साहित्योद्धार हो रहा है।

-पन्नालाल सोनी व्यवस्थापक।



१दिगम्बर-जैन-प्रन्थाः	•			पृष्ठ सं ख्या.
(१) सिद्धान्त- <mark>प्रन</mark> ्थाः	•••		***	१-५१-६०.
(२) ऋध्यात्मापदेश-प्रन्था	[:	•	•••	¥-X8-E3.
(३) स्त्राचार-प्रन्थाः	•	•	٠	१२-६०-१०१.
(४) इतिहास-प्रन्थाः	•••	• •	•••	२०-६४-१०६.
(४) नाटक-त्याकरण-को	य-छंदोऽल	ंकार-गरि	एत-म्रंथ	1.३०-६६-११२.
(६) न्याय-प्रन्थाः	•		•••	३१-६६-११३.
(७) म्तात्र-यन्थाः		• •	••	32-00 -88x.
(८) ऋभिषेक न्यास-पृजा	प्रन्थाः	•••		38-98-888
(६) प्रकीर्णक-ग्रन्थाः		••	-	४०-७३-१२६.
(१०) गुच्छक-ग्रन्थाः		٠	••	४१-७४-११९.
(११) सग्रह-ग्रन्थाः	•••		• •	+ 45-180.
(१२) पट-विलास-ग्रन्थाः	•		•	+ + ११५.
(१३) इ ग्लिश-जैनग्रन्थाः	•	***		+ + १२५.
(१४) नालपत्र-ग्रन्थाः		•	٠	¥0 + +
२श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थाः				
(१) विभाग—स्व.	•			830 + +
(२) विभाग—क.				480 + +
३—श्रजेन-प्रन्थाः—				
(१) विभाग—ख.	•••	•••	•	68x + +
(२) विभाग—क.	• •	•	٠	878 + +

संकेतान्त्रराणां स्पष्टीकरणं।

ज. = जनरल नंबर.

क्र, = क्रम नंबर.

क. = क-विभाग.

ख. = ख-विभाग,

सं. = संस्कृत.

प्रा. = प्राकृत

म.= मराठी.

गु.=गुजराती.

प. = पत्रसंख्या.

ले. = प्रति का लेखन समय.

नि. स. = ग्रन्थ का निर्माण ममय.

स्रो = प्रनथ की ग्लोक सख्या.

वि. ≔ विक्रम संवत

श.=शक संवम.

वी.=बीर निर्माण सवत.

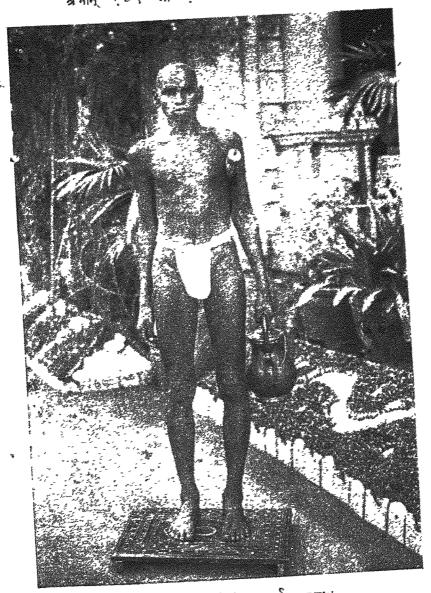
त्र. स.= अनुबाद का समय.

मू, = मूलकर्ता.



संस्थापक---

श्रेमान् १०५ श्री ऐत्वक पन्नालानजी महाराज.



गुरवः पांतु वे। ित्यं ज्ञानदर्शननायकाः। चारित्रार्णवगंभीरा मोक्षमार्गोपंत्रग्रकाः ॥

nd Laxme Press, Kalbadeve Road, Bombay, 2.



थी-ऐलक-पन्नालाल-दि०--जैन-सरस्वती-भवन-झालरापाटनस्थ.

य्रन्थ-नामाविलः।

१-हस्ति बित-दि • जैन-संस्कृत-प्राकृतप्रन्थाः।

(विभाग-क.)

१---सिद्धान्त-प्रन्थाः

श्रालाप-पद्धतिः देवसेनसूरिप्रणीता

(ज. १ क. १२६) पत्र ८, संस्कृत, लेखन काल. १६४०

(ज. २ क. १३०) प. मसं.

┴(ज. ३ क.८१४४) प. ८ सं. + ःं┴(ज. ४ क. च्रिके) प. १० सं. + च्रः ऄं त्र ञ्र (ज. ४ क, ४२४) प. १२ सं. ले. १६२४.

कर्ग-प्रकृतिः नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिरचिता

(ज. ६ क. १३१) प्राकृत. प. १८.

💢 (ज. ७ क्र. ३⊏६) घ्रा. प. १०. टिप्पणयुता.

कर्ग-प्रकृतिटीका. सुमतिकीर्तियुग्ज्ञानभूपण्कृता.

(ज. = क. २०) सं., प. २६. ले १६४१.

(ज. ६ क. १३२) " प. ४८, ले. १६२७

(ज. १० क. १३३) " प. ४१, ले. १६३१,

कर्ग-विपाकः सकलकीर्तिविरचितः

(ज. ११ क. ४४६.) सं. प. १३ गद्य, ऋो. स. ४४७. गोम्मट–सारः नेमिचन्द्रमैद्धान्तिसगृहीतः

> (ज. १२ क. १३४) प्रा प. ८७, ले. १७७१, कार्रेड्सय-युक्त दर्शनीयश्च.

★ (ज. १३ क. १३५) प्रा. प. ५३ ले. १६५२ काण्डद्वययुक्तः
गोम्मट-सार-जीवकाण्ड-टीका जीवतत्वप्रबोधिका नेमिचन्द्रकृता.

(ज. १४ क्र. ३८०) सं० प ३८४, ते. १७६३. गोम्मट-सार-टीका केशववर्णिरचिता.

(ज. १४ क. १३६) क. प. १०६ "त्रावित श्रसंखभाग" इत्यतः "सेढी सूई पन्ना" इत्यताना गाथानां कन्नडभाषायां टीका. नागराचरा।

जम्बूद्वीप-प्रज्ञपि. पद्मनन्दिविहिता.

(ज. १६ क. ६१) प्रा. प. ८८ ले-का. १८६३, वाराया निर्मिता.

तात्वार्थ-सूत्र उमास्वामिनिर्मित.

(ज. १७ क. ७०) स. प १४ सुवर्णाचरेषु

🗶 (ज. १८ क. ४४५) स. प. २२ 🤍

メ (ज. १६ क. १३७) स. प २१ +

⊁(ज. २० क. १३८) सं. प. ११ +

メ(ज. २१ क. १३६) सं. प. ६ +

(ज. २२ क. ४४६) सं. प. १६ 🔠

तत्वार्थ-तात्पर्यवृत्तिः श्रुतसागरमूरिकृता.

🗡 (ज. २३ क. ३) सं. प २०२, श्लो. ६००० ले. १८८१.

(ज. २४ क. ७) संप. ३१३, " ले. १६१०.

तत्वार्थ-रत्रप्रभाकरवृत्तिः धर्मचन्द्रशिष्यप्रभाचन्द्रप्रग्रीता.

(ज. २४ क. ४१७) संप. ६६ ऋते २७४० ले. १८१८.

तत्वार्ध-राजवार्तिकालकार, भट्टाकलक्कुकृतः

(ज. २६ क २) सं. प. २६४ ले. १८६६.

X (ज. २७ क. ३⊏१) म. प. ७४० ले. १६३०. तत्वार्थ-बत्तः

(ज. २८ क्र. ३८७) सं. प. ४२, ले. १८०४. तत्वार्थ-स्रोकवार्तिकालकारः विद्यानन्दिसूरिविरचित.

(ज. २६ क १) स. प ४११ ऋपूर्ण.

तत्वार्थ-सर्वार्थिमिद्धिः देवनन्द्यपगव्हपूज्यपादप्रशीता

(ज ३० क ७१) मं. प ११८ ले. १८६१.

५ (ज ३१ क. १४०) म. प. ६० ले. १६२४. तत्वार्थसार, ठक्करामृतचन्द्रनिर्मित

(ज ३२ क १४१) मंप. २६, ऋगे ८२४.

तत्वार्थसारदीपकः सकलकीर्तिरचितः

🌱 (ज ३३ क्र ६७) सं. प ६६, श्लो. १८८३ ले १४४६.

(ज ३४ क. ३८८) मं प. ४४ श्रपुर्ण, ले १७८२.

त्रिलोक-प्रज्ञपि यतिवृषभाचार्यविहिता.

(ज ३४ क ३८६) प्राप ४१८ ऋो ८००० ले. १७४४ वि, १६४० श.

त्रिलोकमार. नेमिचन्द्रमेद्वान्तिनिर्मित.

(ज ३६ क. ६८) प्राप ६४.

त्रिलोकसार-टीका सागरसेनकता

🗡 (ज ३७ क ३४) संप ६४ श्लो. २१४३

(ज. ३८ क. ३६०) मं. प. ३६ "

(ज ३६ क ३४८) स प. ४६ 💎 सहस्रकीर्तिनामांकि-

तेय टीका ले. १८८७ वि. १७४२ श.

इव्य-सप्रहः नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिप्रग्रीत.

⊁ (ज ४० क रिस्ट) प्रा प. म ले १७०७.

द्रव्य संप्रह-टीका ब्रह्मदेवविरचिता.

(ज. ४१ क. ६६) सं. प. ४४ तो. १७७१, वि. १६४६ श. श्लो. ३०००.

(ज. ४२ क. ४) सं. प. १२० श्लो. ३०००.

नयचक्रं देवसेननिर्मितं.

(ज. ४३ क. ३४६) प्रा. प. २३ ले. १८६६ सटिप्पग्रक.

(ज. ४४ क. ३४०) प्रा. प. ४६ + + पंच-संग्रह.

(ज ४४ क्र. ३४१) प्राप. १०६ ले. १४८४. पंचाध्यायी.

(ज. ४६ क. ३४२) स प ८४ श्लो. १६७४, ले. १७४८. लब्धिसार-टीका नेमिचन्द्रविर्याचता.

(ज. ४७ क्र. ३४३) स. प. ६६ ऋपूर्णा.

सिद्धान्तसार-दीपकः सकलकीर्तिप्रथितः

(ज. ४८ क. ३४४) मं. प. २०२ श्लो ४४१६

(ज ४६ क. ३^{५५}) स प १६० " ले. १८१७ वि.

१६८२ श.

(ज. ४० क्र ३४६) स प २०६ " ले. १६३१ वि. १६६६ श.

(ज ४२ क. ३६१) प्राप. ४७

२-- अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थाः।

अध्यात्मतरंगिगी, सोमदेवसूरिप्रगीता.

(ज. ४३ क्र १११) स प ४४. श्राचार्य-गणधरकीर्तिविर-चितया टीकया सबलिता.. टीका. नि०—स वि ११६० ले. १४३३.

अष्ट-प्राभृत कुन्दकुन्ददेवकृत

(ज ४४ क ४४७) प्राप. ४८ ले १८१७

(ज ४४ क. ४१८) प्रा. प. ६० ले. १८४७.

त्रात्मानुशासन गुणभद्रभदन्तनिर्मित

(ज. ४६ क. ११२) स. प. ४६ अवतरिणकया युक्तं सिट-प्पण च. लं. १६३४.

श्रात्मानुशासन-टीका प्रभाचन्द्रविरचिता.

(ज ४७ क. ११३) स. प. ६२

(ज. ४८ क्र ४१६) स. प ४६ ले. १८६८

🦙 (ज. ५६ क. ४४८) स. प. १४०

श्चाराधनासार देवसेनसूरिप्रणीत

(ज.६० क. ३५) प्रा. प.६

इष्टोपदेशः पूज्यपादविराचितः

(ज. ६१ क. २६) स. प ३

इष्टोपदेश-टीका पडिताशाधग्कृता

(ज. ६२ क. ३६२) संप १३

उपदेशरत्नमाला सकलभूषण्विहिता

(ज. ६३ क ११४) मं प. १-६१, ६१-६७ श्लो ३३८३ वि सं. नि. स. १६२७ ले. १८७८ वि १७४३ श.

(ज. ६४ क्र., ११४) सं. प. ६८ शेषं पृत्रवन ले. १८२६.

ऋद्धिस्वरूप:

🗶 (ज. ६४ क. ३७) प्रा. प. ७.

ध्यान-सारः पद्मनन्दिम्निकृतः

★(ज. ६६ क. ३८) प्रा. प. ४ श्लो. ७४ वि. सं. १०८६ गा. ६३

(ज्ञ. ६৬ क्र.) प्रा. प. ४ श्लो. ৬४ गा. ६३ नि. स. १०८६ ज्ञानार्शवं शुभचन्द्राचार्यविनिर्मितं.

(ज. ६८ क. ३६३) सं. प १०४ ले. १४५४ श्लो. २७००

(ज. ६६ क्र. ११७) संप १४१ ले. १६०६ "

(ज. ७० क ११८) सं. प ११० +

🏏 (ज ७१ क. ३६४) स. प. २४६ 🕒 "

(ज. ७२ क. ५७) सं. ५ ५६ 🛨 🤭

ज्ञानार्णव-गद्य-टीका सिंहनन्दिकृता

🗡 (ज. ७३ क. ११६) स. प म

तत्वज्ञानतरंगिग्गी ज्ञानभूषगाविरचिता

(ज ७४ क ३६४) स. प ३२ श्लो. ४३६ नि स ४४६०

💢 (ज. ७४ क १२०) स. प. २६

तत्वज्ञानतरंगिर्णी-पंचिका ज्ञानभूषराकृता.

(ज ७६ क्र १२१) मं प ३४ श्लो. ६२० सन्देहध्वान्तर्दा-

पिकंति ऋस्या नाम

तत्वधर्मामृतं सुभाषितार्रावापरनाम

(ज. ७७ क्र. १७७) स. प. ८८ तत्वधर्मामृतं.

(ज. ७८ क. १४२) संप. ३२ ले. १६४४.

तत्वसारः देवसेनसूरिप्रणीतः

(ज. ७६ क. १४३) प्रा. प. ४ ले. १६०२

💢 (ज. ५० क. ३६) प्रा. प. ४ +

दशल ज्ञलधर्म-जयमाला नज्जत्रदेवात्मज-भावशर्मविरचिता

(ज. ८१ क. १४३) प्रा. प. १० ले. १७६२ दर्शनमारः देवसेनप्रणीतः

े (ज. ५२ क. १४०) प्रा. प. ३ नि. सं. ६६० धर्म-परीज्ञा अमितगतिप्रथिता.

★ (ज. ५३ क. १७५) स., प ५२, श्लो. २१०० नि स. १०७० ले. १४३४.

(ज. ५४ क १७६) सं. प. ५२ श्लो २१०० नि. स १०७० धर्मप्रश्नोत्तर सकलकीर्तिकीर्तितः

(ज. ५४ क १५०) संप ४० श्लो १४०० (ज. ५६ क १५१) संप ५० "

धर्मरत्नाकरः जयसेननिर्मित

(ज = ७ क. १४४) मंप = १ ले १७७६ नि म. १०४४ ख्लो. २७००.

(ज मम क १२२) स. प १०६ ले. १म४म नि स. १०**४४** श्लो. २७००

(ज. मध्क्र. १००) स. प १४० ले १८६१ वि १७२६ श. नि. १०४४ खो. २७००.

(ज. ६० क. १०१) सं. प. १२१ ते १८६७ नि. म. १०४४ श्लो. २७००.

धर्मरसायन पद्मनन्दिम्निकृतं,

Y- (ज. ६१ क. १०२) प्रा. प १¥

👉 (ज. ६२ क. ३६२) प्रा. प ११

(ज ६३ क ४१) प्राप. ६

धर्मामृतनामसूक्तिसप्रहः पंडिताशाधरविरचित

(ज. ६४ क. ४३०) स प. ६ योगोद्दीपनीयनामा द्वाव-शोऽध्यायः।

नियम-सारः क्रन्दक्रन्दर्षिनिर्मितः

(ज.९¥क. २१) प्रा.प.६ ⊁(ज.६६क. ४२) प्रा.प.६

(ज. ६७ क्र १०३) प्राप. २३ ले, १६०३.

नीतिसारः इन्द्रनन्दिनिर्मित

(ज. ६८ क्र. ६२) स. प. ६. ले. १७८५ श्लो. ११८

🗶 (ज. ६६ क. ४३) सं. प ४ ले १८८८ श्लो ११८

पद्मनिद्पंचविंशतिका पद्मनिद्मुनिकृता

🕂 (ज १०० क ३६६) मं. प. १२४ ले १८०५

(ज १०१ क्र ३६७) संपाद अले १७३२

(ज. १०२ क. ४४) म प ७२ ले १८८८ वि १७४३ श.

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

🗶 (ज. १०३ क. ७२) स प १०४ ले. १६४१ श्लो. ४०००

(ज. १०४ क. १०४) स प १३१ ले. १८८४ खो. ४०००

(ज. १०४ क. ६४) स प. १४० + श्लो. ४०००

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

(ज. १०६ क. १०४) स प ४१ ऋपूर्णा

परमात्मप्रकाश-सूत्र योगीन्द्रदेवहब्ध

(ज. १०७ क. १०६) प्रा. प. १४ ले १७७३

🗡 (ज. १०८ क. १०७) प्रा प ६४ ले १८६१ छाययावतर-णिकया च यता.

परमात्मप्रकाशसूत्र-वृत्तिः ब्रह्मदेवकृता.

💢 (ज. १०६ क. ६३) स. प. १४६ ले. १४९८ स्रो, ४००० (ज. ११० क. १२३) म. प. ७६ + ऋो. ४०००

परमार्थीपदेशः ज्ञानभूषणविरचित

(ज. १११ क. ३६८) स प १४

पंचास्तिकायप्राभृतं कुन्दकुन्दकृतं

(ज. ११२ क. २६६) प्राप ६

पंचाम्तिकायप्राभृत-तत्वदीपिका ठक्कुरामृतचनद्रकृता.

(ज ११३ क्र. ४००) स. प ३३ ते १७४१ पर्चााम्त्रकायप्राभृत-नात्पर्यवृत्ति जयसनसूरिविरचिता.

(ज. ११४ क. १४४) सं. प. १२८ ले. १४६६.

प्रवोधमारः यश कीर्तिकीर्तितः

(ज. ११४ क. ४२०) स. प. ३७ ले. १८६२ प्रवचनसारप्राभृतं कुन्दकुन्ददेवनिर्मित

> 🗡 (ज. ११६ क. १४४) प्राप. १० ले. १६१४ (ज. ११७ क. १६२) प्राप. ३२ +

प्रवचनसार--तत्वप्रदीपिका अमृतचन्द्रसूरिरचिना

🗡 (ज ११८ क्र १२४)स प. १०४ ले. १८६४.

(ज ११६ क्र २५२) स. प ३४४ 🖠

प्रवचनस र-तात्पर्यवृत्ति जयसेनस्रविर्याता.

(ज १२० क्र १२४) स प ११७ ले. १७६७ वि. १६६२ **श.** भावसग्रह-सृत्रां देवसेनसूर्गिनिर्मत

(ज १२१ क. १८३) प्रा. प. ४६ ले. १४८८ वि. १३४३ श
(ज १२२ क १४६) प्रा. प. ४४ ले. १६०१

भावसम्रहः यामदेवकृत

★ (ज १२३ क १४७)स प. ३३ ले. १६६४

(ज. १२४ क १४६)स प २६ प्रथमपत्राभावः

योगसारः बृहदमितिगतिकृतः

(ज १२४ क. १४६) म. प २४

योगसार —योगीन्द्रदेवविहिनः

(ज १२६ क. २२) प्राप ४ दोधकरूप

🗡 (ज. १२७ क्र. १४०) प्रा. प. ४ 🤫

श्रुतस्कन्धः हेमचन्द्रचर्चितः

(ज १२८ क. ४२१) प्राप. ७

🏏 (ज १२६ क ४०१) प्रा. प. ७

```
षट्कर्मोपदेशः अमरकीर्विकृतः
```

🏒 (ज. १३० क्र. ३०००) प्रा. प. ८६

(ज. १३१ क. ३४७) प्रा. प. १४०

षट्प्राभृत-टीका श्रुतसागरमूरिकृता.

🗡 (ज. १३२ क. ३८४) मं. प. ३६० ले. १४७२

(ज. १३३ क. ४४६) सं. प. १६८ +

षट्प्राभृत-टीका.

(ज. १३४ क. ३४८) स प. ४६ ले. १८२४

火 (ज. १३४ क. ३२८) स. प ४२ +

(ज. १३६ क. ३२६) मं. प. ४३ ऋपूर्णेयं.

षोडशकारगजयमाला.

(ज. १३७ क. ३४६) प्रा प १७ ले १८६७ सज्जनचित्तवल्लभः मल्लिषेणविरचितः

(ज. १३८ क. ४४०) स प. २

समयप्राभृतात्मख्याति ठक्कुरामृतचन्द्रकृता

🏸 (ज. १३६ क ३३०) सं. प १०६ श्लो. ४२६४

(ज १४० क. १४४) सं प. १३०

(ज. १४१ क १४६) संप ४६ "

समयप्राभृतकलशाः ठक्कुरामृतचन्द्रकृताः

(ज. १४२ क. १४१) स. प १६ ले. १४६४

🗡 (ज. १४३ क. ४२२) स. प. २६

(ज. १४४ क. १४०) स. प २६ ऋपूर्ण.

समाधिशतकं पूज्यपादापरनामदेवनन्दिरचितं

(ज. १४४ क. ४४१) सं, प, ६

सारसमुचयः कुलभद्रकृतः

(ज. १४६ क. १^५६) सं. प. २८ श्लो, ३३२ ले. १६७०

(ज. १४७ क. ४२३) सं. प. १३ "+

सार-संप्रहः सुरेन्द्रभूषण्विरचित

(ज. १४८ क ३३१) सं. प. ४१

५ (ज. १४६ क. १२६) सं. प ७३ सुभाषितरत्रसन्त्रोहः श्रमितगतिसूरिकृतः

(ज. १४० क. १२७) सं. प. ३४ श्रपूर्णः

४ (ज. १४१ क. ३३२) सं. प. ३२ " सुभाषितार्णवं

(ज. १४२ क १८४) सं प. ४४ श्रपूर्णं सुभाषितार्णवं सकलकीर्तिविरचिन

(ज १४३ क १४८) सं प. ६३ ले. १६०८ सुभाषितावली मकलकीर्तिकृता

(ज. १४४ क १६०) संप २७ श्लो ४७४

(ज. १४५ क. १६१) स. प. २४ " ले. १७२४

🗡 (ज १४६ क. १६२) सं. प. २३ " ले. १८८७

(ज १४७ क +) स. + "

्रं (ज. १४८ क.६४८) सं. 94 89 " सूक्तमुक्तावली सोमप्रभविग्चिता.

(ज १४६ क १२८) स. प. १४ ले १७११

火(ज. १६० क्र 名長) स प १६

(ज १६१ क १३३) म ५.२१ ले. १८३८ हिदीटिप्पण-महिता.

(ज १६२ क ४२४) स. प. १६ + हिंदी टिप्पण्-महिता.

(ज १६३ क्र १८५) म प. ४३ ले. १४७६ हर्षकीर्तिकृत व्याख्यायुता

सूरा-प्रकाशः नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. १६४ क. ४) स. प पश्यमोल्लाम्ममात्रः नि.स.१६०६।

सम्बोधपंचाशिका गौतमकृता.

(ज. १६४ क्र. १⊏६) स. प. २६ संस्कृतटीकासहिता.

🏏 (ज. १६६ क. १८७) म. प. १६

"

(ज. १६७ क. ३३४) स. प. १२

"

स्वरूपसम्बोधनपंचित्रातिः भट्टाकलङ्ककृता

(ज. १६८ क, १८८) स. प. ८

*

**

३—श्राचार-ग्रन्थाः।



श्वनगारधर्मामृनं पडिताशाधरविरचित

(ज. १७० क्र ६४) स. प ३४४ स्वापज्ञभव्यकुमुदचन्द्रा-ख्यव्याख्यायुत. श्लो १२२०० नि स १३००.

श्राचारवृत्तिः वसुनन्दिसैद्धान्तिकृता

(ज १७१ क. १४) मं प. २६३ श्लो १०५६० ले. १८९० वहकेराचार्यप्रणीतम्लाचारस्य संस्कृतटीका.

(ज १७२ क्र =) सं. प १७७ श्लो १०४६० ले १७८६

(ज. १७३ क्र. ३६३) स. प ३१८ श्लो. १८५६८ ले १८७८

(ज. १७४ क. ३५४) म. प २६६ श्लो १०४६० +

🗶 (ज. १७४ कृ. ४२४) सं. प २७१ श्लो. १०४६० 🕒

्र (ज. १७६ क्र. ३६४) मं. प २७१ श्लो. १८४६८ ले. १४६३

श्राचार-सारः वीरनन्दिसैद्धान्निवरचिनः

🗡 (ज. 🗫 र्क. ३६४) म. प. ७७ श्लो. १२४० ले. १६३३

(ज. १७८ क. १६०) स प. ८४ रतो. १२४० ले. १८०४

√ (ज. १७९ क्र. ३३६) स. प. ६-४३ श्लो १२४० ऋपृर्णः
इन्द्रनिद्संहिता इन्द्रनिद्योगिर्राचना.

(- 0- - ...3) m m ⊃∈ →

(ज. १८० क. ७३) प्रा. प. २६ ले. १६८१

उपासकाध्ययन वस्निन्दिसेद्वान्तिकृत

(ज ४८१ क. ३६७) प्रा. प ४१ ले १६४४ वसुनन्दिश्राव-काचारेत्यपर नाम.

√ (ज १६२ क ३६६) प्रा. प. ३४
(ज १६३ क ४२६) प्रा प ४४

उपसकाचार पृज्यपादविरचितः

चरगमार शोभारगत्रह्यचारिकृतः

(ज १८६ क २४) प्राप ४

चारित्रसार चाम्डरायमहाराजरचितः

★ (ज १८० क ३६९) स प ६८ ले ८८८६ (ज १८८ क ४३१) स प. ५४ ले १४६८ (ज १८० क ४४२) स प ८६ ले १६३४.

ब्रेदपिड इन्द्रन[न्दकृत

(ज १६० क ४६) प्राप १७ अग्रे ४०० ले १६७१

जिनमहिना काष्ट्रासघीर्याजनसन्पंडितपर्गाता

(ज १६१ क्र ७४) स प ६० ले १६७५ जिनसेनत्रि-वर्गाचारेन्यपरनामा

त्रिवर्गाचारः सोमसनविहितः

★ (ज १६२ क्र ६६) स प १०२ क्रो २७०० ते. १८८६

नि स १६६७

(ज १६३ क्र.३६१) संप ११३ क्ष्रो २७०० ले १⊏९१ नि.स १६६७

त्रिवर्णाचारः गुग्गभद्रभद्रारकविर्यचनः

(ज. १६४ क. ३७०) म. प. १२

धर्मोपदेशपीयूष-श्रावकाचारः नेमिदत्तकृतः

(ज. १६५ क. ३७१) स. प. २२ ले. १७४८ श. १६१३
(ज १६६ क. ४०२) स. प. ३२

धर्मसंग्रह-श्रावकाचारः पंडितमीहापरनाममधावीविरचितः

メ (ज. १६७ क. ४०३) सं. प. ६४ श्लो. १४४० ले. १७६०
नि. स. १४४१.

(ज. १६८ क. २२६) स. प. ६१ ऋंगे. १४४० ति. स. १४४१ (ज. १६६ क. ७४) सं. प. ७४ श्लो १४४० ले. १६६१ नि. स. १४४१.

पुरुषार्थासिद्ध्युपायः ठक्कुरामृतचन्द्रविरचितः

(ज. २०० क. ३७२) स. प. १२

(ज. २०१ क ३७३)स प ४८सम्कृतार्शसिह्तः ले १८८४ प्रश्नोत्तरोपासकाचारः सकलकीर्तिकृतः

> (ज २०२ क. ४२७) स प १८० ऋंगे ३००० ले १८२८ (ज. २०३ क. ४०४) स. प १४६ ७ ले १८६४

प्रायश्चित्तममुचयः गुरुदासाचार्यकृतः

(ज २०६ क. २६) स प. १४

प्रायश्चितसमुखय-टीका श्रीनन्दिगुरुविरचिता

(ज २०५ क. मम) स. प. म३ प्रायश्चित्तचुलिका-टीका श्रीनन्दिगुरुगुंफिता.

(ज. २०८ क. ४०६) स. प. ६०

प्रायश्चित्तप्रन्थः श्रकलकनिर्मितः

(ज. २०६-२१०-२११-२१२ क. ३३४-३३६-३३७-४०७)सं. प. ४-२-४-६ ले. १८३६- × --१९७०-१८२४ ख्लो. ६०

भगवत्याराधनापंजिका.

(ज. २१३ क्र. ४०८) सं. प. १४६ ले. १४७० भद्रबाहुसंहिता. भद्रबाहुनामांकिता.

> (ज. २१४ क. १४) स. प्रा. प. ११८ (ज. २१४ क ३७४) स. प्रा. प. १४२

भव्यजनचित्तबन्नभश्रावकाचारः गुणभूषणगुंफितः

(ज २१६ क १६३) सं. प. २१

मृलाचार-प्रदीपः सकलकीर्निकृतः

(ज २१७ क २७) स प ११४ श्लो. ३३६४ ले १६६८ (ज २१८ क ४०६) स प १४८ " + (ज. २१६ क. ४३२) सं. प. ६८६ " ले १६२१ मलागधनादर्पणं पंडिताशाधगविग्चिगं

> (ज २२० क ६७) सं प १२४ श्लो ४०२**४** मृलाराध-नायाः टीका

रवकरण्डश्रावकाचारटीका प्रभाचन्द्रविरचिता

★ (ज २२१ क ४१०) स. प ८७ ले १८६६
 (ज २२२ क २८) सं. प ४१ ले १६११

रयणसारः कुन्दकुन्दाचार्यविरचितः

(ज २२३ क. २३) प्रा.प. प

⊁ (ज २२४ क. ३७६) प्रा. प १०

लाटी-संहिना पडितराजमलप्रथिता,

(ज २२४ क. ७६) स प ६२ ले १६७८ नि. सं १६४१ (ज. २२६ क. १९१) सं. प. ७—८८ + "

विजयोदया अपराजितसूरिविरचिता

🏏 (ज. २२७ क. ६) स. प. ४६६ ले १८८३ मूलाराध-नायाः बृहट्टीका. (ज. २२८ क. ४०) सं. प ३८२ ले १८६० ॥ (ज. २२६ क. ४११) सं. प ११८ ऋपूर्णा ॥

त्रतसार-श्रावकाचारः

(ज २३० क. २६) मंप १ ज्लो, २२ व्रतश्रावकाचार

(ज. २३१ क. १६४) स. प. ४

🗶 (ज. २३२ क्र. ६४) म प ३

व्रताद्योतनश्रावकाचारः त्राभ्रदेवकृतः

(ज. २३३ क्र. ७७) स. प २२ १लो ४४२ ले १६७० श्रावकाचारः योगीन्द्रदेवकृत

🗡 (ज २३४ क्र ४३३) प्राप १५ लं. १८६६ रुलो २२४

🗡 (ज २३५ क्र ३७६) प्राप ११ १लो २२४ ले १८६२ अस्यान्ते लदमीचन्द्र कृतमित्युल्लेखः

(ज २३६ क्र १६४) ग्रा प[ँ] १६१लो २७० ढोधकानि २२४ श्रावकाचारः पद्मनन्दिकृतः

(ज. २३७ क ४३४) म प कर ले १६७८

श्रावकाचारः कुन्दकुन्दनामाङ्कितः

(ज. २३८ क. ४१४) म प ४० ले. १६५०

षट्कर्मश्रावकाचारवचनिका लक्ससेनरचिता

्रें ज. २३६ क्र १६६) प ४८ ऋपूर्णः सागारधर्मामृत पंडिताशाधरविश्चित

> (ज २४० क. ३७८) स प ४० ले १७४६ नि म. १२६६ 💢 (ज. २४१ क ३७६) सं प ४८ ले. १६३६ "

सागारधर्मामृत-भव्यकुमृद्चिन्द्रका आशाधरविरिचना,

(ज. २४२ क. १७) सप १४४ ले १७६६ .,

र्भ (ज. २४३ क. १६) स प १२० ले १८६६ वि. १७६१ श. वि. स. १२६६

सारचतुर्विशतिका सकलकीर्तिकृता.

(ज २४४ क ६) स. प. म७ श्लो. २४२४ ले. १म४१ (ज २४४ क ११) स प. १०४ " ले. १५६२ वि १७४७ श.

🗶 (जन्४६ क ८६) संप ८३ " ले. १८६० स्वामिकार्तिकयान्य्रज्ञा. कार्तिकयविरचिता

(ज. २४७ क. ४२८) प्रा. प. ४६ ्र (ज. २४८ क १६७) प्राप. ३२ (ज २४६ क. १६२) प्राप. ३६

स्वामिकार्तिकेयान्प्रेचा-टीका शुभचन्द्रभट्टारकविरचिता

ু (র ২২০ क ২০) स प १६६ ऋो. ७२४५ ले १८४६ नि स. १६०५

(ज २४१ क ३१) स प २२२ भ्रो ७२४६ ले १६४६ नि स, १६०८

(ज २४२ क १८)स प १७७ ऋो ७२४६ ले. १८३३ निस १६०८

(ज २४३ क १६) संप, २२८ क्लो ७२४६ ले. १८६२ निस १६०८

(ज. २५४ क ४३५) स प. २७७ श्लो, ७२५६ ले. १८६१ निम १६०८

(ज २४४ क ४४३) स प ३३८ श्लो ७२४६ ले. १८६२ नि स. १६०८

(ज. २४६ क ४१३) स प १३६ श्लो. ७२४६ ऋपृरा.

(ज. २४७ क. ४१२) स. प. ६८ श्लॉ ७२४६ 🛨 नि. स. १६०८. *

क्रियाकायड-ग्रन्थाः (२)।

प्रतिक्रमणुपाठः

(ज. २४८ क. ४२४) प्रा. प. ६

प्रतिक्रमणपाठः (बृहन्), गौतमगणधरकृत

प्रतिप्रतिक्रमण्पाठः

(ज. २६० क. ४२६) स. प्रा. प. ६१ ऋो. २००० ले. १७२४ श्रावकप्रतिक्रमणुपाठ

(ज. २६१ क. ४२७) प्राप. १३

(ज. २६२ क. ४२६) प्राप १४ ले १६४४

श्रावकप्रतिक्रमग्रपाठ

(ज. २६३ क. ४२८) प्राप 3

सामायिकमूलपाठः

(ज. २६४ क. ४६४) सं-प्राप २८ ले. १६४४

火 (ज. २६४ क ४८१) सं−प्राप. २६

सामायिक-टीका

(ज. २६६ कृ. ४=२) मं.-प्रा प ७४ ऋो १४०० सामायिकटीका. प्रभाचन्द्राचार्यकृता.

★ (ज. २६७ कृ. ४७४) स.–प्रा. प. ४९ ले १८१८
सामायिकलघ्पाठ

(ज. २६८ कृ. ४८०) प्रा.

सामायिकलघुपाठ.

(ज. २६६ क. ४६६) स. प. २

🗡 (ज. २७० क. ४६७) सं. प. २

संध्याविधिः

(ज. २७१ क्र. ६१३) स. प. ४ ले १८७४

संस्कृतिकयाकाएडं

🗶 (ज. २७२ क्र. ४५३) सं. प ६६

(ज. २७३ क्र. ४८४) स. प १०-३१, ४६-७४,

श्चर्हद्भक्तिः पंडिताशाधरविग्चिता (ज. २७४-२७४ क्र ४७८-४२६) सं. प. २-२

श्राचार्यभक्ति

🕂 (ज २७६ झ. ४७) प. २ श्रो ३१ (ज. २७७ क. ४३०) प. २

चारित्रभक्ति

+(ज२७८क ४८)प२ (ज. २७६ क ४३१) प ४

निर्वाणभक्तिः

४ू(ज २५० क ४६) प ३ नन्दीश्वरभक्ति.

💢 (ज. २८१ क्र ४७७) प. ४

火(J. マニマ あを終し) いのをは、

योगभक्ति

🕂 (जञ्द३क्र ४०)प २ (ज २८४ क ४३२) प ४

श्रुतभक्तिः

y. (ज न्दर्भक्त ४१)प.४ (ज २⊏६ क ४३३) प. ७

मिद्धभक्तिः

भं(ज व्यक्त ४०)प (ज न्द्र क ४३४) प्र

सिद्धभित्तटीका श्रुतसागरसूरिविरचिता.

X (ज. २८६ क. ४३४) प. ७
**

४--इतिहास-ग्रन्थाः।

श्रजितपुराणं श्ररुणमणिविरचित

🗴 (ज २६० क्र. २०२) मं. प. ३४१ श्ली प्रमध्य ले. १७४६ नि. स. १७२६

(ज. २६१ क. ६०) मं. प २४६ ऋो प्राप्त १ के १८७४ नि. स. १७२६

श्रादिपुराएं जिनसेनाचार्यविरचित

(ज. २६२ क. ६१) सं. प ३२४ ले १८६२

(ज. २६३ क्र. २०३) स प ४६६ ले. १६६६

(ज. २६४ क. २०४) सं. प ४६६ ले. १७६७

(ज. २६५ क. २०७) सं. प. ६०६ ले १७८६

🗶 (ज. २६६ क्र. २०५) स प. ११६–६३४ अप्रर्णं.

🗴 (ज. २६७ क. ६४) संप. २२६

श्चादिपुराएां श्रभिमानमेरुकविपुपदन्तकृतं

(ज. २६८ क्र. २६४) प्राप ३७४ ऋपूर्णं परिवसम्यस्य स्टब्ल्सिक्टं

श्रादिपुराण सकलकीर्तिकृतं

(ज. २६६ क्र. २६६) सं. प ७२ ऋपूर्णं.

उत्तरपुराणं गुणभद्रभदंतकृतं

(ज. ३०० क. २०५) संप. ३६२ ले. १७५२

(ज. ३०१ क्र. २०६) सं. प. ४१२ +

४ (ज. ३०२ क. २१०) सं. प. ४०० ले. १८६६
उत्तरपुराण्पंजिका.

(ज, ३०३ क, २८१) सं. प, ५३ ऋो. ४०००

करकंडुचरित्रं भट्टारकशुभचन्द्रविरचितं

(ज. ३०४ क्र. २८२) सं. प. १३६ श्रपूर्णं

गौतमचरित्रं मंडलाचार्यधर्मचन्द्रकृतं

(ज २०४ क्र २६४) सं प. ६४ ले. १८२६ नि. स. रस-युग-त्र्यद्वि-इन्दु १६४६

चन्दना-चरित्र भट्टारकवादिचन्द्रकृतं

(ज. २०६ क. २४२) सं. प ४४ क्षां ५०७ ले १६५४ नि. स. १६४१

चन्द्रप्रभ-चरितं त्र्याचार्यवीरनन्दिनिर्मित

🗶 (ज. ३०७ क. २११) मं, प. ७४ ले. १८६६

(ज. ३०८ क. २३४) सं. प १२३

चन्द्रप्रभचरितं भट्टारकशुभचन्द्रप्रथितं

(ज. ३०६ क. २३६)सं. प. ७६ ऋो १४६० नि. स. १४६६

X(ज. ३१० क. २१२) सं.प. ५ " ले.१७४१ (ज. ३११ क २१३) सं.प. ७७ " " +

चन्द्रप्रभचरित दामोद्रकविप्रगीत

(ज. ३१२ क्र. २३७) स. प. १६४ श्लो.४०१४ नि.स १७२७ ले. १८४२

जीवन्धरचरित भट्टारकशुभचन्द्रविहितं

🗡 (ज. ३१३ क्र. ३११) सं. प. ५१ श्लो. २२४० नि. स. १४७२ ले. १७०६ वि १४७१ श

(ज. ३१४ क २३८) मं. प १२६ श्लो, २२४० नि.स.१४७२ ले. १६१२ वि. १७१७ श.

जम्बृस्वामि-चरितं जिनदामब्रह्मनिर्मितं

४ (ज. ३१४ क. २१४) भं. प. ४६ श्लो. २२३० ले. १८८६ वि. १६६१ श.

(ज. ३१६ क्र. २२७) सं. प. ७८ श्लो. २२३० ले. १८२४ (ज. ३१७ क्र. २३६) सं. प. ३–६३ श्लो. २२३० +

जम्बूस्वामिचरितं

(ज ३१८ क्र. २३२) सं. प. ३० ले. १७४६, श. १६११ गद्ये त्रिषष्टिम्मृतिः पंडिताशाधरविरचिता.

> (ज. ३१६ क. २४०) सं. प. ३४ श्लो. ४०४ ले. १४८० नि सं. १२६२

त्रिषष्टिम्मृतिपंजिका पंडिताशाधरविरचिता.

(ज. ३२० क्र. २४१) स. प. ३६-४१ ले. १४८० नि स.१२६२ द्विसन्धानमहाकाव्यं महाकविधनंजयनिर्मित

> (ज. ३२१ क. ३१२) मं. प. २--३०० ऋपूर्ण, नेमिचन्द्रकृत-व्याग्व्यायुतं।

धन्यकुमारचरित गुणभद्राचार्यविरचितं

X (ज ३०२ क्र. ३१३) स. प. ४७ श्लो. ६०० ले १६०४
(ज. ३०३ क्र. ३१४) सं. प. ४७ " ले १६१६
धन्यकमारचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज ३२४ क २४२) स. प ३७ श्लो ८४० ले. १८४१ धन्यकुमारचरित नेमिदत्तब्रह्मरचित

(ज. ३२४ क २४३) स. प २१ श्लो. ४६४ ले. १८८२ (ज. ३२६ क. २८३) स प. ३० " ले. १७८३ (ज. ३२७ क. २८४) सं. प. २४ " +

(ज ३२६ क. ३१४ स. प. २६ श्लो. ४३४ ले. १८६१ नेमिपुरायां नेमिदत्तब्रह्मकृत

(ज. ३३० क्र. २४४) सं. प. १६२

(ज. ३३१ क. २२८) सं. प. १३४

(ज. ३३२ क. २२६) सं. प. १४२ ले. १८४९

भू (ज. ३३३ क. २६७) सं. प. २२६ ले १८६८

नेमिदूतकाव्यं मांगणाङ्गज-भांभणविरचितं

(ज. ३३४ क्र. २४४) सं. प. ४-११ श्लो. ३०४ नेमिदृतकाव्यं सांगणात्मज-विकमकृतं.

(ज. ३३४ क्र. २४६) सं. प. १३ श्लो. ३७४ ले. १८६६ नेमिनिर्वाणकाव्यं वाग्भटप्रणीतं

(ज. ३३६ क. २१४) स. प. ५२ श्लां. १३१७ ले. १८६० (ज. ३३७ क. २४७) सं. प. ४१ " श्रपूर्ण

पद्मपुरागं रविषेगाचार्यविरचितं

(ज. ३३८ क. २३०) सं. प. ४४४ श्लो. १८२३ <mark>नि. स</mark> १२०३॥ वी. नि.

४ (ज. ३३६ क. २६६) मं. प ४०८ श्लो १८२३ नि स. १२०३॥ वी. नि. ले. १४२२

पद्मपुराणं मोमसेनभट्टारककृतं

्रे (ज. ३४० क्र. २६७) संप. २४० श्लो. ७००३ नि स. १६४६ ले. १६७२

(ज. ३४१ क्र. २३१) सं. प. १४३ श्लो. ७००३ नि. स. १६४६ ले. १८८३

पांडव-पुराणं भट्टारकशुभचन्द्रप्रणीतं

(ज. ३४२ क्र. २४४) सं. प. १६७ श्लो. ६००० नि. स. १६०८ ले. १८६७

४ (ज. ३४३ क. २८४) सं. प. २१६ श्लो. ६००० नि. स. १६०८ ले. १६४१

पार्श्वनाथचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज. ३४४ क. ३१६) स. प. १०७ श्लो. २८४०

५ (ज. ३४४ क. २४६) सं. प. १०४ " ते. १८४४ (ज. ३४६ क. २४४) सं. प. १०४ " ते. १८४६ श. १७११

🗶 (ज. ३४७. क. २४६) सं. प. ८३ श्लो. २८४० ले. १८६६ ्र (ज.३४2≱क ४४४) संप १६७ " ले. १⊏६७ श. १७१७ ?

पार्श्वनाथ-चरितं वादिचन्द्रमुनिकृत

(ज. ३४६ क्र. २४७) स. प ६६ श्लो. १४०० ले. १८६६ नि. स. १६४०

पुराणसारसम्रह मकलकीर्तिकृतः

(ज. ३४० क. २१६) स. प १०७ ले. १८१८ प्रदाम्नचरितं सिद्ध-मिहकविभ्या कृतं

(ज. ३४१ क. २१७) प्रा. प १२४ ऋपूर्ण

प्रयम्न-चरित सामकीर्तिविरचित

🗴 (ज. ३४२ क्र. २१८) सं. प. २०६ श्ला. ४८४० ले. १७७६ (ज. ३४३ क्र. २६८) सं. प. १६२ " ले. १८२८ (ज. ३४४ क. २४८) स. प १६६ " लं. १६७८

बाह्बलिचरितं धनपालनिर्मितं

🗶 (ज. ३४४ क. २६६) प्रा. प. १६४ ले. १४८२ नि. स. १४४४ भविष्यदत्त-चरितं विबुधश्रीधरविरचित

★ (ज. ३४६ क्र. २४६) प. ७२

(ज. ३५७ क. २६०) प ६१

मिन्नाथ-चरितं सकलकीर्तिरचितं

(ज. ३४८ क. २६१) स. प. ४२ श्लो, ६२४

🗴 (ज. ३४६ क. २७०) संप ४४ ख्लो. ६२४ ले १६१४ महीपालचरित चारित्रभूषण्यथितं

(ज. ३६० क. २७१) सं. प. २१ श्लो. ६६४ ले. १८४२

💢 (ज. ३६१ क. २७२) सं. प. २६ " लं. १८७४ (ज. ३६२ क. २७३) सं. प. ४८ " ले. १८७१

यशस्तिलकचंपू. सामदेवसूरिप्रणीता

(ज. ३६३ क. २८६) सं. प. ३६४ श्लो. ८००० ले. १७१७ नि. सं. ८८१ श

यशोधरचरित अभिमानमेककविपुष्पदन्तकृत

🗴 (ज. ३६४ क. २८७) प्राप ८८ ले. १६३३ श. १४६८ (ज. ३६४ क. २८८) प्रा.प. ४७ ऋषूर्णं

यशोधरचरितं सकलकीर्तिविगचितं

🗶 (ज ३६६ क्र २≍६) संप. ४१ श्लो. ६६० ले. १४४४

⊁ (ज. ३६७ क. २७४) स प. ५१ " ते. १८१०

🗡 (ज. ३६८ क्र २७४) सं. प. ३७ " ले. १८२१

🕂 (ज. ३६६ क. २७६) मं. प. ४८ " ते. १८६२

यशोधरचरितं श्रृतसागरसूरिप्रणीतं.

(ज. ३७३ क. २२०) सं. प ४२ ले. १८०६

यशोधरचरित वामवसेनविरचितं

🤸 (ज. ३७४ क २७६) स. प. ६४

यशोधरचरित पूर्णदेवरचितं

(ज ३७४ क. २२१) स. प. १४ ले. १६२४ यशोधरचरित माणिक्यकविनिर्मित 💆

🔀 (ज. ३७६ क्र. २६०) सं. प ६८

वरांगचरितं वर्धमानकृत

Х (ज. ३७७ क. २६१) स. प. ५३ ले. १८४२
(ज. ३७८ क. २६२) सं. प. २–२० + अपूर्णं
वर्धमान~चरित हरिचन्द्रप्रथित

🗶 (ज. ३७६ क. २६३) प्रा. प. ४४४क. १

वर्धमानचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज. ३८० क. २८०) स. प. २-१३६ श्लो, ३४००

(ज. ३८१ क. २४६) सं. प. २-७४

(ज. ३८२ क. २२२) म. प. १२१ श्लो. ३०३४, ले. १६०८ श. १७१३ ?

(ज. ३५३ क. २२३) स. प. १०६ " ले. १५७५ श. १७४० ?

शान्तिपुराएं मकलकीर्तिविरचिन

(ज. ३८४ क २३३) स. प. १८० श्लो. ४३७४

(ज. ३५४ क. २३४) सं. प. ११४ " ले. १५०१

(ज. ३८६ क्र. २६२) संप १६३ " ले. १८६६

-(ज. ३८७ क्र. २६३) स. प. १४६ " ले १६००

शान्तिपुराग असगकविप्रगीत

(ज. ३८८ क २२४) स. प. ८६ ले १८७८

श्रे णिकचरितं शुभचन्द्रभट्टारकरचितं

(ज. ३८६ क. २६४) सं. प. १२७ श्लो. २४०० ले. १७८६

(ज. ३६० क. २६८) म. प. ११० " ले. १७००

(ज. ३६१ क २६६) स प. ४३-१०७ श्लो. २४०० श्रपूर्ण

सुकुमालचरितं सकलकीर्तिप्रणीत.

(ज. ३६२ क. ३००) म. प ४२ ऋंग ११०० ले. १६२७

(ज. ३६३ क. २४०) स. प. ३६ " ले. १८४०

(ज. ३६४ क. ३०१) स प ७३ "+

(ज. ३६४ क. ३०२) सं. प. ३६ " + ऋपूर्णं मुदर्शनचरितं भट्टारकविद्यानन्दिकृतं.

(ज. ३६६ क. २४१) सं. प. ३८ ऋंग्र. १६३२, ले. १८७६

(ज. ३६७ क. ३०३) स प. ६४ " ले. १६३४

सुदर्शनचरितं सकलकीर्तिविरचित.

(ज. ३६८ क. २०४) सं. प. ४० श्लो. ६०० ले. १६४१

(ज. ३६६ क्र ३०४ सं. प. ३७ ″″″

संभवनाथचरितं तेजपालकविरचितं

(ज. ४०० क. ३०६) प्रा प. ६७ ले. १४८३ हनूमचरितं ब्रह्म-त्र्यजितकृत.

- (ज. ४०१ क. २४२) संप ७३ श्लो. २००० ले. १९१६
- (ज. ४०२ क. ३०७) सं. प. १२४ " तो. १६०२
- ्र.(ज. ४०३ क १२) सं. प. ६३ " लॅ. १८८७ हरिवशपुराण ब्रह्मजिनटामप्रणीत.
 - (ज. ४०४ क ५२) स प. २१४ ऋो ७२०१ ले. १८६४
 - (ज. ४०५ क. २६४) स प १६४ " ले. १८१०
 - (ज ४०६ क्र २०६) सं. प. ४०० " ले. १८४२

हरिवंशपुराण

(ज ४०७ क्र ३०८) मं प ६३ 'गद्यात्मक' हरिवंशपुराग्। रङ्घ्रकविविरचित

(ज. ४०८ क्र. ३०६) प्रा. प १२६ ले. १४६४ होलिकाचरित ब्रह्मजिनदामनिर्मितं

> (ज. ४०६ क ३१०) स. प. ४२ श्लो. त्रि. वार्षि. वसु ८४३ १६७८ नि स १६०८

> (ज. ४१० क. ६३) स प ३० श्लो. त्रि वार्धि. वसु ८४३ नि. स. १६०८

* * *

कथा---ग्रन्थाः।

श्रनन्तव्रतकथा पद्मनन्दिकृता.

(ज. ४११ क. १६३) मं, प ४

(ज. ४१२ क. १६४) सप १०

श्रनन्तव्रतकथा श्रुतमागरसूरिरचिता

(ज. ४१३ क ४५४) स प ६

श्राराधनाकथाकोषः ब्रह्मनेमिदत्तप्रग्रीतः.

(ज. ४१४ क ७८) स. प. १४४ श्लो ४४०० ले १८६०

(ज ४१४ क ६८) सप १६६ " ले. १८८६ श १७४१

कथाकोषः श्रुतसागरसूरिविहित.

(ज ४१६क ६६) सप १०१

कवलचन्द्रायण्व्रतकथा.

(ज. ४१७ क. ४६४) सं. प. ४ ले, १६७८

कौमुदी-कथा.

(ज. ४१८ क. ४६३) स प. ६२ पद्मात्मिका

(ज ४१६ क्र. ४८७) स प. ११७ ले. १६०० ,

-(ज. ४२० क. ४०१) स. प १८३ ले. १८७४ "

(ज. ४२१ क. ४६६) स. प १४६ ले. १८३७ ,

कौमुदीकथा.

(ज ४२२ क. ४८८) स. प. ४६ गद्यरूपा

(ज. ४२३ क. ५०२) स प. ६० ७

धमापदशकथानकं रत्नभूषण्विरचितं

(ज. ४२४ क. ४४१) सं. प. १४० ले. १८८७

नागकुमारपंचमीकथा मिल्लवेणसूरिविरचिता

(ज. ४२४ क. ४≍६) सं. प. ३६

नागश्रीकथ . ब्रह्मनेमिटत्तकृता

. (ज. ४२६ क्र ४६०) सं प. २-१६ श्लो. ३७४ ले. १६४१

(ज ४२७ क ४६१) स. प. २८

पंचाख्यानं.

(ज. ४२८ क १०८) स. प. १६८

ब्रह्मचक्रवर्तिकथा

(ज. ४२६ क. ४९२) स. प. ३० ले. १६१७ ^१

मविष्यदत्तपंचमीकथा धनपालविरचिता.

(ज. ४३० क. ४९३) प्रा. प. १४८

मदनपराजयकथा जिनदेवरचिता

(ज. ४३१ क. ४६४) सं. प. ४६

(ज ४३० ऋ. ४६४) म. प. ४३ तं. १८५६

मौनव्रतकथा गुणचन्द्रकृता.

(ज. ४३३ क. ४६१) स. प ४

रचाविधानकथा सकलकीर्तिनिर्मिता.

(ज ४३४ क ४४८) म प ६ ले. १८७६ श. १७४४ रोटतीजवनकथा गुरानन्विमधिता.

(ज. ४३५ क्र. ४६६) मं. प ३

रोहिणीत्रतकथा भानुकीर्तिविहिता.

(ज. ४३६ क्र. ४६७) स. प. ४

रैदन्नतकथा गिएदेवेन्द्रकीर्तिप्रएीता.

(ज. ४३७ क. ४६०) सं. प. ४ ले. १⊏६१

व्रतकथाकोष.

(ज. ४३८ क्र. ६१२) सं. प. १६८ ले. १७४७

षोडशकारणकथा विशालकीर्तिरचिता.

(ज. ४३६ कृ. ४६८) प्रा. प. २८ ले. १४१६

सप्तव्यसनकथा सोमकीर्तिविरचिता.

(ज. ४४० क. ४६४) सं. प. ६४ ले. १७६४ नि. स. १४२६

(ज. ४४१ क. ४७०) स. प. ४०

t "

सिद्धचककथा पद्मनिन्दशिष्यशुभचन्द्रविर्यचता.

(ज. ४४२ क. ४६८) सं. प ७ ले. १८३३ सिद्धचककथा नरदेवकता.

(ज ४४३ क. १६६) प्रा. प ४२ ले. १५६४ सगन्धदशमीकथा

्ज. ४४४ क्र. १६७) स. प. ४

* *

५---नाटक-च्याकरण-कोष-छन्दोऽलंकार-गणित-ग्रन्थाः।

ज्ञानसूर्योदयनाटकं वादिचन्द्रकृतं

(ज. ४४५ क. १०६) स प ३७ ले. १८६७ नि. स १६४८

(ज,४४७ क ३१८) प्राप३

लिगानुशासनं,

(ज. ४४८ क. ३१६) स प. १२ सटीक।

निघंदुसमय धनजयविरचित

(ज. ४४६ क. ३२०) सं.प.१७ नाममालापराव्ह ले. १७८१ निघंदुसमयटीका श्रमरकीर्तिकृता.

(ज. ४४० क. ११०) स. प. ७२ छन्दः कोषः

(ज. ४४१ क. ३२) प्रा. प. ६ श्लो. १७४

वाग्भटालकार वाग्भटप्रणीत

(ज. ४४२ क. ३२१) सं. प. ७

सारसंप्रहः महावीरकृतः

(ज. ४४३ क. २२४) सं. प. ४०

६--न्याय-प्रन्थाः।

अष्ट्रसहस्त्री स्वामिविद्यानदविरचिता.

(ज. ४५४ क. ३३८) स. प. २१२ श्लो. ८०००

(ज. ४४४ क. ३२२) सं. प. ४१३ " ले. १७०१

् (ज. ४४६ क. ३२३) सं. प. २०८ " ले. १७७१

श्रष्टसहस्री-गृढपद्विवृतिः लघुसमन्तभद्रकृता.

(ज. ४४७ क. ३२४) मं. प. ४६ ले. १४७४ देवागमस्तुनिः बृद्धसमन्तभद्रप्रणीता.

> (ज. ४४८ क. ३३६) मं, प. २२ कारिका ११४ श्राप्तमीमां-सिनमित्यपरनामा.

> (ज. ४४६ क. ३४०) सं. प. २३ कारिक। ११४ आप्रमीमां-मित्रमित्यपरनामा.

देवागमवृत्तिः वसुनन्दिसिद्धान्तचक्रवर्तिविहिता.

(ज. ४६० क. ३४१) सं. प. ३७ ले. १६१६

(ज. ४६१ क्र. ३४२) सं. प. ३८ ले. १८८३

न्यायदीपिका धर्मभूषण्यतिविरचिता.

(ज. ४६२ क. ३२४) सं. प. ३६ ले. १८६०

(ज. ४६३ क. ३४३) सं. प. ३६ ले. १८६६

पत्र-परीचा आचार्यविद्यानन्दिप्रणीता.

(ज. ४६४ क. ४५६) मं. प. ४४ ले. १६७१ प्रमाणनिर्णयः वादिराजसूरिकृतः

(ज. ४६४ क. ३४४) स. प. ३१ ले. १४६६

प्रमेयरत्नमाला लघ्वनन्तवीर्यविरचिता.

(ज. ४६६ क ३४४) स. प. ११७ ले १६१८ परीचामुखम्य-लघुटीका.

. (ज. ४६७ क. ३४६) स प. ७१ 💮 🛨

(ज. ४६८ क. ३२६) स. प ४१ + " ऋपूर्णा

विश्वतत्वप्रकाशः भावसेनजैवियदेवप्रगीतः

ज. ४६६ क. ३४७) स. प. ४८ ऋपूर्ण

सप्तभगी.

(ज. ४७० क ३२७) स. प. ३

*

७--स्तोन्न-ग्रन्था

3 P. C.

ऋषिमंडलयंत्र-म्तोत्र

(ज. ४७१ क ४०३) म. प. ४

(ज ४७२ क ६१४) स. प ६

चिन्तामशिपाश्वनाथस्तोत्र

(ज. ४७३ क. ४०४) मं. प. २

एमोकारकल्पं सिहनंदिप्रणीत.

(ज. ४७४ क. ४७१) स प. ४७ श्लो. १००० ले. १९७८ नि. स. १६६७

पद्मावती-स्तोशं.

(ज. ४७४ क. ४०४) स. प. ४

पार्श्वाष्टकस्तोत्रं इन्द्रनन्दिरचितं.

(ज. ४७६ क. ४३) स. प. १

भैरवपद्मावतीकल्पं मिक्कषेणाचार्यविरचितं.

(ज. ४७७ क. ४०६) सं. प. १७

(ज. ४७८ क. ४०७) स. प. ४८ गुर्जर-श्रर्थसहितं श्रपूर्धं.

(ज. ४७६ क. ४०८) स. प. ४२ स्वोपझटीकासिहतं.

ले. १६३३

(ज. ४८० क. ५०) स. प. ४७

" ले. १६७८

महाविद्याप्रन्थ

(ज. ४८१ क. ४७४) स. प. ११६

भ्रतस्कन्धसारस्वतयंत्र-स्तुतिः श्रुतसागरसूरिकृता.

(ज. ४८२ क ४०६) सं. प. २

सुन्दरीयंत्रं

(ज. ४८३ क. ४१०) स. प. ८

+ +

अकलकाष्ट्रकस्तात्रं भट्टाकलककृत

(ज. ४८४ क. ६०६) स. प. १ ले १७११

(ज, ४८४ क, ४३६) स. प. ३

एकीभावस्तोत्रं व।दिराजसूरिप्रणीत

(ज. ४८६ क्र. ४११) सं. प. ३

एकीभावस्तोत्रटीका नागचन्द्रविरचिता.

(ज. ४६७ क. ४३७) मंप. ६ ले. १६७६

करुणाष्ट्रकस्तोत्रं पद्मनदिविहित

(ज. ४८८ क. ४४) स. प. १

च ुर्विशतिजिनभवान्तरस्तुति गुणभद्रभदन्तरचिता.

, (ज. ४८६ क. ४४) स. प. ३ ले. १६७८ नि. स. ८२० श. चतुर्विंशतिजिनस्तुति कनककोर्तिकृता

(ज. ४६० क. ४३८) सं. प. ११

जिनसहस्रनाम जिनसेनरचितं

(ज. ४६२ क. ४६२) सं. प. ६

जिनसहस्रनाम (लघु)

्ज. ४६३ क. ४६०) सं. प. ४

परमस्थानस्तोत्रं

(ज. ४६४ क. ४६१) सं. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं उमास्वामिविरचितं

(ज, ४६५ क, ४३६) स. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं विद्यानन्दिसूरिविरचित

(ज. ४६६ क. ४६) स. प. ४ ले. १६७८

पचनमस्कारस्तोत्रटीका प्रभाचन्द्राचार्यकृता

(ज. ४६७ क. ६१४) सं. प. २-१३

भक्तामरस्तोचं मामतुगाचार्यप्रथित

(ज. ४६८ क. ४३६) सं. प. ६ ले. १६६२

(ज. ४६६ क. ४४०) सं. प. ६ ले. १९७६

भक्तामरस्तोत्रवृत्तिः रायमस्त्रब्रह्मचारिकृता.

(ज. ४०० क. ४४२) मं. प. ४८ श्लो. १००० ले. १७७७ नि. स. १६६७

(ज. ४०१ क ४४१) स. प. ४२ श्लो. १००० ले. १७८१ नि. स. १६६७

मक्तामरस्तोत्रवृत्तिः रत्नचन्द्रकृता

(ज ४०२ क ४४२) सं. प. ४१ श्लो १००० नि स. १६६७ भक्तामरस्तोत्रटीका

(ज. ४०३ क्र. ४४३) सं. प. २६ भूपालस्तोत्र भूपालकविष्रणीत (ज. ४०४ क्र. ४३७) सं. प. ४

भैरवाष्ट्रकं

(ज. ४०४ क. ४७६) सं. प. १

यतिभावनाष्ट्रकं स्राचार्यपद्मनन्दिवरचित

(ज. ४०६ क ४४४) सं. प. ४ लें. १४२६

लद्मीस्तोञं पद्मप्रभदेवविरचितं

(ज. ४०७ क 🛨) स. प. ३

(ज ४०८ क. ४८) संप १

विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविविहित

(ज. ४०६ क ४३८) स. प. ६

(ज. ४१० क. ४७६) सं. प. ४

्(ज. ४११ क. ४७२) संप ६

वन्दे तान्नुतिमाला माघनन्दिविरचिता

(ज. ४१२ क ४७) सं. प. १

शान्तिनाथाष्ट्रकस्तोत्रं

(ज. ४१३ क्र. ४३६) सं. प. ४ सटीकं।

शारदास्तुतिः ज्ञानभूपण्कृता

(ज. ४१४ क, ६१०) स. प. १

सिद्धिप्रियस्तोत्रं ऋाचार्यदेवनन्दिप्रणीतं

(ज. ४१४ क. ४१२) सं. प. ३

(ज. ४१६ क ४१३) सं प. ४

स्वयंभूस्तोत्रं समन्तभद्रस्वामिविरचितं

(ज. ४१७ क. ४४३) सं. प. ४० प्रभाचन्द्राचार्यविरचित-

व्याख्यायुतं ले. १८०६

(ज. ४१८ क. ४४४) सं प. ४७ प्रभाचन्द्राचार्यविरचितं व्याख्यायतं ले, १६६८

७—ग्रभिषेक-न्यासग्रन्थाः ।

बृहत्स्नानविधिः.

(ज. ४१६ क. ४६२) मं. प. २३ ले. १८६२ महाभिषेकविधि पडिताशाधरकृतः.

(ज. ४२० क ४६३) स प ४-२३

महाभिषेकवृत्ति श्रृतसागरसूरिकृता

(ज ४२१ क ४६४) स प २ ऋपूर्णा.

जिनयज्ञकल्प सुरिकल्प-आशाधरविरचित

(ज. ४२२ क. ४६४) स. प १२८ श्लो १८८८ नि स् १२८४ ले. १८८६

(ज. ४२३ क. ४६६) स. प. १८० श्लो. १८८८ नि स. १२८४ ले. १४१७

(ज ४२४ क्र ४६७) स प ८३ श्लो १८८६ नि. सं. १२८४

प्रतिष्ठासारसंग्रहः वस्निन्दिमैद्धान्तिरचित

(ज ४२४ क. ४६) सं. प. २६ श्लो. ४७६

(ज ४२६ क. ७६) सं. प. २८ "

(ज. ४२७ क. ४४४) सं. प. २४ "

(ज. ४२९ क. ४६६) स. प. ६

(ज. ४३० क. ३३) संप ११

तीर्थोदकादानविधानं.

(ज. ४३१ क्र ४४६) सं. प. १७ ले. १८१४ बृहत्पुरयाहवाचनं.

(ज. ४३२ क. ४७०) सं. प. ४ ले. १८६६

यागमंडलविधान उपाध्याय-व्योमरसप्रणीतं.

(ज. ४३३ क. ४१४) सं. प. १३६ तो. १८६४ शान्तिहोमविधिः.

(ज. ४३४ क. ६११) सं. प. म ले. १४३३, श. १३६७

❖

८--पूजा-ग्रन्थाः।



ऋषिमडलयत्रपूजा-पजिका.

林

(ज. ४३४ क. ४४०) सं. प. २ श्लो. ८६ कलिकुंडस्तवनपूजा-स्तोत्रं.

(ज. ५३६ क्र ४१४) संप. ७

गराधरवलयपुजा सकलकीत्यीचार्यप्राणीता

(ज. ४३७ क्र ४४१) संप ४

चितामगिएपाश्र्वानाथपुजा,

(ज ४३८ क ४४७) संप. ४३

पद्मावतीपूजास्तोत्र

(ज. ४३६ क्र. ४४८) संप ६

शान्तिकविधिः.

. (ॅ्ज. ४४० क. ४७१) स. प १४ ऋपर्याः

शान्तिनाथयंत्रपूजा पद्मनन्दिकृता

(ज. ४४१ क. ४७२) म प. ४ श्लो. १२०

(ज. ४४२ क. ४१६) संप. ६ " ले. १६३०

(ज. ४४३ क. ४१७) सं. प. ४ " ऋपूर्णा.

सप्तर्षिपूजा. सोमसेनप्रणीता.

(ज. ४४४ क. ४४२) सं. प. १०

मारम्बनयंत्रपूजा शुभचन्द्रविरचिता.

(ज ५४५ क ४४३) संप. १५ सिद्धचक्रपजा.

(ज. ४४६ क ४७३) संप. १३

(ज. ४४७ क. ६०) संप. १७

सिद्धचक्राष्ट्रकपूजारीका श्र तसागरसृरिविहिता

(ज. ५४८ क ४४४) संप. ५-१५

अनन्तव्रतपजा श्रीभूषण्विर्यचना

(ज. ४४६ क ४४४) संप १२ कवलचन्द्रायणादित्रनोद्यापनं देवेन्द्रकीर्तिकृतं.

(ज ४४० क्र ४८६) मं. प ४ नि स. नेत्र-सिडि-मुनि-चन्द्र. चतुर्विंशनितीर्थकरपूजा.

्री जु¥४१ का, ४७४) स. प. ^{५३} चतुर्विंशनितीर्थप्जाष्ट्रकं.

(ज ४५० क्र ४१६) स प १८ ले. १६७०

चारित्रशुद्धिविधानं शुभचन्द्रप्रगोतं.

,(ज. ४४३ क. १०६ मं. प. ७४ श्लो १४१६ लं १०६ द (ज ४४४ क. ४७६) स. प. २७ ७ +

नि स ऋब्देऽध्ववारदव्यके ?

जम्बुद्वीपाकृत्रिमजिनालयपूजा जिनदासब्रह्मकृता

(ज. ४४४ क. ४७७) सं. प. २७

त्रिलोकसारपूजा सुधासागरप्रणीता.

(ज. ४४६ क. ४७८) मं. प ७८ ले. १८६१

दशल चर्णोद्यापन सुमतिसागरविरचितं.

(ज. ४४७ क, ४४६) सं, प, १०

देवपूजाविधानं.

(ज. ४४८ क्र. ४४६) सं. प. २१ देवसिद्धपूजाविधानं.

(ज. ४४६ क. ४४७) सं. प. १०-२१ द्वादशबतोद्यापनं.

(ज. ४६० क्र. १६८) सं. प. ३ नवयहंविधानं भद्रबाहुप्रणीतं.

(ज. ४६१ क. ४४८) सं. प. ४

(ज. ५६२ क. १६४) सं. प १० ले १६४४ पुष्पांजलिविधानं.

(ज. ४६३ क्र १६६) मं. प. प मुक्तावलीव्रतोद्यापनं.

(ज. ५६४ क. १७०) सं. प ३

(ज. ४६४ क. १७१) सं. प. ४

*रत्*नत्रयपूजा

(ज. ४६६ क्र. १७२) सं. प ७ रत्नत्रयविधान सकलकीर्तिकृतं.

ज. ४६७ क. १७३) सं. प. १४

शुक्रपञ्चमीत्रतोद्यापनं वादिचन्द्रप्रणीतं

(ज. ५६८ क. १७४) सं. प. १० ऋो. ११७

(ज. ४६६ क. १७४) सं. प. ८ स्रो. ११७

शुक्रपंचमीव्रतोद्यापनं सारावागजीककृतं.

(ज. ४७० क्र.) भं. प. ७ ले. १७३२ षोडशकाररापूजा.

्रा. ४७१ क. ४७६) सं. प. २ सप्तर्षिपूजा श्रीभूषग्गनिर्मिता

(ज. ४७२ क. ४४७) सं. प. १०

सम्मेदाचलपूजा गंगादासविहिता.

(ज. ४७३ क्र. १७६) सं. प. २०

सिद्धपूजा पद्मनंदिकता.

'((ज. ४७४ क. ४८०) स. प ३

*

६---प्रकीर्णक-ग्रन्थाः।

上 日 山 丁一

श्ररहंतपाशाकेवली.

(ज. ४७४ क ४⊏१) स. प ६ ले १६३८ जैनपाशाकेवली.

ं (ज. ४७६ क. १६८) स प ४

् (ज. ४७७ क. १६६) स. प ६ लं. १६१७

(ज. ४७८ क. ४६६) स. प. ५ - अपूर्ण.

दश-दृष्टान्त .

ें (ज. ४७६ क २००) स. प. १५

दीचापटलं.

(ज. ४८० क ४१८) स. प. २ ले १८६६ धार्मिकचर्चा.

र्वे (ज. ४५१ क्र. ४६७) स. प. ५

प्रस्ताविक-श्लोकाः

प्रस्ताविकचर्चा.

(ज. ४८३ क्र. ४४६) स्पष्ट एंचप्रकारमुनिः.

(ज. ४८४ क. ४७३) स. प २

राजीमतीविरह-भक्तामर.

(ज. ४८४ क. ४८२) सं. प. ४

(ज. ४८६ क्र. २०१) सं. प ६ ले. १५७०

(ज ४८७ क ४१६) सं. प ७

शास्त्रभेदः

(ज ४८८ क ४२०) स. प १ षोडशस्वप्रावली.

(ज ४८६ क ४००) स प ३ ले १८८६ सभातरांगणी.

(ज. ४६० क. ४२१) स. प ४२ छन्द ४६४ सुभाषित श्लोकाः

(ज. ५६१ क. ५२२) स प. १०

* *

१०--गुच्छक-ग्रन्थाः।

१—गुच्छकः (क. <u>४०४</u>) लं १६३४

४६२—आम्बर्वित्रभंगी, नेमिचन्द्र सैद्धांतिकृता.

४६३--स्तवत्रिभंगी

"

र—गुच्छकः (क ४८४)

^५६४—श्रास्रवत्रिभगी

"

४६५--म्तवत्रिभगी

77

४६६—सत्तापदप्ररूपणा

३—गुच्छक (क्र. ४८६)

४६७--- त्र्यान्त्रवत्रिभर्गा

"

¥६८- स्तवत्रिभंगी,

🕂 ४—गुच्छकः (क. ६०४) ले. १४४४

४६६-- श्रास्रवत्रिभंगी.

६००-स्तवत्रिभंगी.

४-गुच्छक (क. ६१६)

६०१--श्राराधनासारः प्रा. देवसेनसूरिकृतः

६०२—सम्बोधपञ्चाशिका.

६--गुच्छकः (क्र. ४८३) ले. १६६६

६०३-सारसमुचय कुलभद्रप्रथितः

६०४ —तत्वानुशासन रामसेनपूज्यकृत

६०५—त्रिपञ्चाशत्क्रिया.

६०६—धर्मवर्णनगाथा. ×

६०७—सज्जनचित्तवल्लभः मिल्लपेणाचार्यकृतः

६०५—षट्त्रिशद्भावना विमलसेनयतिकृता.

६०६—नीतिसारसमृचयः इन्द्रनन्दिवरचितः

६१० - निद्संघपट्टावली.

६११--दर्शनसारः देवसेनसूरिकृतः अपूर्ण.

७ गुच्छकः (क. ६६)

६१२—तत्वार्थसूत्र उमास्वामिरचितं.

६१३—भक्तामरस्तोत्रं मानतुगाचार्यनिर्मित.

. ५-गुच्छकः (क. ५६४)

६१४---भक्तामरस्तोत्रं

६१४—तत्वार्थसूत्रं

६--गुच्छकः (क. ४६३)

६१६--भक्तामरस्तोत्र

६१७-तत्वार्थसूत्रं

१०—गुच्छकः (क्र. ८१)

६१६--तत्वार्थसत्रं

६१६--जिनसहस्रनामलघु

६२०-भक्तामरस्तोत्रं

् ११--गुच्छकः (क. ८२)

६२१---भक्तामरस्तोत्रं

६२२--तत्वार्थसूत्रं

६२३--जिनसहस्रनामलघु

१२--गुच्छकः (क. ५३)

६२४--जिनसहस्रनामलघु,

६२४---तत्वार्थसूत्रं

६२६--भक्तामरस्तोत्रं

, १३—गुच्छकः (क. ८४)

६२७--जिनसहस्रनामलघु.

६२५-तत्वार्धसूत्रां.

६२६--भक्तामरस्तोत्रं.

१४--गुच्छकः (क्र. ४८७)

६३०--श्रावकप्रायश्चित्तं त्र्यकलंककृत.

६३१—शुद्धिविधिः

Т

६३२-- श्रावकप्रायश्चित्त वीरसेनमुनिविरचितं.

-१४—गुच्छकः (क्र. ४६८)

६३३--श्रावकप्रायश्चित्तं त्रकलंकनिर्मित.

६३४---शुद्धिविधिः

+

६३४-- श्रावकप्रायश्चित्तं वीरसेनमुनिविहितं.

१६--गुच्छकः (क. ८४)

६३६--शन्तिभक्तिः सं.

६३७--निर्वाणभक्तिः प्रा.

१७-गुच्छकः (क्र. ६०६)

६३५---निर्वाणभक्तिः

६३६--नन्दीश्वरभक्ति

१८—गुच्छकः (क. ४६६)

६४०—लच्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेवनिर्मितं ६४१—शान्तिनाथ-स्त्रोत्रं गुराभद्रप्रथित

१६—गुच्छक. (क्र. ६००)

६४२---दर्शनपाठः

६४३—लघुमामायिकपाठः

२०--गुच्छकः (क्र ६०७)

६४४—कल्याणमन्दिरम्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यप्रणीत. ६४४—एकीभावस्तोत्रं वादिराजसृरिविरचित ६४६—विषापहारस्तोत्र महाकविधनंजयरचित.

२१--गुच्छक (क्र. ६१८)

६४७—लद्मीस्तोत्रं पद्मप्रभटेवकृत

६४**८—परमानन्द**स्तोत्रं

६४६—शान्तिनाथम्नोत्र गुग्गभद्राचार्य विरचित.

६४०-वर्धमानम्नोत्रं.

२२--गुच्छकः (क्र. ६०८)

६४१—सिद्धिप्रियम्तोत्र देवनन्दिप्रणीत.

६४२-भूपालस्तात्र-टीका पडिताशाधरविहिता.

६५३ - लच्मीम्लोत्र पद्मप्रभटेवविहितं.

२३--गुच्छकः (क. ४९२)

६४४—भक्तामरम्त्रोत्रं (सावचृरि) मानतुगिवरचितं ६४४—कल्याणमन्दिरस्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यकृत ६४६—एकीभावस्तोत्रं वादिराजसूरिप्रणीत ६४७—विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविकृत.

६४८-भूपालस्तोत्रं भूपालकविप्रथितं.

२४--गुच्छकः (क्र. ६०४)

६४६--भक्तामरस्तोत्रं.

६६०-एकीभावस्तोत्रं.

६६१-कल्याणमन्दिरस्तोत्र.

६६२-विपापहारस्तोत्र.

६६३--भूपालस्तोत्रं.

६६४--मज्जनचित्तवल्लभः मल्लिषगाकृतः

२४--गुच्छकः (क्र ६०१)

६६५—जिनयज्ञविधानं.

६६६-- ऋर्ह-द्वक्तिः पंडिताशाधरकृता.

६६७--सिद्धभक्तिः

६६८—स्वस्त्ययनविधानं

६६६--महर्षिपर्युपासनविधान.

६७०--बृहत्स्नपनविधान

२६--गुच्छकः (क्र. ८६)

६७१—कल्याग्गमन्दिरपूजा.

६७२ — भक्तामर-पूजा.

६७३--विपापहारपूजा.

६७४-चौरासीजातजयमाला (हिटी)

२७-गुच्छकः (क्र. ६०२)

६७४--- ऋहेद्रचनाविधानं.

६७६—श्रुताष्टकं.

६७७--पादुकाष्ट्रकं.

६७८—सिद्धभक्तिः सिद्धपूजा च.

६७६ - कलिकुं डपूजा-स्तवनं.

६८०-ऋषिमंडलस्तवनपूजा.

```
२८--गुच्छकः (क. ४८८)
         ६८१--दशलचरापूजा.
         ६८२--रत्नत्रयपूजा.
         ६८३---नन्दीश्वरद्वीपप्जा.
         ६८४-सरस्वतीपूजा
२९-गुच्छकः ( क्र. ६१७ )
         ६८४-पंचपरमेष्टीपूजा.
          ६८६--योगीन्द्रपूजा.
          ६८७-शास्त्रजयमाला
          ६८८---लघुसामायिक
३०—गुच्छक. (क्र. ४८६)
          ६८६--जिनसहस्रनाम जिनसेनाचार्यकृतं
          ६६०—देवसिद्धपूजाविधानं.
         ६६१--तत्वार्थसूत्रं उमास्वामिनिर्मितं.
          ६६२-सोलह्कारणपूजा, द्यानतरायकृता (हिंदी)
          ६६३---दशल च्राण्ना
          ६६४--रत्नत्रयपूजा.
          ६६५--पंचमेरुपूजा
          ६६६--आष्टान्हिकपजा.
          ६६७--शास्त्रपूजा.
                                     99
३१--गुच्छक (क. ५६०)
          ६६५--जिनसहस्रनाम. जिनमेनाचार्यविरचितं.
          ६६६-देवसिद्धपूजाविधानं.
          ७०० - तत्वार्थसूत्रं उमास्वामिप्रणीतं.
          ७०१—सोलहकाररापूजा द्यानतरायविहिता. (हिंदी)
          ७०२---दशलच्रागपूजा
          ७०३---रत्नत्रयपूजा.
                                                  "
```

७०४—पंचमेरुपूजा.	"	"
७०४ऋाष्टान्हिक-पूजा	77	"
७०६शास्त्रपूजा.	77	99
🕂 ३२—गुच्छकः (क. ४६१)		
७०७—जिनसहस्रनाम जिनसेन	ाचार्यकृतं.	
७० ≍ —देवसिद्ध-पूजाविधानं.		
७०६—तत्वार्थसूत्रं उमास्वामि	वेरचितं.	
७१०—सोलहकाररापूजा. द्यान	नरायजीक्ट	त. (हिदी)
७११—दशलचग्ग−पूजा.	"	"
७१२रत्नत्रयपूजा.	"	,,
७१३—पंचमेरुपूजा.	"	"
७१४—ऋाष्टान्हिकपूजा.	"	"
७१४—जिनवार्गीपूजा.	"	"
३३—गुच्छक (क, ६०३)		
७१६—दर्शनस्तुतिः		
७१७—दर्शनस्तुतिः		
७१⊏—तघ ुस्न पनं.		
७१६—देवपूजाजयमाला.		
७२०—वंदेतानजयमाला.		
७२१—सिद्धपूजाजयमाला.		
७२२—गुर्वावलीपूजाजयमाला.		
७२३—पार्श्वनाथपूजाजयमाला	•	
७२४ —सुरापगादिपू जा		
७२४—गंगादिपूजा.		
७२६—षोडशकारणपूजा–जयम	तला.	
७२७—दशलचरापूजाजयमाला		

७२८—कलिकु डपूजाजयमाला.

७२९—चेत्रपालपूजाजयमाला.

७३०—चितामिएपूजाजयमाला

७३१--चितामणिस्तात्र.

७३२--- रत्नत्रयपूजा-जयमाला.

७३३—नदीश्वरपूजाजयमाला

७३४—सरस्वतीपूजाजयमाला

७३४---पद्मावतीपूजा.

७३६—विहरमागपूजाजयमाला

७३७--लिब्धिविधानपूजाजयमाला.

७३८—कृत्रिमाकृत्रिमजिनालयम्तुति

७३६—शान्तिपार्टा.

७४०--लघुसामायिकं.

७४१—तत्वार्धसूत्र

७४२—जिनमहस्रनाम पडिताशाधग्कृत

७४३—विषापहारस्तोत्रं

७४४--भक्तामरस्तोत्र

७४५--कल्याणमन्दिरस्तात्र

७४६—एकीभावस्तोत्रं.

७४७-- लचीस्तोत्रं.

७४८—निर्वाणकांडं.

७४६---पद्मावतीस्तोत्रं

३४--गुच्छकः (क्र. ४२४)

७५०—चाणिक्य-नीतिः

७४१—दर्शनस्तुतिः

७४२---शान्तिपाठः

७५३—जयजयेत्यादिदेवपूजापाठः

७४४—महर्षिपर्युपासनं.

७५५—गुर्वावली.

७४६--सिद्धपूजा-जयमाला.

७४७—पोडशकारणपूजाजयमाला.

७४८--दशलच्रापूजाजयमाला.

७४६—सुरापगादिपूजा.

७६०—कलिकुंडपूजास्तोत्र.

७६१—कत्तिकु[ं]डम्तवन.

७६२—चितामणिपार्श्वनाथपृजास्तोत्र.

७६३--रत्नज्ञयपूजाजयमाला.

७६४—भक्तामरस्तोत्रं.

७६५—सिद्धिप्रियस्तोत्र.

७६६—एकीभावस्तोत्र.

५६७--कल्याग्ममंदिरस्तात्र.

७६८—विपापहारस्तात्र.

७६६--ऋपिमंडलस्तात्र.

७७०---पद्मावतीस्तोत्रं.

७७१—ऋादित्यवारकथा (हिर्दा) भानुकीर्तिकृत.

७७२—दर्शनाष्ट्रकं

७७३--- जिनसहस्रनाम आशाधरविरचित.

७७४---जिनयज्ञविधानं.

٠.

७७४—सिद्धपूजाविधान

"

७७६---पचपरमेष्टीपूजा (त्र्रादि)

७७७---जिनगुणसम्पत्तिपृजा.

७७८—विनती. (हिदी) सुमतिकीर्तिकृत.

७७६--- दर्शनपूजा.

७८०---ज्ञानपूजा.

७८१—चारित्रपूजा.

७८२—पंचमंगल. (हिदी)

७८३—तत्वार्थसूत्रं.

७८४—चौवीसतीर्थकरस्तवन,

तालपत्रोपरि. मन्था

(ज. ७८४ क. ४२६) 4. £ 20/

(ज. ७८६ क. ४२७) ६ २०)

(ज. ७८७ क. ४२८) ८,७७२

(ज. ७८८ क. ४२६) ६ ७ ३

समाप्तेयं संस्कृतप्राकृतग्रन्थानां नामावली।

भाषान्तर-ग्रन्थ।

(विभाग-ख)

१-सिद्धान्त ग्रन्थ।

श्रास्रवभेद्.

(ज. ७८६ क. २४४) हिदी, प. २१ स्रो. २४० ले. १८८० कर्मप्रकृति नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

> ्(ज. ७६० क्र. ४७) मू. प्रा. प. ४६ श्लो. १६२० पांडे हेम-राजजी कृत हिदीसहित.

(ज. ७६१ क. २२२) मृ. प्रा. प. ६१ रलो. १६२०, पांडे हेमराजजी कृत हिदीसहित. ले. १⊏१७.

(ज. ७६२ क. २२३) मू. प्रा. प. १२ ऋपूर्ण पाडे हेमराजजी कत हिंदीसहित

कर्मप्रकृतिविधान. पं. बनारसीदासजी कृत.

(ज. ७६३ क. २४०) हिदी छंद, प. ६ ऋपूर्ण.

चपणासार नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. ७९४ क. ८१) मू-प्रा. प. १३४ ले. १६४० टोडरमलजी कृत हिंदी.

गोम्मटसार-जीवकांड नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिप्रगीत.

(ज. ७६५ क. १४५) मू.प्रा.प. १३२, पं. खूबचदजीकृत हिंदी.

(ज. ७६६ क. १४३) मू. प्रा. प. २२२-४४७. ले. १६२४. पं. टोडरमलजी कृत हिंदी.

(ज. ७६७ क. १६६) मू. प्रा. प. ४३ सिर्फ लेश्यामार्गणा पं. टोडरमलजी कृत हिंदी.

```
तत्वार्थसूत्र. पांडे जयवतकृत हिदी.
```

ं (ज. ७६८ क. १३३) मू. उमास्वामी. प. १२२ ले. १६०४

(ज. ७६६ क. १४३) " प. १७३ +

तत्वार्थसूत्रा पं. सदासुखजी कृत हिंदी.

(ज. ८०० क्र. १४४) मृ. उमास्वामी प. १११ नि १६१०

(ज. ८०१ क्र २०६) "प.६१ " ले. १६३४

~ (ज. ५०२ क ३५) " प ४४ "

तत्वार्थसूत्र हिंदी. नाम नहीं.

(ज. ८०३ क. १६)मू. उमाम्वामीप २१ ले. १६४६ तत्वार्थसर्वार्थसिद्धि पं. जयचन्दर्जी छावडा कृत हिंदी.

(ज. ५०४ क. ५२) मृ, पृज्यपाटम्बामी, प. २९५ नि. १५६३

(ज. ८०४ क ८३) " प. २७३ "

ले. १६४०.

r (ज. দ০६ क. দ৪) " प. २७७ "

त्रिलोकसार पं. टोडरमलजीकृत हिदी,

(ज. ५०७ क्र. १०१) मृ. नेमिचन्द्र सि० प ३७१ ले. ४६४४

'(ज. मध्म क्र. १०२) " प. ३६२ +

(ज. म०६ क. मर्थ) "प ३६२ +

इन तीनो ही प्रतियो मे प्रशस्ति नहीं है तीसरी मे सिर्फ ४ छंद है शेष नहीं।

द्रव्यसंग्रह पं. जयचन्दर्जीकृत हिदी

(ज ८१० क्र. ३६) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ४२ नि. स. १८६३ इसमे हिदी छन्द भी है।

(ज. ८११ क्र. ३७) मू, नेमिचन्द्रसि० प. ४७ नि. स. १८६३ द्रव्यसंग्रह प्रा. पं. बंशीधरजीकृत हिंदी.

(ज. ८१२ क्र. ३८) मृ. नेमिचन्द्रसि० प. ३१

्(ज. ⊏१३ क. ३६) " प. ४०

द्रव्यसंग्रह प्रा.

(ज ६१४ क. २५१) भू. नेमिचन्द्रसि० प. ४३

,(ज. ५१५ क. २४२) "प. १६ ले. १८५३

द्रव्यसंब्रह छंदोबद्ध. पं. यानतरायजी कृत.

(ज. ८१६ क २६२) प. २८ ले. १६४०

नयचक्र (त्र्यालापपद्धति) शाह हेमराजजी कृत हिदी

(ज. ८१७ क. ४०) मृदेवसेनसृरि, प. १६ नि. स. १७२६ (ज. ८१८ क ४१) "प २१ " ले १६४¥

यह त्र्यालापपद्धति का अनुवाद है अनुवादक ने इसे नयचक्र के नाम से लिखा है।

बन्घोदयसत्वविचार.

(ज. ८१६ क. ४२) गुर्जर, प. ८२

भावदीपकहिदी

(ज. ন২০ क्र. १२१) प. १७७ श्लो. ४७४० ले. १६६६.

लव्धिमारनेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत

(ज. ५२१ क. १४६) प्रा. प. १४१ ले १६६१ पं. टोडरमल-जी कृत हिटीसहित

सिद्धान्तमारसंग्रह पं. देवीदामजीकृतहिदी.

सिद्धान्तसारदीपक नथमलजी व पाडे लालचन्द्जी कृत हिंदी.

(ज. দ२३ क्र १७०) मृ. सकलकीर्ति प. २१७ श्लो. ६**८७२** त्रिलोकसार-चौपार्ड सुमतिकीर्तिकृत

(ज. प्रतिक क. २५३)प. २-१४ ले. १६६६नि.स.१६२७गुर्जर. त्रिलोकसाररास समतिकीर्तिकृत

(ज. ५२४ क. २४४) प. २१४ गुर्जर.

२-- अध्यात्मोदेश ग्रन्थ ।

श्चन्यमतसार जिनदामजी कृत हिंदी.

(ज. ८२६ क. २४४) प. ४१ ले. १६०६.

श्रनुभवप्रकाश दीपचन्दजी कृत.

(ज. ६२७ क. २४६) हि. प. ४३ ले. १८४७

श्रष्टपाहुड पं. जयचन्द्रजी कृत हिदी

(ज. =२= क. १६१) प. १६२ श्रो, ६४४० ले. १६४४ नि. स १=६७.

(ज. ६२६ क. १६०) प. १४४ श्रो. ६४४० ले. १६२१

नि. स. १८६७. ११४

(ज. म३० क. १६४) प. १६२ लो. ६४४० ले. १६४४ नि. स. १८६७.

(ज. ८३१ क्र. ७) प. १४१ श्रो ६४४० ले. १८८७ नि. स १८६७.

(ज. ५३२ क. २०७) प. २०६ ऋो ६४४० ले. १६३६ नि. स. १५६७.

् (ज. ८३३ क्र. १८१) प. २४६ श्लो. ६४४० + नि. स. १८६७. मूलकर्ता–कुन्दकुन्ददेव.

श्रात्मानुशासन पं. टोडरमलजी कृत हिदी

(ज. ८३४ क. १६७) प. १३६ श्लो. ३४०० ले. १८८६ मूल. गुराभद्राचार्य.

(ज. ८३४ क. ११४) प. १०२ " ले. १९०६ मृत. गुणभद्राचार्य.

(ज. म३६ क. १२२) प. मध्

' ले. १८८८

मूल. गुणभद्राचार्य

(ज. ५३७ क. १७१) प. १४४ " ले. १६४१

मूल. गुराभद्राचार्य,

(ज. ८३८ क. १७२) प. १३४ " ले. १६४१ मृत. गुराभद्राचार्थ.

(ज. ८३६ क. १८२) प. १०१ " ले. १८४१ मूल. ग्रागभद्राचार्य.

(ज. ८४० क. १४४) प. १२३ " ले. १८६४

मूल. गुणभद्राचार्य.

(ज. ८४१ क. १६४) प. ११० " ले. १८४४ मूल. गुराभद्राचार्य.

श्रात्मावलोकन हिदी.

(ज. ५४२ क. १६६) प. ७७ ले. १६०८

(ज. ५४३ क. १५३) प. १०६ +

आराधनासार,

्ज. ८४४ क. १२५) प. २४ ले. १६३३ मू० देवसेनसूरि, इष्टोपदेश पं. पत्रालालजी कृत हिंदी.

(ज. ८४४ क. १२६) प. १२ ले. १६३४ नि स. १६३४ मू० पूज्यपादस्वामी.

उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला पं० भागचन्दजी कृत हिदी.

(ज. ८४६ क. ८८) प. ३४ नि स. १६१२ ले. १६४२ मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ५४७ क. १४) प. ३१ नि. स. १६१२ + मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४८ क्र. ११) प. ३० नि. म. १९१२ ले. १६३७ मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ५४९ क. २३६) प. ४३ नि. स. १६१२ +

मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी.

(ज. ५४० क्र. २४७) प. ४० नि. स. १६१२ + मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी.

चारध्यानका व्योरा. हिंदी

(ज. ५४१ क. २४६) प. १२ ले. १८६३ चेतनचरित्र हिंदी

(ज. ५४२ क. २४६) प १२ ऋपूर्ण.

छहढाला. पं. बुधजनजी कृत

(ज. ५४३ क्र. १७३) प. १२ नि स १५४६

छहढाला पं. दोलतरामजी कृत

(ज. ५४४ क. २०६) प २६ ले १६६४ नि स. १५६१ जैनशतक पं. भुधरदासजी कृत

ें (ज. ५४४ क ४३) प. १८ लें, १६३६ नि. स. १७८१.

(ज. ५४६ क ४४) प १२ ले १५७६ "

ज्ञानदर्पेग शाहदीपचन्दर्जा कृत

^{*} (ज. न४७ क १**न४**) प २४ ले १न*७*०.

(ज. ५४८ क १७४) प. २२ +

ज्ञानार्णव. पं. जयचन्दर्जा कृत हिंदी

(ज. ८४६ क. १६७) प. २६४ ले. १८६३ नि. म. १८६६ म० शभचन्द्राचार्य

(ज. ८६० क ११६) प ४४० ले. १८७८ नि. स. १८६८ मृ० शुभचन्द्राचार्य.

.(ज. ८६१ क. १) प १३१ ऋपूर्ण नि. स. १८६६ मू० - शुभचन्द्राचार्य.

एमोकारमंत्रांचे भेद.

(ज. **८६२** क. ११३) प. ७ मराठी.

तत्वज्ञानतरंगिणी भट्टारकज्ञानभूषण्कृत,

(ज, ८६३ क्र. ८६) प. ४० अनुवादकका नाम नहीं

-(ज. म६४ क. १२४) प. ६०

तत्वसार, पन्नालालजीचौधरीकृत हिंदी.

(ज. ८६४ क. १८४) प. २८ ले. १६४२ नि. स. १६३१ मृ० देवसेनसूरि.

धर्मपरीचा अमितगतिसूरिकृत

ज. ८६६ क. २८) प. १६६ अनुवादक का नाम नही (ज. ८६७ क १४६) प २४३ पं. दशस्थजीकृत हिंदी.

धर्मप्रबोधिनी गोपालदामजी मोहितवालकृत

(जा, मध्म का. ४५) प. ३१ ले. १६३३.

नरकस्वगवर्णन (हिंदी).

(ज महर क. २०६) प. ४४ ले. १६४१

नाटकममयसार (छंदोबद्ध) पं. बनारमीटामजीकृत

(ज ५७० क २१०) प ६६ नि म १६६३

(ज ८७१ क. २२४) प. ४७ नि. म १६६३ ले. १८०४

(ज. ८७२ क. १६२) प १०८. मानुवाद, अनुवादक का नाम नहीं ले. १६४२.

नाटकसमयसारकलश अमृतचन्द्रसूरिकृत

(ज. ५७३ क १४७)प.२३४ ले. १७६० ऋनुवादक का नाम नहीं पद्मनिद्पंचिवशतिका. जोहरीलालजी व मुन्नालालजी कृत हिंदी.

(ज. ५७४ क. १४७) प. २४१ ले. १६६० अ. स. १६१४

(ज. ५७४ क. ६६) प. ३४२ ले. १६४४

(ज. ८७६ क. ६७) प. ३८३ ले. १६३३

परमात्मप्रकाश पं. दौलतरामजी कृत हिदी

(ज. ८०० क ८) प २०० श्लो ६८६० ले. १६०० मू. योगीन्द्रदेव. (ज. ८७८ क. २) प. २०४ श्लो, ६८६० ले. १६०० म्, योगीन्द्रदेव.

(ज. ८७६ क. १७४) प. २८८ " ले. १९६२ मू. योगीन्द्रदेव.

(ज. ८८० क. २३३) प. २२४ " ले. १८६१ मू. योगीन्द्रदेव.

पंचास्तिकाय पांडे हेमराजजी कृत हिंदी.

(ज. ममश्रक. १६म) प. ७म ले. १मम७ मृष् कुन्द्कुन्द्देव.

(ज. ममर क. २११) प १३४ ले. १६५७

(ज दद३ क. ११७) प. २२६ +

(ज. मन्ध्रे क. १८६) प्. १५७ ले १६१७

(ज, ६६४ क. १७६) प. ७४ +

प्रवचनसार पांडे हमराजजी कृत हिदी.

(ज. ८८६ क. ६०) प. १६२ ले. १८६६ ऋ. म. १७०६ मू. कुन्दकुन्द्देव.

(ज. मम् क. १) प १७३ ले १म१७

मृ. कुन्दकुन्ददेव. (ज. ८८८, के.) प. २३० मू. कुन्दकुन्ददेव.

मिध्यात्वनिषेध

(ज. ८८६ क. ४१) प, ३१ कर्ता का नाम नहीं। मोत्तमार्गप्रकाश (हिन्दी) प० टोडरमलजी कृत.

> (ज. ८६० क. १६६) प २३० ले. १६०६ नि. स. लगभग १८२४.

(ज. ८६१ क. १२६) प. २१८ ले. १६०६ लगभग १८२४

योगसार पत्रालालजी चौधरी कृत (हिंदी)

(ज. पध्र क ४६) प. ३८ ले. १६३८ च्च. स. १६३२ मू० योगीन्द्रदेव.

षट्पाइड (हिदी छन्द) चितामणिकृत.

(ज. ८६३ क. ४७) प. २४

सज्जनचित्तवस्नभ. मिल्लिषेणचार्यकृत.

(ज. ८६४ क. १२७) प. ४८ अनुवादक का नाम नहीं समयसार पं० जयचंदजी छावड़ा कृत हिन्दी.

(ज. ८६४ क. ३) प. ३२१ ले. १६४८ आ.स. १८६४

मू० कुन्दकुन्दर्षि

(ज. ८६६ क. ६८) प. २८८ ले. १६०६

मू० कुन्दकुन्दर्पि

(ज महर्ष क्र. १०६) प. २६६ ले. १महर्भ 😕

मू० कून्दकुन्दर्षि

समाधितंत्र पर्वतधर्मार्थकृत (गुर्जर).

/ (ज. मध्म क. १२म) प. १म२ ले. १६४४ मू० पूज्यपादस्वामी / (ज. मध्ध क. २२४) प. १४२ ले. १७६६ "

समाधितंत्र माणिकचन्दजी श्रावककृत हिदी.

(ज. ६०० क. ४८) प. २६ मू० पूज्यपादस्वामी. सर्वविशुद्धज्ञानाधिकार अमृतचंदसूरिकृत.

> (ज ६०१ क. २६०) प. ४१ क. ४४ श्लो. ६३१ समयसार-कलश के एक अधिकार का अनुवाद

सुभाषितार्एव पं० पत्रालालजी चौधरी कृत हिटी

(ज. ६०२ क. २६) प. २८७ त्रा. स १६३० मृ० भट्टारक-सकलकीर्ति.

-}- (ज. ६०३ क. ११६) प. २०६ ऋ. स. १६३० मू० भट्टारक-सकलकीर्ति. मुभाषितावली पं० पन्नालालजी चौधरीकृत हिदी.

(ज. ६०४ क. ६१) प. ६६ अ. स. १६३१

सुक्तमुक्तावली सुन्दरलालजी लमेचू कृत हिदी.

(ज. ६०४ क. ३०) प. १०६ ले. १६३८ इप्र. स.—गम

युग ४--सराग ४-- शशि १७४६

(ज. ६०६ क. २२६) प. ४० ऋपूर्ण

सूक्तमुक्तावली (छदोबद्ध) बनारसीदासजी ऋत.

(ज. ६०७ क. २६१) प. ३१ ले. १७६१ नि म. १६६१ म्बानुभवदर्पण (छंटोबड) मुंशी नाथूरामजी कृत.

> (ज. १०८ क्र. ४१) प २० नि.म ११४६ स्वकृत श्रनुवाट सहित।

> > +

हितोपदेश

(ज ६०६ क. २६२) प. २४

+ +

३--आचार-ग्रन्थ।

(= - 1

ऋमितगतिश्रावकाचार प० भागचन्दजी कृत हिन्दी

(ज. ६१० क. ७४) प. १७६ ले. १६४६ त्र. स. १६१२ स्राचारसार पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिंदी

> (ज. ६११ क. ७६) प. १६१ श्र. स. १९३४ मू० <mark>वीरनन्दी</mark> सैद्धान्ती.

उपासकाध्ययन दुलीचन्दजी कृत.

((ज. ६१२ क्र. ३१) प. २१२ मू० वसुनन्दी सैद्धान्ती उपासकाध्ययन पं० चंपालालजी कृत हिन्दी.

५ (ज. ६१३ क. ३२) प. ४७० ले. १६६४ नि. स. १६०६ मृ० वसुनन्दी सैद्धान्ती. उमास्वामिश्रावकाचार पं० हलायुधजी कृत हिन्दी.

(ज. ६१४ क्र. १२९) प. ७६ श्लो. २२०० ले. १६६६ क्रियाकोष (छंदोबद्ध) प० दौलतरामजी कृत.

(ज. ६१५ क. १३०) प. ६६ ले. १९४२ नि. स. १७६५

(ज ६१६ क. २६१) प. १६६ ले. १८४१

(ज. ६१८ क. ६०) प ३१ श्लो. ६३० गंगडुप्रायश्चित्त (गुर्जर) गंगडु कृत.

> (ज. ६२० क्र. २३२) प. ३६० ले. १६२४ श्र. स. १७८१ मू० चामुंडराय महाराज.

<mark>स्रेटपिड</mark> इन्द्रनन्टिकृत

🗡 (ज. ६२१ क. १३१) प. १५ ले. १६१७ गुर्जर अनुवाद युक्त

(ज. ६२२ क. २६३) प. २२ ले १६०७

(ज. ६२३ क. २६४) प. २५ ले. १८६६ "

(ज. ६२४ क. २६०) प. ४८ + "

त्रिवर्णाचार के श्लांक.

★ (ज ६२५ क. २४६) प. ५ (हिंदी)
नित्यकृत्य

(ज ९२६ क १००) प. ७ ले. १६४८ धर्मसार पं० शिरोमिशकत

५ (ज. ६२७ क. १२०) प. ५६ ले. १६४६ नि. स. १७३२ धर्मसंग्रहश्रावकाचार उदयलालजी काशलीवाल कृत हिंदी.

> (ज. ६२८ क. ८६) प. १३० ले. १६७४ ऋ. स. १६१० ई० वि. १६६७. मृ० पं० मेघाबी.

पद्मनन्दिश्रावकाचार, (गुर्जर)

् (ज. ६२६ क. ६२) प. १३ ले. १६६६ मू० आचार्यपद्म-नन्दी, पद्मनन्दिपंचविशतिका का छठा श्रधिकार.

पुरुषार्थसिद्धयुपाय प० टोडरमलर्जी व पं० दौलतरामजी कृत हिंदी.

(ज. ६३० क. १०३) प. १०३ ले. १६२६

(ज. ६३१ क. १३२) प. १०४ ले १६४४

,(ज. ६३२ क. १८७) प. १११ ले. १६०१

(ज. ६३३ क्र १३४) प ८१ ले. १६०३

्र(जा. ६३४ क ६) प. ११६ +

नोट-प॰ टोडरमलजी के स्वर्गवाम के अनन्तर मं० १८२७ में पं॰ दौलतरामजी ने पूर्ण किया.

प्रश्नोत्तरोपासकाचार प० पन्नालालजी चौधरी कृत हिटी

(ज. ६३४ क. १०४) प. १६३ ले. १६४७ इत्र. स. १६३१ मू० सकलकीर्तिभट्टारक

बाईसम्बभस्य, दुलीचदजी कृत

(ज. ६३६ क. २००) प. १५

भगवतीस्राराधना, पं० मदासुखजी काशलीवाल कृत हिदी.

(ज ६३७-३८ क ७२) प. ७८७ ले. १६२१ त्रा. स १६०८ मृ० शिवकोटी.

मूलाचार पं० नन्दलालजी व पं० ऋषभचंदजी कृत हिन्दी

(ज. ६३६ क्र. १०८) प. ४६१ ले. १६३३ अ. स. १८८८ मृ० वहकेराचार्य

(ज. ६४० क. १४६) प. २७०-२८२ +

मु० वट्टकेराचार्य

् (ज. ६४१ क्र. ७७) प. १–२३६ + " मृ० वट्टकेराचार्य (ज. ६४२ क. ७८) प. १-२३० + "
मृ० वट्टकेराचार्य
(ज. ६४३ क. ७६) प. ३०१-४४४ ले. १६२० "

म० वट्टकेराचार्य

मुनिभाजन के दोष

(ज. ६४४ क. ६३) प. ३१ ऋपूर्ण रत्नकरंड-श्रावकाचार पं० सदासखजी कृत हिंदी.

(ज. ६४४ क. १४४) प. २१३ श्लो. १३१०० त्र्य. स. १६२०.

्(ज. ६४६ क. ४) प. २३२

77

ले. १६२३. मू०-स्वामिसमन्तभद्र

रत्न-करंड-श्रावकाचार, पं. चम्पालालजी कृत हिंदी

(ज. १४३६ क. २४८) व. ३७८ ले १६३०.

विवाह-पद्धति. पं. फतेलालजी कृत.

(ज. ६४७ क. ६२) प. ४३ ले. १९४६.

व्रतपत्र, (हिंदी)

(ज. ६४८ क, ६४) प. १८ ले. १६४८ व्रत-विधान.

(ज. ६४६ क. १४८) प. १० ले. १८६६

श्रावकाचार-त्रेपनकिया.

(ज. ६¥० क १२) प. १२ ले. १६४१ श्रावकाचार-संग्रह.

(ज. ६५१ क ६३) प १६४

श्रावकाचाररास (गुर्जर) धर्मपालजी कृत.

ज. ६४२ क ३३) प. १३२ ले. १७१७

षोडशभावना (हिर्दी)

(ज. ६४३ क. १३४) प. १३७ ले. १६४६

ւ(ज. ६४४ क. १८) प. ६३ 💮

(ज. ६४५ क. २१२) प. १२७ +

मागारधर्मामृत, पं० लालारामजी चावली कृत हिंदी

(ज. ६४६क. १६३) प. १४६ ले. १६७४ मू० पं० ऋाशाधरजी. सारचतुर्विशतिका पं० पार्श्वदासजी कृत हिंदी

(ज. ६४७ क. ६६) प. ३७७ श्लो १४७०१ ले १६४६

त्र. म. १६^१८ मृ० भट्टाारकमकलकीर्ति

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेचा प० जयचन्दजी छाबडा कृत हिरी

(ज. ६४८ क. १६४) प. २३० ले १६२२ ऋ म. १८६३

,(ज. ६४६ क. १३६) प. १६० +

(ज, ६६० क, २३४) प. २१० +

्(ज. ६६१ क. १३७) प ११६ +

मू०-स्वामिकार्तिकय

मृत्युमहोत्सव पं० मदामुखजी कृत हिदी

(ज ९६२ क. २१३) प १४ ले. १६३६ मू०-का नाम नहीं। श्रावकप्रतिक्रमण् प० पन्नालालजी चौधरीकृत हिटी.

(ज. ६६३ क २६४) मं. प्रा०प १०१ ऋ स १६३० ममाधिमरण (हिदी)

् (ज. ६६४ क. ६४) प. १२ ले १६३६

समाधिमरण हिंदी पं. द्यानतरायजी.

(ज. ६६४ क. २८६) प २ ले १६६०

सामायिकपाठ. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

(ज. ६६६ क. ६४) प. ४४

(ज. ९६७ क. १६) प. ४६

(ज. ६६८ क. २०) प. ३४ ले. १९२९

सामायिकपाठ, पांडे जयवंत कृत हिटी.

(ज. ६६६ क. २१) प २० ले. १८४१

(\$1)

(ज ६७० क. १६८)।प. ४८ ले. १७६० (ज. ६७१ क. २६६) प. ७२ ले. १८८६

*

*

४--इतिहास-कथा-ग्रन्थ



गौतमचरित्र प० पन्नालालजी चौधरीकृत हिंदी.

(ज. ६७२ क. १४६) प ११६ मू० मंडलाचार्यधर्मचन्द्र चन्द्रप्रभचरित. पं० बखताबरमलजी श्रयवाल कृत हिंदी,

(ज. १७३ क. १४०) प. १६० ले १६६४ ऋ. स. १६४३ नेमिपुराग्। पं. भागचन्दजी कृतहिदी.

> (ज. ६७४ क्र १४१) प २३८ इलो ६४४२ ले. १६३२ श्र. स. १६०७ मू०-नेमिटत्तब्रह्मचारी.

प्रद्युम्नचरित ज्वालानाथजी ऋादि कृत हिंदी

(ज. ६७४ क. १६४) प ३१६ श्लो ६४७० ले १६४१ अ. स. १६१६ मू०-भट्टारक सोमकीर्ति.

भद्रबाहुचरित. पं० चम्पारामजी कृत हिंदी

(ज. ६७६ क. २०१) प ४७ श्लो, १२२४ ले. १६६३ मृ० भट्टारकरन्ननन्दी.

वर्धमानपुराए

(ज. ६७७ क. २३४) प. ३२३ श्लो. ७७०० मृ० भट्टारकसकलकीर्ति. वर्धमानपुराण

(ज. ६७८ क. ७३) प. १८० श्लो. २२३४ ले. १८७८ हरिवंशपराण पं० वौलतरामजी कृत हिन्दी.

(ज.६७६ क.१०४) प. ४४२ श्लो १६००० ले. १६०८ इ.स.१८२६

+

+

+

कर्णामृत-पुराण (इंदोबद्ध) भट्टारकविजयकीर्ति कृत.

(ज. ६८० क. १०) प. १८२ ले. १६३० नि. स. १८२६ जीवंधरचरित (छंदोबद्ध) पं० नथमलजी विलाला कृत.

(ज. ६८१ क. ८०) प. १४३ श्लो. ४२०० नि. स. १८३४ पार्श्वनाथ−पुराण (छटांबद्ध) प० भूधरदासजी कृत.

(ज. ६८२ क. १७७) पं. ८४ ले. १८६४ नि. स. १७८६

(ज. ६५३ क. १५५) प. ५६ + "

(ज. ६८४ क. १८६) प. ८८ +

(ज. ६८४ क. १७८) प १०२ १६४८ हलो. २४००

श्रीपालचरित (छंदांबद्ध) पंट परमस्नर्जी कृत.

(ज ६८६ क. १७६) प. १२४ ले १६३४

श्रादिपुराणरास ब्र० जिनदासकृत

(ज ६८७ क. २३६) प. २०७ ले. १६३२ गु० चन्द्रप्रभपुराणरास भट्टारकयश कीर्ति कृत

(ज. ১८८ क. २२७) प. १४४ ले. १८४४ नि. स. १८४४ गु० चन्द्रप्रभपुराणरास. ब्र० मेघराजकृत

(ज ६८६ क्र २१४) प. ४६ ले १७७० नि. स. १६०६ गु० जम्बूस्वामि−रास ब्र० जिनदासकृत

, (ज. ६६० क २६७) प ६४ ले. १७८४ गु.

नागपंचमीरास ब्र॰ जिनदासकृत

(ज. ६६१ क. 🖘 🖹 प ४२ गु.

पांडवपुराणरास भट्टारकयशःकीर्ति कृत

् (ज. ६९२ क. १३८) प. १६३ ले. १६३० नि. स. १८४४ प्रयुम्नप्रबन्ध, भट्टारकदेवेन्द्रकीर्तिकृत

ंज ६६३ क. ४६) प २८ नि. स. १७२२ गु

ग्वपालरास. सूरचन्दकृत

ृं (ज. ६६४ क. २६५) प. ४० ले. १५४६ नि. स. १७३२ गु. रत्नपालरास.

(ज. ६६४ क. २६६) प. ३६ श्लो. ७४२ गु. हिमणाहरणरास. भट्टारकरत्रभूपणकृत.

(ज. ६६६ क. २७०) प. ६ ले. १७१० गु.

श्रीपालचरित्ररास. भट्टारकयश कीर्तिकृत

ृ (ज ६६७ क. २३१) प. ११४ नि. स. १८४४ गु. सुकुमालचरित्ररास ब॰ जिनदासकृत

(ज. ६६८ क. ६४) प. २६ ले. १६२४ गु. इनुमंतरास. त्र० जिनदासकृत.

ं (ज. ६६६ क. २७१) प. २१–४६ ऋपूर्ण. गु.

श्राराधनाकथाकोष. (गुर्जग्छद) साकलचन्द्रकृत.

(ज्ञ. १००० क्र. १३६) प. २७३ ले. १९१० नि. स. १८६१ ऋाष्ट्रान्हिकरास. (गुर्जर)

र्भे (ज. १००१ क. २७२) प ३४

पल्यविधानराम (गुर्जर)

(ज. १००२ क. २७३) प. ६ लं. १६४८

श्रुतपंचमीकथा. (गुर्जर)

+

(ज १००३ क. २८८) प १३८ ऋपूर्ण.

समकितरास-आर्या-रत्नमतीकृत.

(ज. १००४ क्र. २७४) प म्ह गु सातव्यसननु रास-वीरचन्द्रमुनिकृत.

(ज. १००४ क. २७४) प. १६ ले. १६७० गु.

श्रनतन्नतकथा. प० फतेलालजीकृत.

(ज. १००६ क. १४२) प. ४ ले. १६१४ (छंदोबद्ध) दर्शनकथा. पं० भारामलजीकृत.

(ज. १००७ क्र. १३) प. ३० (छटोबड़) टानकथा. पं० भारामलजीकृत.

X (ज. १००⊏ क्र. २०२) प. ३० धन्यकुमारकथा (छदोबद्ध)

४. (ज. १००६ क. ४२) प. १७ ले १६२३ धर्मवुद्धि मंत्री की कथा. वखतावरमलजीकृत.

★ (ज. १०१० क. २७६) प. ४३ ले १८९४ नि स. १८२३

दृष्टान्तरूपव्याख्या. उदयलालजी गगवाल कृत.

★(ज. १०११ क. ७४) प. १४ लं १६४८
पुर्यास्त्रवकथा, प० दौलतरामजी काशलीवाल कृत हिदी.

★(ज. १०१२ क. ८०) प. २४६ ले. १८६० इ. स. १७७७ ★(ज. १०१३ क. १४०) प २१३ ले १८६४ "

मू. रामचन्द्र.

रविवारव्रत-कथा (सचित्र) गगादासकृत

🗡 (ज. १०१४ क. १४१) प. १६ लं १८६१ नि. स. १६१४ श

🗡 (ज. १०१४ क. २७७) प. ४ ले. १६१०

सम्यकत्त्वकौमुदी. जोधराजजी गोदीका कृत.

🗶 (ज. १०१६ क. ३४) प. ४० ले. १८४४

सिद्धचक्रकथा, प० नथमलजी कृत हिंदी,

⊁ (ज. १०१७ क्र. १०६) प. १० मू० भट्टारकशुभचन्द्र.

★ (ज. १०१८ क. १०७) प. १०

होलिकाकथा.

🗡 (ज. १०१६ क्र. २७८) प. ८ तो. १९१४

५--नाटक-ग्रन्थ।

ज्ञानसूर्योदयनाटक. पं० भागचन्द्रजी कृत हिदी.

५ (ज. १०२० क. २३७) प. १४१ ले. १६२६ श्र. स. १६०७ म्. वाविचन्द्र-भट्टारक

ज्ञानसूर्योदयनाटक प० पार्श्वदासजी निगोत्याकृत हिदी.

(ज. १०२१ क २२) प. ४८ श्र. स. १९१७ मू. भट्टारक-वादिचन्द्र

*

६--न्याय-प्रन्थ।

देवागमम्तोत्र, प० जयचन्दर्जी कृत हिंदी

★ (ज १०२२ क. १४) प ४४ ले. १६७० ऋ. स. १८६६ ★ (ज. १०२३ क. ४३) प ८१ + "

म्. स्वामिसमन्तभद्र.

परीचामुख. प० जयचन्द्रजी कृत हिदी.

(ज. १०२४ क ६६) प. १२६ ऋ. स. १८६३
(ज. १०२४ क. २०३) प. ६२ ७ ले. १८८६
मृ. माणिक्यनन्दी.

सत्तानिश्चय (हिंदी)

🗡 (ज. १०२६ क. ६७) प. २२

🔀 (ज १०२७ क. ४४) प. २६

७—स्तोन्न-ग्रन्थ ।

-Sp4_-

श्रकलंकाष्ट्रकस्तोत्र. प० सदासुखजी कृत हिदी

💢 (ज. १०२८ क. ६८) प. ८ ले. १६३० त्र. स. १६१४ मू. त्र्रकलंकदेव.

火 (ज. १०२६ क. ४७) प १६ ले. १६३५ " मू. श्रकलकदेव

🗡 (ज. १०३० क्र. २१६) प १२ 🕂 मृ. श्रकलकदेव

ण्कीभावस्तोत्र. पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिं**दी**.

५ (ज. १०३१ क २३) प. १२ श्र. स. १६३० मृ -वादिराजसूरि. एकीभावस्तोत्र (हिंदी छंद) पं० भूधरदामजी कृत.

(ज. १०३२ क्र. ४४) प ४

एकीभावस्तात्र (हिंदी छंद) प० हीरालालजीकृत

(ज १०३३ क्र. २३६) प ४

श्रोकार की वनिका

🗡 (ज १०३४ क. २२६) प. ४ ले १६४१

कल्याग्गर्मान्दरस्तोत्र (हिटी छंट) प० बनारसीटामजी कृत

🗡 (ज. १०३४ क्र. २७६) प. ३

चौबोसजिनस्तुति, प० ऋषभचन्दजी कृत (हिटी)

🗡 (ज. ६१०३६ क्र. ४६) प. २ नि. म. १६३६

जिनोपकारस्मरणस्तोत्र

💢 (ज. १०३७ क्र. ११२) प. म ले. १६४० पंचमंगल, पं० रूपचन्दजी कृत.

(ज. १०३८ क. २४०) प. १०

भक्तामरस्तोत्र. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

💢 (ज. १०३६ क. २४) प. २८ ले. १६६४ त्र. स. १८७०

火(ज, १०४० क, २४) प. ३३ + "

भक्तामरस्तोत्र.

(ज. १०४२ क. २४६) प. २३ ले. १६२४

४(ज. १०४३ क. प्रेंट्र) प. १२ ऋद्धि-मंत्र-गुण-विधिसहित. भक्तामरस्तोत्र (हिटी पद्य) पं० हमराजजी कृत.

🗡 (ज. १०४४ क्र. २४१) प. म ले. १६२४

(ज. १०४४ क. २४२) प ७ +

भूपालस्तोत्र (हिदी पद्य) हीरानन्दजी कृत

(ज. १०४६ क्र. २४३) प. ३

विपापहारस्तोत्र (हिटी पद्य) अचलकीर्निकृत

🔀 (ज. १०४७ क्र. ४८) प ४

मिद्धिप्रियस्तोत्र (हिदी)

(ज. १०४८ क. २८१) प. २० ले. १७२६ मू. देवनन्दी. सकटोद्धरणस्तोत्र (हिटी पद्य)

(ज. १०४६ क. २८६) प. २१

*

द--पूजा-ग्रन्थ।

*

-30

कर्मदहनपूजा.

(ज. १०४० क्र. २८२) प. ३० ले. १८८२

चतुर्विशानिजनपूजा कविवृन्दावनजी कृत

🗡 (ज. १०४१ क. २०४) प. ७४ ले १६४६ नि. स १८७४

(ज. १०४२ क्र. २१७) प. ८७ ले. १६४८ " चतुर्विंशतिजिनपूजा. कविरामचन्द्रजी कृत.

(ज. १०४३ क. १६०) प. ४६ ले. १८८८ चन्द्रसागरमुनिपूजा,

(ज. १०४४ क. २८७) प. ६

पंचकल्याग्यकपूजा.

र् (ज. १०४४ क. २०४) प. १७ ले. १६४८ नि. स. १८६२ पंचपरमेष्टीमंडलपूजा.

((ज. १०४६ क. १६१) प ४३ श्लो ६००

* * *

६—संग्रह-ग्रन्थ।

चर्चासागर, प० चम्पालालजी मगृहीत.

. (ज. १०४७ क्र. १६६) प. २८१ ले. १६६४ नि. स. १६१० (ज. १०४८ क्र ७०) प. ३७६ ले. १६७६ " चर्चासारसंग्रह.

🗡 (ज. १०४६ क. ४) प. २७८

चर्चासमाधान, कविवर भूधरदासजी संगृहीत.

(ज. १०६० क. १४०) प ११३ ले. १६४६ नि. स. १८७६ /(ज. १०६१ क. १८०) प. १३३ " "
चर्चानामावली.

(ज. १०६२ क. २१८) प. ४० ले. १६६२. चर्चापुस्तक.

🗡 (ज. १०६३ क. १६२) प. ३३

चर्चाफुटकर

(ज १०६४ क. २४४) प १३ ले /६७१ चौबीसठाणाचर्चा.

(ज. १०६४ क २८३) प ३३

(ज. १०६६ क २६) प ६२
(ज. १०६७ क १६३) प १७

🗡 (ज. १०६८ क्र २३०) प. ६२ ले १८६३

प्रश्नोत्तरमाला.

乂 (ज १०६६ क्र १४४)प ३८ मार्गणागुएम्थानचर्चा

(ज १०५० क्र. २५४) प ह

विद्वजनबोधक पंटपन्नालालजी सगृहित

⊁ (ज १०७१ क ११०) प. ३३४ ले १६४१ प्रथमभाग ★(ज १०७२ क. १११) प २३६ " दितीयभाग

*

१०--प्रकीर्णक-ग्रन्थ।

*

मोलहम्बन्नश्रादिकं चित्र

🗡 (ज. १०७३ क्र २१६)

नरकांके चित्र

火 (ज. १०७४ क. २२०)

सुभाषित-श्लांक.

(ज. १०७४ क्र २८४) प. १४०

११--गुच्छक-ग्रन्थ।

् १---गुच्छक (क. ६६ ज. १०७६)

१—अनुभवके विषयमे २—पूजाप्रकरण, ३—एष्णाके विष-यमे, ४—सज्जनदुर्जनप्रकरण ४—धर्मके विषयमे, ६—सम्यक्त्वके विषयमे, ७—स्त्री-प्रकरण, ६—कामी पुरुष, ६—संसारकी दशाका वर्णन १०—नरक-वेदना, ११—नमस्कार-विषय, १२— मिध्यात्वनिषेध, १३—साधुके विषयमे, १४—ज्ञानके विषयमे, १४—दानप्रकरण, १६—निशाभोजन

८ २—गुच्छक (क. २२१)

१०७७--शान्तिप्रकाश (हिंदी)

१००५—धर्मकं विषममे (१) पडितकं विषयमे (२) सज्जन दुर्जनकं विषयमे (३) मिलनताकं विषयमे (४) विद्याकं विषयमे (४) ज्ञानकं विषयमे (६) साधुकं विषयमे (७) पर स्त्रीकं विषयमे (६) पुत्रीकं पैसे लेनेकं विषयमे (६) निशिभोजनकं विषयमे (१०) तृष्णाकं विषयमे (११) कृपणमाया-संवाद (१२) मूर्खकं विषयमे (१३) विनती (१४) नमस्कार (१५) मिण्यात्वकं विषयमे (१६) दानके विषयमे (१७) सम्यक्तकं विषयमे (१६) दानके विषयमे (१७) सम्यक्तकं विषयमे (१०) कामीकं विषयमे (२१) सत्ताकं विषयमे (२०) कामीकं विषयमे (२३) तीन वर्णकं विषयमे (२४) खड़े आहार लेनेकं विषयमे (२४) माला फेरनेकं विषयमे मे (२६) निर्माल्यकं विषयमे (२०) आहमाकं विषयमे (२०) कामीकं विषयमे (२६) निर्माल्यकं विषयमे (२०) आहमाकं विषयमे (२०) नरककथन (२६) फुटकर दोहे (३०)

(40)

१०७६ —वैराग्यपचीसी. भैया भगवतीदासजी कृत.

१०८०—परमात्मञ्जतीसी.

१०८१—दृष्टान्तपश्चीसी "

१०८२—मनबत्तीसी.

१०८३—स्वप्रवत्तीसी.

१८८४--म्वानुभवदर्पण मुंशी नाथूरामजी कृत (स्वकृत हिंदी ऋर्थ महित)

१०८४—सज्जनचित्तवस्नभ. " मू मिस्निषेणाचार्य

१०८६—समयसारनाटक दोहे

३--गुच्छक (क्र. १६४)

१०८७--- छहढाला पं० बुधजनजी कृत

१०८८—नरकके दोहे.

४—गुच्छक (क्र. ३६७)

१०८६-पत्यविधानरास.

१०६०-सोलहकारणरास.

१०६१—नागकुमारपंचमीफलरास. ब्रव् जिनदास कृत.

५—गुच्छक (क्र. ३०२)

१०६२-चौबीसठाएग चर्चा.

१०६३—दर्शनपाठ (संस्कृत)

१०६४—सामायिकपाठ. (सं —प्रा०)

१०६५—योगदीपिका. (स)

१०६६—स्वप्राध्याय.

१०६७--भ्रमरलद्या. "

^{५०६⊏}-त्रेपनक्रिया. (हिंदी)

१०६६—श्रावकाचारविधि (गुर्जर)

६--गुच्छक (क्र. ३०३)

११००-पचमंगल.

११०१—देवपूजा.

११०२-तीम चौबीसीका ऋर्घ.

११०३-चीसविहरमानपूजा.

११०४--- ऋकुत्रिमचैत्यालयपृजा

११०४-- त्रनोके अर्घ.

११८६—मिद्धपुजा

११८७—निर्वागम्[मपृजा

११०५--शान्तिपाठ.

११०९—स्तुति.

१११०—विमर्जन.

११११--देवपूजा (हिदी)

१११२—ब्रीसतर्थकरपूजा

१११३—सरम्बतीपुजा

१११४--गुरुपृजा.

१११५—मिद्धपृजा.

१११६—पोडशकारगप्जा.

१११७--दशलच्चरापूजा

१११८—रत्ननायपूजा

१४१६---दर्शनपूजा.

११२०---ज्ञानपूजा.

११२१—चारित्रपूजा.

११२२—नन्दीश्वरपूजा

११२३—सम्मेदशिखरपूजा

११२४--मुक्तागिरिपूजा,

११२४—सोनागिरिपूजा.

११२६—पंचमेर्रपूजा

११२७—तत्वार्थसूत्र.

११२⊏—जिनमहस्रनाम.

११२६—भक्तामरम्तोत्र

११३०—पार्श्वनाथ.

११३१—शान्तिनाथस्तोत्र

११३२--वृपभाष्ट्रक

११३३—शान्तिनाथ<mark>म्न</mark>ात्र

११३४--चन्द्रप्रभस्तोत्र.

११३४—सगस्वतीस्तोत्र

११३६—मगलाष्टक

११३५--मुप्रभातस्तोत्र

११३८—हष्टाष्ट्रकस्तोत्र.

११३९—ऋदाष्ट्रकस्तोत्र.

११४०-परमानन्दस्तोत्र

११४१—चतुर्विशतिजिनयंत्रोद्धार

११४२—पचनमस्कारस्तोत्र

११४३—बीतरागम्तोत्र.

११४४-भूपालस्तोत्र

११४५—मिद्धिप्रियस्तोत्र

११४६—च्यकलंकाष्ट्रक

११४७—चेंत्यवन्द्रना

११४⊏—सुप्रभातस्तोत्र.

११४९—दर्शनपाठ.

११**५**०—समवशरगाष्ट्रक

११४१—कल्यागमन्दिरस्तोत्र.

११४२--एकीभावस्तोत्र.

११५३—विषापहारस्तोत्र.

११४४—चितामणिपार्श्वनाथस्तोत्र.

११४४—ग्रहत्प्रवचन (सूत्र.)

११४६-लघुजिनसहस्रनाम.

११५७—पार्श्वनाथस्तोत्र.

११४८—घटाकर्णस्तोत्र.

११४६--जिनरचास्तोत्र.

११६०--जिनपंजरस्तोत्र.

११६१—बजुपंजरस्तोत्र

११६२-- प्रहशान्तिस्तोत्र

११६३--लच्मीस्तोत्र.

११६४—शान्तिनाथस्तोत्र.

११६४—महावीराष्ट्रक.

११६६-सरस्वतीस्तोञ

११६७-भक्तामरभाषा.

११६८—कल्यागमन्दिरभाषा.

११६६—विषापहारभापा,

११७०--एकीभावभाषा

११७१-देवदर्शनभाषा.

११७२—निर्वागकाडभाषा.

११७३—बारहभावनाभाषा.

११७४--श्रान्मपश्चीसी.

११७५--- श्रालोचनापाठ.

११७६ — लच्मीस्तोज.

११७७- स्वयंभूभाषा.

११७८—पार्श्वनाथस्तोत्र.

११७६-सामायिक-पच्चीसी.

११८०-सप्तव्यसनफल.

११८१---लुंपकपच्चीसी.

११८२—वजूनाभिबारहभावना.

११८३-सल्लेखनामरण,

११८४-ग्यारहप्रतिमा.

११८४—चौबीसदंडक

११८६—ऋईतदेवस्तुति.

११८७—नेमिनाथबहत्तरी

११८८—गुरुविनति.

११८६-विनति.

११६०-करुगाष्ट्रक

११६१-स्तुति

११६२-विनति.

११६३ सूरतबाराखड़ी.

११६४-तीर्थंकरविनति.

११६५--पचेन्द्रियकथा

११९६--नारीचरित्र

११६७--समाधिशतक

११६५—पद

११९६—लावनी.

१२००--राग-होरी-ठुमरी-डाडरे

७--गुच्छक (क्र. २९३)

१२०१-पचमगल, रूपचन्दजी कृत.

१२०२—जिनसहस्रनाम. (सं.) जिनसेनाचार्यकृत (स्तुतिसहित)

१२०५--तन्वार्थसूत्र (मं.) उमास्वामिकृत.

१२०४—द्रव्यसंप्रह (छंदोबद्ध) द्यानतरायजीकृत (मूलसहित)

१२०४—चौबीसठाएा (छंदोबद्ध) गोविन्ददासकृत

१२०६--बाईसपरीसह.

१२०७—मक्तामरस्तोत्र. मानतुगाचार्यविरचित

१२०८—कल्याणमंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यविरचित.

१२०६-कल्याणमन्दिरस्तोत्र, बनारसीटामजीकृत.

१२१०—निर्वाणकांडभाषा. भैयाभगवतीटासजीकृत.

१२११--लघुसहस्रनाम. (इन्द्रस्तुति)

१२१२---एकीभावस्तोत्र, वादिराजसूरिकृत

१२१३--एकीभावस्तोत्रभाषा, भूधरदासजीकृत,

१२१४---निर्वाणकाड (प्रा)

१२१४—विषापहारस्तोत्र, धनंजयकविकृत,

१२१६-भक्तामरस्तोत्र (भाषा) हमराजजीकृत

१२१७--सूक्तमुक्तावली सोमटेवसूरिकृत

१२१८—चौबीमदंडक. दौलतरामजीकृत.

१२१६--समाधिमरण, द्यानतरायजीकृत.

१२२०—भूपालस्तोत्र, भूपालकविविरचित.

१२२१ — लघुसामायिक. (स.) (मंगृहीत)

१२२२—लघुसामायिक. (भाषा)भीमराजपडितकृत नि.स ४⊏६४

१२२३—सिद्धिप्रियस्तोत्र, देवनन्दीकृत,

१२२४—स्वयंभूभाषा. द्यानातरायजीकृत

१२२५---जीवसमास.

१२२६—खेतीरासो कामतीचन्द्र चौष (पाड्या)

१२२७-बारहभावना. डालूरामजी कृत.

१२२८—अठारानाता.

१२२९—<mark>छहढाला. वुधजनजीकृत (नि. स. १८४६</mark> १२३०—**बारहभावना**.

```
१२३१--बारहभावना.
१२३२—मोत्तपयङी.
१२३३—ऋालोचना पाठ.
१२३४--प्रकृतिविधान, बनारसीदासजी कृत. (नि. स. १७००)
१२३४-- अकलंकाष्ट्रक, भट्टाकलंकदेवकृत.
१२३६—नामनिर्णय.
१२३७-- ज्ञानपचीसी, बनारसीदासजीकृत.
१२३८--सुगुरुशतक, जिनदासगोधा कृत. ( नि. स. १८४२ )
१२३६—नित्यपूजाविधान.
१२४०—षोडशकाररापूजा. (सं.)
१२४१—दशलच्रणपूजा
१२४२—रत्नत्रयपूजा. प्रत्येकपूजामहित (सं.)
१२४३—पंचमेरुपूजा,
१२४४—ऋाष्टान्हिकपूजा.
१२४४--सम्मेद शिखरपूजा. (स.) गगादासकृत.
१२४६—वीसविहरमानपूजा. (सं.) वादिचन्द्रकृत. <sup>१</sup>
१२४७—षोडशकारणपूजा. द्यानतरायजी कृत.
१२४८—दशलचरापूजा.
१२४६-- रत्नत्रयपूजा.
१२५०-पंचमरुपूजा.
१२५१—च्याष्टान्हिकपूजा.
१२४२—श्चनंतत्रतपूजा.
१२४३—सम्मेदशिखरपूजा ( भाषा ) जवाहरलालजी कृत.
        (नि. स. १८६१)
१२५४—सोनागिरिपूजा
                               सहसमञ्जी कृत.
                         77
१२४४--सूक्तमुक्तावली. कॅंवरपालजी-बनारसीदासजीकृत.
१२४६--कर्मछत्तीसी.
```

११५७—श्रध्यात्मबत्तीसी.

१२४८—गोरखवचन.

[′], प—गुच्छक (क. २६४)

१२४६-स्वयंभूस्तोत्र, समन्तभद्रस्वामिकृत.

१२६०—तत्वार्थसूत्र. उमास्वामिकृत.

१२६१--रत्नत्रयपूजा. द्यानतरायजी कृत.

१२६२—जिनाभिषेकक्रम.

१२६३---- ऋहेदष्टक.

१२६४—जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

१२६४—श्रर्हत्पूजा. (सं.)

१२६६—सिद्धपूजा. "

१२६७—कलिकुंडपूजा. "

१२६⊏—सरस्वतीपूजा. "

१२६६—गुरुपूजा.

१२७०—चतुर्विशतिजिनपूजा. कविवरवृन्दावनजी कृत.

८ ६—गुच्छक (ज. २९४)

१२७१-पदसंग्रह, हीराचन्दजी कृत.

१२७२---पदसंग्रह.

. १०—गुच्छक (क्र. ३०४)

१२७३--समाधिमरण, सूरचन्दजी कृत.

१२७४--ऋषिमंडलस्तोत्र.

१२७४---प्रश्नोत्तरमाला.

१२७६--शुद्धणमोकारमंत्रादि. ६१

१२७७--शकुनावली.

१२७८—इष्टळत्तीसी. बुधजनजी कृत.

१२७६--पार्श्वनाथस्तोत्र. पं० द्यानतरायजी कृत.

११--गुच्छक (क्र. २६६)

१२८०—ग्रानेक चर्चाएं

१२--गुच्छक (क्र. २६८)

१२८१ —संशयवचन-विच्छेद. (गुर्जर)

१२८२—लु कामतनिराकरण. (गुर्जर)

१३--गुच्छक (क्र. २६६)

१२८३--जिनसहस्रनाम. बनारसीटासजी कृत.

१२८४—सूक्तमुक्तावली.

१४-गुच्छक (क्र. ३००)

१२८५—दर्शनपाठ.

१२८६—हष्टाष्ट्रक.

१२८७—वर्ममानस्तोत्र. (हिदी छुंद्)

१२८८—अनादिनिधन.

१२८-मिश्यात्ववानी, कविवरबनारसीदासजी.

१२६०--प्रस्ताविक-कवित्त,

१२६१--गोरखनाथके वचन.

१२६२—परमार्थ-वचन.

१२६३-परमानन्दस्तोत्र (सं)

१२६४-योगपावड़ी.

१४--गुच्छक (क. ३०१)

१२६४--लच्मीस्तोत्र पद्मप्रभदेवकृत.

१२६६-नवकारपचीसी. विनोदीलालजीकृत.

१२६७—कृपरापचीसी.

.

१२६⊏—बाईसपरीषह.

१२६६—कल्याणमन्दिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यकृत.

१३००—भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.

१३०१—विषापहारस्तोत्र, धनंजयकविकृत.

१३०२—भक्तामरस्तोत्र-भाषा, हेमराजजी कृत.

१३०३—कल्यागमदिर-भाषा, बनारसीदासजी कृत,

१३०४—विषापहार-भाषा, श्रचलकीर्तिकृत, नि. स. १७१४

१३०४-भूपालपचीसी हीरानन्दजी कत.

१३०६-एकीभाव भाषा.

१६-गुच्छक (क्र. ३०४)

१३०७-चर्चाशतक. द्यानतरायजी कृत.

१३०८—सुगुरुशतक. जिनदासजीगोधा कृत.

१३०९-भूधरशतकके दो छंद.

१३१०—चौवीसठागाकी चर्चा.गोविद्कविकृत, नि. स. १८८१

१३११—गाँचो पर्वी की कथा. वेगुप्रव्रह्मचारिकृत. नि. स. १७०७

१३१२--पार्श्वनाथस्तुति.

१३१३—चौबीसदडक पं दौलतरामजी कृत.

१३१४—सूरतकी बाराखडी.

१३१४—जोगीरासो. जिनदासजी कृत.

१३१६—मोच-पयड़ी, बनारसीदासजी कृत.

१३१७--कुवेरप्रियश्रेष्ठी की कथा.

१७-गुच्छक (क्र. ३०६)

१३१५—-सकलीकरण.

१३१६--पंचमंगल.

१३२०---

१३२१---

१३२२---

१३२३---

१३२४--जिनदर्शनस्तोत्र (प्रा) पद्मनन्दिकृत.

```
१३२५—देवपूजास्तुति. ( सं० प्रा० ).
१३२६-पचपरमेष्ठीके गुरा.
१३२७--देवपूजा ( सं-प्रा० )
१३२५--शान्तिपाठ. ( सं० ).
१३२६--
१३३०-- मुनीश्वरोकी जयमाला. जिनदासकृत.
१३३१—सिद्धपूजा जयमाला. ( मं० )
१३३२—सरस्वती-पद्य.
१३३३ -- मंत्राधिक्यसाधनसमृह "
१३३४—ऋाष्टान्हिकपूजा-जयमाला ( सं०-प्रा० )
१३३४--दशलच्चणपूजा-जयमाला.
१३३६—रत्नत्रयपूजा-जयमाला.
                               ( सं० )
१३३७---भक्तामरभाषा.
                        पांडे हेमराजजी कृत.
१३३⊏—कल्याणमन्दिरभाषा बनारसीदासजी कृत.
१३३६-एकीभावभाषा, पं० हीरानन्दुर्जा कृत.
१३४०--भूपालपश्चीसीभाषा
१३४१—विषापहारभाषा अचलकीर्तिकृत.
१३४२—एकीभावभाषा द्यानतरायजीकृत.
१३४३—निर्वाणकांड ( प्रा० ).
१३४४—निर्वाणकाडभाषा भैयाभगवतीदासजी कृत.
१३४४—जिनसहस्रनाम ( सं० ) जिनसेनाचार्यकृत.
१३४६—पंचपरमेष्ठिपूजा " त्र्याचार्ययशोनन्दीकृत.
१३४७—करुगाष्ट्रक
                       " पद्मनिन्दकृत.
१३४⊏—पार्श्वनाथाष्ट्रोत्तरशतक ( सं० )
१३४६--लघुसहस्रनाम.
१३४०--दंडकस्तोत्र.
```

(= 5)

१३५१—बजूपिंजरस्तोत्र. (सं)
१३४२—ग्रमोकारमंत्रर्द्धिस्तोत्र. "
१३५३—पंचमेरुपूजाजयमाला भूधरदासजी कृत.
१३५४कर्मदहनविधान (सं०)
१३४४—पचकल्यार्णकपूजा "
१३४६—पंचकल्याएक-प्रत्येकपूजा (सं०)
१३४७—धर्मपचीसी द्यानतरायजी कृत.
१३५८—व्यसनत्यागषोडशी "
१३५६—जीवसरधाचालीमी "
१३६०—तिथिषोडशी "
१३६१—मंगल-त्र्यारती.
१३६२—चैराग्यषोडशी "
१३६३—पदचतुष्ट्य. "
१३६४—जिनपूजाष्टक.
१३६४—त्र्यारतीजयमालाकी.
१३६६—देवपूजाष्टकत्र्यारती. "
१३६७—पूजाष्टक. "
१३६८—छयालीसबोल ऋारती. "
१३६६—बीसविहरमानपूजा-जयमाला "
१३७०—सिद्धपूजाष्टक पं० दोलतरामजीकृत.
१३७१ —सिद्धोकी श्रारती. खुशालचन्दजी कृत.
१३७२—गुर्वष्टक. द्यानतरायजी कृत.
१३७३—साधुस्रारती. हेमराजजी कृत,
१३७४—जिन्वाणी अष्टक-आरती. चानतरायजी कृत.
१३७४—पंचमेरुपूजा.
१३७६—ऋष्टान्हिकपूजा. "
१३७७—सोलहकारगपूजा.

१३७८—दशतत्त्रणपूजा.	चानतरायजी कृत.
१३७६रत्नत्रयपूजाष्टक-त्रार	ती. "
१३८०-–सिद्धचेत्रपूजा.	"
१३⊏१—सिद्धचक्रपूजा.	31
१३⊏२—श्रच्ररबावनी.	"
१३⊏३—नेमिनाथबहत्तरी.	"
१३⊏४—धर्मचाहगीत.	"
१३⊏४—च्चादिनाथस्तुति.	"
१३⊏६—शिचापंचाशिका.	"
१३⊏७—सहजाष्ट-श्रारती.	"
१३८८—प्रतिमाबहत्तरी.	"
१३⊏६—स्वयभूभाषा.	"
१३६०—समाधिमरणभाषा.	"
१३६१द्रव्यसग्रहभाषा.	"
[°] १३६२—जोगीरासो. जिनदा	सजीकृत.
१३६३—दोहरा. रूपचन्दजीव	
१३६४द्वादशानुप्रेचा चाल्ह	
१३९५—जिनविनती. रूपचन	
१३६६—मुनीश्वरोकी जयमा	
१३६७—द्वितीय-जयमाला (_
१३६८—तृतीय-जयमाला (ा	हि०) मुमोहरकृत ^१
१३६६—जिनभक्तिविनती.	
१४००—चारसौछहजीवसमा	स. द्यानतरायजीकृत.
१४०१—दसथान–चौबीसी	"
१४०२—बारहभावना. भगौर	
१४०३—जिनविनती, दीपचर	
र४०४—वधेमाननिवो णक ल्य	गणक (सं०) त्रसगकविकृत.

```
१४०५--ऋषिमंडलपूजास्तोत्र (सं०)
१४०६ - सूर्यमंत्र (१) पद्मावतीमंत्र (२) चक्रेश्वरीमंत्र (३)
       शान्तिनाथमंत्र (४).
१४०७--भक्तामर ( सं० हि० ) ऋद्धि-मंत्र-गुण्युक्त.
१४०५—श्रीपालस्तुति. ( हि ).
१४०६—पार्श्वनाथस्तुति "
१४१०—वीतरागस्त्रति " दीपचन्दजी कृत.
१४११-सरस्वतीस्तुति ( प्रथम ) ( सं० )
१४१२-सरस्वतीस्तुति (द्वितीय) "
१४१३ - लच्मीस्तोत्र पद्मप्रभक्तत. ( स० )
१४१४--जिनरज्ञास्तोत्र.
१४१४—सरस्वतीस्तोत्र.
                                77
 १४१६-पार्श्वजिनस्तुति. (हिटी).
१४१७--पार्श्वजिनजन्मस्तृति.
                                   भूधरदासजी कृत.
 १४१८—जिनविनती.
                                    दीपचन्दजी कृत.
 १४१६--जिनस्तुति,
 १४२०--बीसतीर्थकरजखड़ी
                               "
 १४२१-तीर्थंकरस्त्रति
                               "
 १४२२--परमानदस्तोत्र
                            (सं०)
 १४२३—जिनपंजरस्तोत्र.
 १४२४—तीर्थंकरस्तुति.
                            (हिर्दा)
 १४२५—घंटाकर्णमहावीरमंत्र. (स०)
 १४२६—तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत.
 १४२७-भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.
 १४२⊏—कल्याग्रमंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्य प्रगीत.
 १४२६-विषापहारस्तोत्र. महाकविधनजयकृत.
  १४३०--एकीभावस्तोत्र. वादिराजसूरिकृत.
```

(52)

१४३१--भूपालस्तोत्र. भूपालकविकृत.

१४३२—सर्वजिनस्तुति.

१४३३-पार्ग्वनाथस्तुति (प्रा०)

१४३४---महावीरद्वात्रिशत्का.

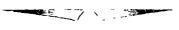
१४३४—सरम्बतीस्तोत्र, हेमराजजी कृत,

१४३६-गौड़ीपार्श्वनाथस्तुति.

समाप्तेयं भाषाग्रन्थानां नामावस्ती।



मुद्रित-दिगम्बर-जैन-ग्रन्थाः।



१--सिद्धान्त-प्रन्थ।

श्रर्थप्रकाशिका. परमेष्ठीदासजी व सदासुखजी कृत.

(ज. १४४०	क्र. ७ ख.) हि. श्लो.	.११०००मु.	२४४२ची,नि.	१६१२
(ज. १४४१	乘. 写 ") "	"	"	"
(ज. १४४२	क्र.२४ ") "	"	"	"
(ज. १४४३	क, २४ "	" ("	"	"
(ज. १४४४	क.२६ ") "	"	"	"
(ज. १४४४	क २७ ग) "	"	77	"

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४६ क. १ ख.) अभयचन्द्रसिद्धान्तचकवर्तिकृत मन्दप्रबोधिनी टीका, नेमिचन्द्रकृत तत्वदीिषका टीका और टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका नामक हिन्दी टीका सहित.

गोम्मटसारजीवकांड. निमचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४७ क. २८१ क.)मूलमात्र,छाया और अवतरिएका युक्त. मु. १६६८.

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४८ क. १२२ क.) मु. २४४२, पं० खूबचन्दजी शास्त्री कृत हिंदी युक्त.

गोम्मटसारकर्मकांड. नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकृत.

(ज. १४४६ क. २ ख.) नेमिचन्द्राचार्यकृत तत्वदीपिका नामक संस्कृतटीका और पं० टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका नामक हिंदी टीका सहित.

(ज. १४४० क्र. १२३ क.) मृ.२४३⊏ वी., पं० मनोहरलालजी

```
कृत हिदी सहित.
         (ज. १४४१ क. १२४ क.) "
जैन-सिद्धान्त-दर्पण, पं० गोपालदासजी वरैया कृत.
         (ज. १४४२ क. १४६ क.) मू. २४३४ वी. हिदी.
         (ज. १४४३ क. १४७ ") "
         ( ज. १४४४ क. १४५ " ) " "
जैनसिद्धान्तप्रवेशिका. पं० गोपालदासजी वरैया कृत.
        (ज. १४४४ क. ४४२ क.) हि, नि. मु. २४३४
        ( ज. १४४६ 新. ४४३ " ) "
         ( ज. १४४७ क. ४४० " ) म. जीवराजगौतमद्वारा अनुवा-
         दित. मु. २४३६.
         ( ज. १४४८ क. ४४१ " ) म.
तत्वार्थराजवार्तिकालकार. भट्टाकलंकदेवकृत
        (ज. १४४६ क. ६१ क.) मं. मृ. २४४१ वी.
        (ज. १४६० क. ६२ क) सं.
तत्वार्थऋोकवार्तिकालकार. विद्यानन्दसूरिविरचित.
        (ज. १४६१ क. ६३ क) स. म्-२४४४ वी.
तत्वार्थसर्वार्थसिद्धिः पञ्यपादस्वामी कृत
        (ज. १४६२ क. ३४ ख.) सं म-१८२४ श.
तत्वार्थसर्वार्थसिद्धि. पं० जयचन्द्रजी कृत
        (ज. १४६३ क. ४२ ख.) हिंदी.
        (ज. १४६४ क ४३ ख.) "
        (ज. १४६५ क. ४४ ख.) "
तत्वार्धसार, अमृतचन्द्रस्रियणीत
        (ज. १४६६ क. ३ ख.) प० वंशीधरजी कृत हिटी युक्त.
        म. २४४४ वी. अपूर्ण.
        ( ज. १४६७ क्र. ६६ ख. )
                                                    पूर्ण
```

तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत, (ज. १४६८ क्र. ६७ ख.) पं० सदासुखजी कृत हिंदी सहित. मु. १६४३ वि. नि. १६१० (ज, १४६६ क, ६८ ख,) " (ज. १४७० क. १४६ ख.) (ज. १४७१ क्र. ६६ ख.) जयचन्द्रश्रावणे कृत मराठी युक्त म्, १६०५ ई० (ज. १४७२ क. २८२ क.) पं० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिंदी यक्त. मू. २४३३ वी. (ज. १४७३ क्र.२⊏३क.) (ज. १४७४ क. २५४ क.) (ज. १४७४ क. २४५ क) मराठी टीका सहित त्रिलाकसार, नेमिचन्द्रमिद्धान्तचक्रवर्ती विरचित. (ज. १४७६ क. २४१ क.)प्रा.माधवसेनत्रैविद्यदेवकृत संस्कृत टीका सहित. (ज. १४७७ क. २४२ क.) प्रा " (ज. १४७८ क. ४२४ क.) पं० टोडरमलजी कृत हिदीसहित. द्रव्यसंग्रह, नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती कृत. (ज. १४७६ क. १२६ क.) ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका. श्रीर पं० जवाहरलालजी कृत हिदी सहित. (ज. १४८० क. १२७ क.) (ज. १४८१ क. १२८ क.) " (ज. १४८२ क. १२६ क.) (ज. १४⊏३ क. १४० क.) बाबू मूरजभानु कृत हिंदी युक्त.

(ज. १४८४ क. १४१ क.)

सहित. मु० १६०० ई०.

"

(ज. १४८४ क. ३६६ क.) पं० पन्नालालजी कृत हिंदी मराठी

(ज. १४८६ क. ३६७ क.) पं**ंपत्रातालजी कृत हिंदी मराठी** सहित, मु० १६०० ई०.

(ज. १४८७ क. २८५ क.) पं० पन्नालालजी कृत हिंदीमराठी सहित. मु० २४४० वी.

पंचाध्यायी, पं० मक्खनलालजी कृत हिदी.

(ज. १४८८ क. १३० क.) सं०.

(ज १४८६ क. १३१ क.) सं०

लब्धिसार. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती प्रगीत

(ज. १४६० क. १३२ क) प्रा. पं० मनोहरलालजी कृत हिंदी सहित.

२--- अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थ।

3 4 A

श्रनित्यपंचाशत्. पद्मनन्द्याचार्यकृत.

(ज. १४६१ क. २१३ क.) सं० संस्कृत श्रौर गुजराती टीका सहित.

अनुभवप्रकाश, पं० दीपचन्दजी कृत.

(ज. १४६२ क्र. ७५ ख.) हिंदी.

(ज. १४६३ क. ७६ ख.) "

श्रात्मानुशासन. गुणभद्राचार्यकृत.

(ज. १४६४ क्र. ७६ ख.) सं०. ज्ञानचन्द्रजीकृत हिंदी सहित.

(ज. १४६५ क. १३६ क.) सं०. "

(ज. १४६६ क्र. १८७ क.) सं०. पं० बंशीधरजीकृत हिंदी युक्त.

(ज. १४६७ क्र. ৬৬ ख.) सं०. जीवराज गौतमकृत कृत मराठी सहित.

श्रात्मप्रबोध, कुमारकविकृत,

(ज. १४९८ क्र. ३६ ख.) मं०,पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित,

(ज. १४६६ क्र. ४० ख.) स०.पं०गजाधरलालजी कृत. हिंदी सहित.

श्राराधनासार. देवसेनसरिकृत.

(ज. १४०० क ८६ ख.) प्रा पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४०१ क्र. ८७ ख) प्रा पंट गजाधरलालजी कृत हिन्। सहित.

(ज. १४०२ क्र. २४३ क.) प्रा. रत्नकीर्तिकृतसंस्कृत टीका सहित.

(ज. १४०३ क. २४४ क.) प्रा. रत्नकीर्तिकृतसंस्कृत टीका सहित.

इन्द्रियपराजयशतक.

(ज. १५०४ क्र. २८६ क.) बुद्धलालकृत हिरी पद्य महित.

(ज.१४०४ क. २८७ क)

इष्टळ्तीसी. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १४०६ क. २८५ क.) हिन्ही

उपदेशरत्रमाला जिनसेनपट्टाचार्यकृत.

(ज. १५०७ क्र. ४१ ख) मराठीछद्, नि. स १७४३ श उपदेशसिद्धान्तरत्रमाला, नेमिचन्द्रभंडारीखेताम्बरकृत,

> (ज. १४०८ क्र. २१४ क.) प्रा. पं० पन्नालालजी बाकली-वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

> (ज. १४०६ क. २१६ क.) प्रा. प० पन्नालालजी वाकली-

वाल कृत हिंदी श्रौर जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

(ज. १४१० क. २१७ क.) प्रा प० पन्नालालजी वाकली-वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी महित.

छहढाला. पं० दौलतरामजी कृत.

- (ज. १४११ क. २२१ क.) हिदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.
- (ज. १४१२ क. २२० क.) हिदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.
- (ज. १४१३ क २१९ क.) हिदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.
- (ज. १४१४ क. २१८ क.) हिदी. मुंशी श्रमनसिंहजी कृत हिन्दी सहित.

छहढाला. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १४१४ क १४२ क.) हिदी. मुंशी नाथूरामजी कृत. हिदी युक्त.

ज्ञानार्णव शुभचन्द्राचार्यप्रणीत.

- (ज. १५१६ क. १०७ क.) स प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त.
- (ज. १४१७ क्र. १०८ क.) सं प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत. हिन्दी युक्त
- (ज १४१८ क्र. १०६ क) स. प० पन्नालालजी बाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त
- (ज. १४१६ क्र. ११० क.) सं. प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त
- (ज. १४२० क १११ क.) सं. पं० पन्नालालजी बाकलीबाल कृत हिन्दी युक्त.
- (ज. १४२१ क्र. ११२ क) सं. पं० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त.

तत्वज्ञानतरंगिणी. भट्टारकज्ञानभूषण्कत.

(ज. १४२२ क्र. ८२ ख.)सं.पं०गजाधरलालजीकृतहिदीसहित

(ज. १२२३ क. ८३ ") सं.

77

(ज. १४२४ क. ८४ ") स.

"

(ज. १४२४ क. ८४ ") सं.

"

दशलच्चाधर्म. पं० सदासुखजी कृत.

(ज. १४२६ क. २२२ क.) हिंदी.

दशलच्रणधर्मजयमाला. रइधूकविविरचित.

(ज. १४२७ क.२८६ क.)प्रा.प० लालारामजी कृत हिदी युक्त.

(ज, १४२८ क, २६० क,) प्रा.

"

धर्मपरीज्ञा. अमितगतिसूरिकृत.

(ज. १४२६ क्र. २२३ क.) स० प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिंदी सहित.

(ज. १४३० क. २२४ क.)

"

(ज. १४३१ क. २२४ क.)

٠.

नियमसार, कुन्दकुन्दर्षिप्रणीत.

(ज. १४३२ क. २६१ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या त्र्यौर शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त,

(ज. १४३३ क. २६२ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या श्रौर शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त.

(ज. १४३४ क्र. २६३ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रशादजी कृत हिदीयुक्त.

पद्मनिद्पंचशतिका. श्राचार्यपद्मनिद्विरचित.

(ज. १४३४ क. २८ ख.) सं. पं० गजाधरलालजीकृत हिंदी सहित. (ज. १४३६ क्र. २६ ख) सं. मराठीवृत्त, मराठीभाषा श्रीर हिंदी ऋर्थ सहित.

(ज. १४३७ क. ३० ख) सं.

"

परमात्मप्रकाश. योगीन्द्रदेवकृत.

- (ज. १४३८ क्र. ११३ क.) प्रा. ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका ऋौर पं॰ दौलतरामजी कृनहिदी सहित.
- (ज. १४३६ क्र.१४३ क.) प्रा.सूरजभान् वकीलकृतहिदीयुक्त.
- (ज. १४४० क. १४४ क.) प्रा.
- (ज. १४४१ क. १४४ क.) प्रा सूरजभानू वकीलकृतहिन्दीयुक्त.
- (ज. १४४२ क. १४६ क.) प्रा.

परमार्थजकई।.

(ज. १४४३ क. २६४ क.) हिंदी.

पंचास्तिकाय कुन्दकुन्ददेवकृत.

- (ज. १५४४ क्र ११६ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका और प० पन्नालालजी कृत हिदी सहित।
- (ज. १४४४ क. ११७ क.) प्रा. त्र्यमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका त्रोर प० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।
- (ज. १४४६ क. ११८ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका श्रोर प० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित।
- (ज. १४४७ क्र. ११६ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत दीका श्रौर पं० पन्नालालजी कृत हिदी सहित.।

प्रवचनसारप्राभृत. कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज. १४४८ क ११४ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसृरिप्रणीत तत्वप्र-दीपिका जयमेनाचार्यविरचित तान्पर्यवृत्ति और पांडेहेमराजजी कृत हिदी सहित। (ज. १४४६ क. ११४ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिप्रणीत तत्वप्र-दीपिका जयसेनाचार्यविरचित तात्पर्यवृत्ति श्रीरपांडे हेमराजजी कृत हिदी सहित।

प्रवचनसारपरमागम. कविवरबनारसीदासजी कृत.

(ज. १४४० क्र. २६४ क.) हिदीपद्य.

(ज. १४४१ क. २६६ क.) "

प्रश्नोत्तरत्नमालिका. राजर्षि-श्रमोघवर्षकृत.

(ज. १४४२ क्र. २६७ क.) सं. जिनवरदासजीकृत हिदी सहित.

बुधजनशतसई. पं० बुधजनजीकृत.

(ज. १४४३ क. ४४६ क.) हिदीपद्य मु. का. २४३६ वी.

(ज. १४४४ क. ४४४ क.) हिदीपद्य " २४४३ बी.

भूधरशतक, कविवरभूधरदासजीकृत.

(ज. १४४४ क. १४७ क) हिदीवृत्त.

मकरध्वजपराजय, पं० गजाधरलालजी कृत हिर्दी.

(ज. १४५६ क, २६८ क,) जिनदेव कृत संस्कृतका श्रनुवाद.

(ज. १४४७ क. २६६ क.)

मोचमार्गप्रकाशक. प० टोडरमलजी कृत.

(ज. १४४८ क. ७० ख) हिंदी मु० १६४४ वि.

(ज. १४४६ क्र. १३७ क.) हिंदी "

(ज. १४६० क्र. ३०० क) हिंदी मु० २४३८ वी

योगसार. वृद्ध-श्रमितगतिविरचित.

(ज. १४६१ क. ६ ख) सं. पं० गजाधरलालजी कृत हिटी सहित.

(ज. १४६२ क. १० ख.) सं०

(ज. १४६२ क. ११ ख.) सं०पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी. (ज. १४६४ क. १२० क.) मं० "

योगप्रदीप,

(ज. १४६४ क. २२६ क.) गुजराती.

रयणसार, कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत

(ज. १४६६ क्र. २२७ क.) प्रा. पं० कलापा भरमाप्पाकृत मराठीसहित.

शीलमाहात्म्य. कविवरबनारसीदासजी कृत

(ज. १४६७ क. ३६२ क.) हिन्दी छंद.

षट्पाहुड कुन्दकुन्दाचार्य कृत.

(ज. १४६८ क. १८८ क.) प्रा. प० गौरीलालजीकृत हिंदी युक्त (ज. १४६६ क. १८६ क.) प्रा. "

सज्जनचित्तवल्लभ, मिल्लिषेणाचार्यविरचित.

(ज. १४७० क. १४८ क.) स. प० मिहरचन्दजी कृत पद-च्छेद, संस्कृतटीका, अन्वय, हिन्दी अर्थ और हिन्दी छंद युक्त. (ज. १४७१ क. ३०१ क.) स. प० मिहरचदजी कृत पद्य हिन्दी अर्थ और पं० नयनानन्दजी कृत हिन्दी पद्य महित.

(ज. १४७२ क्र. ३०२ क) सं "

ममयसारप्राभृत, कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज, १४७३ क्र. ४४ ख.) प्रा.प० जयचन्द्जी कृत हिदी सहित.

(ज. १४७४ क. ४६ ") प्रा.

(জ. १४७४ क. ४७ ") সা. "

(ज. १४७६ क. १२१ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतात्मरूयाति जयसेन कृत तात्पर्ययुत्ति श्रौर पं० जयचन्द्जी कृत हिन्दी सहित. (ज. १४७७ क्र. ९० क.) या. अमृतचन्द्रसूरि कृत आत्म-ख्याति श्रौर जयसेनाचार्यकृत तात्पर्यवृत्ति सहित

समयसारकलश. श्रमृतचन्द्रसरिकृत.

(ज. १४७८ क. १२ ख.) सं. शुभचन्द्रभट्टारक कृत संस्कृत टीका और पं० जयचन्दजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४७९ क. १३ ख. सं.

समयसारनाटक, कविवरवनारसीटासजी कत,

(ज. १५८० क्र. १५ ख.) हिंदीपद्य, नानारामचन्द्रनाग कृत हिदी युक्त.

(ज. १४५१ क. ५६ क.) " गुजराती ऋर्थ महित.

(ज. १४८२ क. १४६ क.) " मूलमात्र.

(ज. १४८३ क. १६० क.) "

(ज. १४५४ क. १६१ क.)

(ज. १४८४ क. ३६४ क)

सम्यन्ज्ञानदीपिका, जुज्जकधर्मदासजी कृत.

(ज, १४८६ क. ४ ख.) हिदी,

(ज. १४५७ क. ४ ख.)

(ज. १४८८ क. १३८ क.) "

समाधिशतक. पूज्यपादस्वामिकृत.

(ज. १४८६ क्र. ४२७ क.)सं. प्रभाचन्द्राचार्यविरचित संस्कृत टीका श्रौर मराठी भाषान्तर सहित.

(ज. १४६० क. ४२८ क.) सं.

(ज. १४६१ क. ४२६ क.) सं

सभाषितरबसन्दोह. श्रमितगतिस्ररिकृत.

(ज. १४६२ क्र. १६ ख.) सं. पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत हिदी सहित.

(१०१)

(ज. १४६५ क. १५ ख.) सं. प० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत (ज. १४६४ क. १८ ख.) सं. "

सूक्तमुक्तावली. सोमप्रभाचार्यविरचित.

(ज. १४६४ क्र. ३०३ क.) सं. कविबनारसीदासजी कृत हिंदी पद्य और पं० लालारामजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४६६ क. ३०४ क.)

स्वानुभवदर्पण, मुंशीनाधृरामजी कृत.

(ज. १४६७ क. १६६ क.) हिनीपरा.स्वोपज्ञ हिंदी श्रर्थ युक्त. (ज १४६८ क. १६४ क.) ""

३--ग्राचार-ग्रन्थ।

- CONTO

श्रनगारधर्मामृत सूरिकल्पत्राशाधरजीकृत.

(ज. १४६६ क. २४४ क.) मं., म्वोपज्ञ भव्यकुमुद्चिन्द्रका-ख्य टीका सहित.

श्रमितगतिश्रावकाचार. श्राचार्य-श्रमितगतिकृत.

(ज. १६०० क. १६० क.) सं. पं० कलाप्पा भरमप्पा कृत मराठी त्र्यनुवादयुक्त.

श्राचारसार, वीरनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०१ क. २५६ क.) सं

(ज. १६०२ क. २४७ क.) सं.

उपासकाध्ययन. वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०३ क. १६४ क.) प्रा. हिदी ऋर्थ सहित. वसुनन्दिः श्रावकाचारापरनाम.

(ज. १६०४ क. १६६ क.) प्रा. हिंदी ऋर्य सहित. वसुनन्दि-श्रावकाचारापरनाम.

चारित्रसार, चामुंडरायमहाराजकृत.

(ज, १६०४ क, २४८ क.) मं.

(ज. १६०६ क. २४६ क.) मं.

कियामंजरी.

(ज. १६०७ क्र. ४३६ क.) मराठी.

(ज. १६०८ क. ४४० क.) "

जिनाचारविधि. श्रार, श्रार, बोवड़े,

(ज. १६०६ क्र. ३६८ क.) मराठी.

ज्ञानानन्दश्रावकाचार, रायमञ्जजी कृत.

(ज. १६१० क. ३०५ क.) हिन्दी

त्रैवर्णिकाचार. भट्टारकसोमसेनमुनिकृत.

(ज. १६११ क्र. ३६ ख) म. कालापाभग्मापानिटवे कृत मराठी युक्त.

(ज. १६१२ क्र. ३७ ख.) सं.

(ज. १६१३ क. २८ ख.) स.

द्वादशानुप्रेचा.

(ज. १६१४ क. ४३ ख.) हिन्दी.

(ज. १६१५ क. ५४ ख.) "

द्वादशानुप्रेचा. पं० कृष्णकृत.

(ज. १६१६ क. २४१ क.) गुजराती छंद, नि. स. १८६६

द्वादशानुप्रेचा. कुन्दकुन्दाचार्य कृत. (ज. १६१७ क. ४४६ क.) प्रा. कालचन्द्रजिनदत्तकृत मराठी सहित. (ज. १६१८ क्र. ३०७ क.) " नाथूरामजी प्रेमी ऋौर मनो-हरलालजी कृत हिन्दी युक्त. धर्मसार. पं० शिरोमणिटासजी कृत. (ज. १६१६ क. ३०६ क.) हिन्दी, नि. स. १७३२ धर्मसंग्रह्श्रावकाचार. प० मोधाचीकृत. (ज. १६२० क. १६१ क.) सं.उदयलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी सहित. (ज. १६२१ क. १९२ क.) सं. (ज. १६२२ क्र. १९३ क.) सं. पुरुषार्थसिद्धय पाय, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत (ज. १६२३ क्र. १३३ क.) मं. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी सहित भगवती-श्राराधना शिवकाटिमुनिरचित. (ज. १६२४ क. ४६ ख.) प्रा. प० सदासुखजी काशलीवाल कृत हिन्दी युक्त. (ज. १६२४ क. ४० ख.) प्रा. (ज, १६२६ क, ४१ ख.) प्रा. (ज, १६२७ क्र. ४२ ख,) प्रा. रत्नकरंडश्रावकाचार, समन्तभद्राचार्यकृत. (ज. १६२८ क. ६ ख.) स. पं० मदासुखजीकृतहिदी सहित. (ज. १६२९ क्र. ४६ ख) मं०

(ज. १६३० क. ४७ ख) सं० (ज. १६३१ क. ४⊏ ख.) सं०

- (ज. १६३२ क. ४६ ख.) सं० पं० सदासुखर्जाकृतहिंदी सहित. (ज. १६३३ क्र. ३०८ क्.) सं० पं० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिंदी सहित. "
- (ज. १६३४ क. ३०६ क.) स०
- (ज. १६३४ क. ३१० क.) सं०
- (ज. १६३६ क. ३११ क.) सं०
- (ज. १६३७ क. ३१२ क.) स.
- (ज. १६३८ क. ४४४ क) संव हीराचन्दजी नेमचन्दजी कृत मराठीहिन्दीयुक्त,

"

- (ज, १६३९ क, ४४४ क.) सं.
- (ज. १६४० क. ४४६ क.) सं.
- (ज. १६४१ क्र. ४४७ क) सं० प्रेमचन्द्जी मोतीचन्द्जी कृत गुजराती सहित
- (ज. १६४२ क्र. ४४⊏ क.) पं० गिरिधरशर्मा कृतहिदीपद्य.

श्रावकवनिताबोधिनी. जयद्यालमझकृत.

- (ज. १६४३ क. ३१३ क) हिंदी.
- (ज. १६४४ क. ३१४ क.) "
- (ज. १६४४ क. ३१४ क.) हिंदी.
- (ज. १६४६ क. ३१६ क.) "
- (ज. १६४७ क. ३१७ क.) "

सागारधर्मामृत सूरिकल्पत्राशाधर विरचित.

- (ज. १६४८ क. १६५ क.) स. प० कलापा भरमप्पा कृत मराठी सहित.
- (ज. १६४६ क. १६४ क.) सं० स्वोपज्ञभव्यकुमुद चन्द्रिका टीका और कलापा भरमाप्पा कृतमराठी सहित.

(ज. १६	५० क. २६० क	.) सं.	स्वापज्ञभव्य	ग्कुमुदच ि	का-
ख्यसंस्कृ त	ाटीकायुक्त.				
(ज. १६	५१ क. २६१ व	5.) स.	"		
(ज. १६	५ २ क. २६२ व	s.) सं.	"		
(ज. १६	४३ का. २६३ व	ह.) स.	"		
(ज, १३	५ ४ क्र. ३१८ व	ह) स.	पं० लालार	ामजी कृत	हिदी-
सहित, पृ	र्वार्ध.				
(ज. १६	४५ ऋ. ३१६	क.)"	"		
(ज. १६	४६ क. ३२०	事.) "	,,	,	
(ज. १६	५७ क. ३२१ व	ਜ.) ''	"	ভ	त्तरार्ध.
(ज १६	४८ क्र. ३२२	क.) "	77	1	77
स्वामिकार्तिकेयानुप्र	द्या. स्वामिका ति	कियकृत.			
(ज. १६	४६ क. १३४	क.) प्रा.	प जयचन	दजी छाव	झ कृत
हिन्दीयु	क				
+		+		+	
त्र्यालोचनापाठ.					
(ज. १९	६६० क. २१४	फ.) हि	दीपद्य,	ललिताबाई	कृत
गुजरातं	ो ऋर्थ सहित.				
सामायिकपाठ, ऋ	मितगतिसूरिकृत	ſ.			
(ज. १	६६१ क. ३२३	क.) मं.	शीतलप्रसा	दजी कृत	हिन्दी
सहित.					

सामायिकपाठ. पं०महाचन्दजी कृत.

(ज. १६६२ क. ४३२ क.) हिदीपद्य. पं० नन्दनलालजी कृत गुजराती सहित.

(ज. १६६३ क. ४३३ क.) ""

(104)

४—इतिहास-ग्रन्थ ।

त्रादिपुराण्. जिनसेनाचार्य कृत.

(ज. १६६४ कृ. ४४ ख.) स०, प० लालारामजीकृत हिंदी युक्त.

चत्रचूड़ामणि. वादीभसिंहसूरिकृत.

(ज. १६६¥ क्र. ३२४ क.) सं० लाला मुशीलालजी कृत हिन्दी सहित.

चन्द्रप्रभचरित. रूपनारायगापांडेयकृत.

(ज. १६६६ क्र. ३२४ क.) हिंदी वीरनन्दी कृत संस्कृतका श्रनुवाद.

(ज. १६६७ क. ३२६ क.) "

चारुदत्तचरित, पं० भारामलजी कृत.

(ज. १६६८ क्र. १८४ क.) हिर्न्दापरा

जिनदत्तचरित, गुणभद्रभदन्तकृत.

(ज. १६६६ क. २६४ क.) सं०

(ज. १६७० क. २६५ क.) "

जिनदत्तचरित. श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १६७१ क. ३२७ क.) हिन्दी गुग्णभद्राचार्यकृतसंस्कृत का अनुवाद.

तीर्थंकरचरित्र, नेमिनाथपांगलकृत.

(ज. १६७२ क. १६६ क.) मराठी.

नेमिचरित विक्रमकविकृत.

(ज. १६७३ क. ३२८ क.) सं० उद्यलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी सहित.

(ज. १६७४ क. ३२६ क.) सं०

```
नेमिपुराण, उदयलालजी कृत.
        (ज. १६७४ क. ३३० क) हिन्दी नेमिट्त कृत संस्कृतका
        ऋनुवाद
पद्मपुराग्, पं० दौलतरामजी कृत.
        ( ज. १६७६ क्र. ६० ख. ) हिन्दी मू०--रविषेणाचार्य.
        (ज. १६७७ क. ६१ ख.) "
        (ज. १६७८ क. ६२ ख.) "
                                              "
पांडवपुराग्। पं० घनश्यामदासजी कृत.
        (ज १६७६ क. १३५ क.) हिन्दी भट्टारकाचार्यशुभचन्द्र-
        प्रणीतका अनुवाद.
पार्श्वपुरागा. कविभूधरदासजी विरचित
        (ज. १६८० क १६६ क.) हिंदी छुन्द, नि. स. १७८६
पार्श्वनाथचरित, वादिराज सूरिकृत,
        (ज. १६८१ क. २६६ क.) सं० नि. ६४७ श.
        (ज १६८२ क. २६७ क.) "
        (ज. १६८३ क. २६८ क.) "
प्रद्यम्नचरित, महासेनाचार्यप्रणीत.
        (ज. १६८४ क. २६६ क) "
         (ज. १६⊏४ क २७० क.) "
प्रद्मनचरित, नाथूरामजी प्रेमी कृत
        (ज. १६८६ क. १६ ख.) हिर्दा त्राचार्यसोमकीर्तिकृत-
         संस्कृतका अनुवाद.
         (ज. १६८७ क. २० ख.) "
         (ज. १६८८ क. २१ ख) "
प्रागिप्रयकाव्य, ग्वसिहम्निकृत.
         (ज. १६८६ क. ३६६ क.) सं० नाथरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
```

सहित.

(ज. १६६० क्र. ४०० क.)म० नाथूरामजी प्रेमी **कृत हिन्दी** सहित,

भद्रबाहुचरित. रज्ञनन्दिकृत.

(ज. १६६१ क्र. २०० क.) स० उदयलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी सहित.

महापुराणामृत. रावजी नेमिचन्द्र कृत

(ज १६६२ क्र. ३३१ क.) मराठी.

महावीरपुराण. पं० मनोहरलालजी कृत.

(ज. १६९३ क्र ३३२ क) हिटी, सकलकीर्तिविरचितसंस्कृत का ऋनुवाद

महावीर-चरित. प्रेमचंद मोनीचंद कृत.

(ज. १६६४क २२६ क) गुजराती.

मुनिसुत्रतकाव्य, ऋहहासप्रणीत.

(ज. १६९४ क. २३० क) सं० कृष्णजी नारायणकृत मराठी युक्त, दो सर्गमात्र.

यशस्तिलक. चम्पूसोमदेवसूरिप्रग्गीत.

(ज. १६६६ क. २०१ क.) सं० पृर्वभाग नि. स. ८८१ श.

(ज. १६६७ क्र. २०२ क) सं.

"

(ज. १६६८ क. २०३ क.) सं. उत्तरभाग "

(ज. १६६६ क्र २०४ क.) सं. "

यशोधर-चरित, अभिमानमेरुकविपुष्पटन्तविरचित.

(ज. १७०० क. १७० क.) प्रा. मूलघत्तामात्र., हिदी ऋर्थ.

(ज. १७०१ क. १७१ क.) प्रा. ""

(ज. १७०२ क. १७२ क.) प्रा. "

यशोधरचरित उदयलालजी काशलीवाल कृत.

(ज. १७०३ क्र.३३३ क.) हिदी, वादिराजसूरिप्रणीत संस्कृत का सार

(ज. १७०४ क. ३३४ क.) हिदी.

(ज. १७०५ क्र. ३३४ क) हिन्दी "

श्रे गिकपुराग. जनार्वनकृत.

(ज १७०६ क. १३ ख) मराठीलंद नि स. १६६७ श.

श्रे शिकचरित, पं० गजाधरलालजी कृत.

(ज. १७०८ क्र. ३३७ क.) हिंदी सकलकीर्त्तिकृत संस्कृत का अनुवाद

श्रीपाल-चरित, दीपचन्दजी परवार कृत.

(ज १७०७ क ३३६ क.) हिन्दी, परिमल्लजीकृत हिंदी पद्यों का ऋर्थ

मुकुमाल-चरित, पं० नाथुराम जी दोशी कृत.

(ज १७०६ क. २२८ क.) हिन्दी, सकलकीर्तिकृतसंस्कृतका अनुवाद.

हनुमानचरित. सुखचन्द पद्मशाह पोरवाड कृत

(ज. १७१० क्र. ३३७ क.) हिन्दी

हरिवंशपूराग्. प० दौलतरामजी कृत.

(ज. १७११ क्र. ६४ ख.) हिन्दी.

(ज. १७१२ क्र. ६६ ख.) "

(ज. १७१३ क्र. ६७ ख.) "

हरिवंशपुराण. पं० गजाधरलालजीकृत.

+

(ज. १७१४ क. ६४ क.) हिन्दी

(ज. १७१५ क. ६५ क.) "

कथा-ग्रन्थ ।

त्राराधनाकथाकोष नेमिटत्तब्रह्मचारी कत.

(ज. १७१६ क. ३३६ क.) मं. उदयलालजीकृत हिंदी ऋनुवादसहित प्रथमभाग.

(ज १७१७ क. ३४० क) मं "

(ज. १७१८ क. ३४१ क) मं. "

द्वितीयभाग,

(ज. १७१६ क्र. ३४२ क.) म.

(ज. १७२० क्र ३४३ क.) सं "

तृतीयभाग

(ज. १७२१ क ३४४ क.) सं

(ज. १७२२ क्र ३४४ क) सं

पूर्ण

जैनकथासंब्रह, हीराचन्द्रजी नेमिचन्द्रजी कृत्

(জ. १७२३ क २३४ क.) मराठी जैन-कथासंग्रह.

(ज १७२४ क १७३ क) हिन्दी

(ज. १७२४ क १७४ क.) हिन्ही

(ज. १७२६ क १७५ क) हिंदी

जैनकथासुमनावली,

(ज. १७२७ क. २३३ क.) मगठी

ेजनन्नतकथासंघ्रह. दीपचन्दजीपरवारकत

(ज १७२८ क ४०२ क.) हिटी

दर्शनकथा. कविभारामस्रजीकत

(ज. १७२६ क. १७७ क.) हिंदी मु० २४३३ वी०

```
(ज.१७३० क. २३१ क.) " मु० १८६८ ई०
दानकथा. कविभारामल्लजीकृत.
        (ज. १७३१ क. १७६ क.) हिन्दी मु० २४३३ वी०
निशभोजनकथा. कविभारामह्मजीकृत.
        (ज. १७३२ क्र. १७८ क.) हिन्दी "
पुष्यास्त्रवकथा नाथृरामजी प्रेमी कृत
        (ज् १७३३ क्र. ३१ ख्) हिन्दी
        (ज. १७३४ क. ३२ ख.) "
        (ज १७३५ क्र. ३३ स्त्र.) "
        (ज.१७३६ क ३४ ख.) "
भक्तामरकथा. उदयलालजी कारालीवालकृत
        ( ज. १७३७ क. ३४६ क. ) हिदी,प० रायमहाजी कृत संस्कत
        का अनुवाद
        (ज़ १७३८ क्र ३४७ क्) "
                                                77
        (ज्र १७३६ क ३४८ क ) "
व्रतकथासंभह
        (ज १७४० क. ४८ ख.) गुजराती,
शीलकथा. पं० भारामल्लकृत
        (ज. १७४१ क १७६ क) हिन्दी छुंट
        (ज.१७४२ क. ३४६ क.) "
शीलकथा
        (ज्रा१७४३ क्रा२३२ क्रा) हिन्दी.
मम्यक्तवकौमुदी.
        (ज. १७४४ क. ३४० क.) स. पं. तुलसीरामजी कृत हिंदी
        सहित्
```

(११२)

(ज. १७४४ क. ३४१ क.) सं तुलसीरामजी कृत हिन्दी सहित.

(ज. १७४६ क. ३४२ क.) स. "

* *

५---नाटक-च्याकरण-कोष-म्रलंकार-प्रन्थ।

मैथिलीकल्याग्। हस्तिमह्मकविकृत.

(ज. १७४७ क. २७४ क.) स.

(ज. १७४८ क. २७६ क.) सं.

विक्रान्तकौरव. हस्तिमल्लकविकृत.

(ज. १७४६ क २७३ क.) स.

(ज. १७५० क. २७४ क,) सं.

जैनेन्द्रप्रक्रिया. श्राचार्यगुणनन्दिकृत.

(ज. १७४१ क. ३४३ क.) मं.

(ज. १७४२ क. ३४४ क.) सं.

शब्दार्णवचिन्द्रका. सोमदेवसूरिकृत.

(ज. १७४३ क्र. ६६ क.) स

(ज. १७५४ क ६७ क.) "

शाकटायनचितामिता, यत्तमवर्मकृत

(ज. १७४४ क्र. ६८ क.) सं ऋपूर्ण.

शाकटायनधातुपाठ. शाकटायनाचार्यकृत.

(ज. १७४६ क. ४३४ क.) सं

संस्कृतप्रवेशिनी, पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १७४७ क. २०६ क.) सं प्रथमभाग.

(ज. १७४८ क २०७ क) सं

"

(< ? ₹)

(ज.१७४६ क्र.२०⊏ क.) सं. द्वितीयभाग.

(ज. १७६० क. २०६ क.) सं. "

कातंत्रव्याकरण्. सर्ववर्मकृत्

(ज. १७६१ क्र. २०५ क.) स. भावसेनकृतप्रक्रियासहित. विश्वलोचनकोष. श्रीधरसेनाचार्यविरचित.

> (ज. १७६२ क ३४४ क.) सं नन्दलालजी शर्मा कृत हिन्दी सहित

> > "

(জ. १७६३ क ३४६ क) स वाग्भटालकार. वाग्भटप्रगीत

> (ज १७६४ क्र. २४० क.) स. मुरलीधरशर्मा कृत संस्कृत टीकायुक्त.

* *

६--न्याय-ग्रन्थ।

3746

अष्टसहस्री. विद्यानंदसूरिप्रणीत

(ज १७६५ क. ६६ क) सं.

ऋाप्तपरीचा. विद्यानदसूरिप्रणीत

(ज १७६६ क. १०० क.) स. स्वापज्ञाप्याख्यायुक्त

(ज.१७६८क १०१क.) "

पत्रपरीचा, विद्यानदसूरिप्रणीत.

(ज. १७६७ क १०० क.) "

(ज. १७६६ क. १०१ क.) "

श्वाप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत.

(ज. १७७० क. १०२ क.) सं. श्रकलंकदेवविरचित श्रष्ट-शती श्रौर वसुनंदी कृत वृत्तिसहित.

(ज १७७१ क १०३ क)

77

प्रमाणपरीचा. विद्यानंदसूरिप्रणीत

(ज. १७७२ क. १०२ क.) स.

(जा १७७३ का १०३ का) "

त्राप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत्

(ज. १७७४ क. २११ क.) स. वसुनंदीसैद्धान्तीकृत वृत्ति श्रीर मराठी श्रनुवाद सहित

(ज. १७७५ क. ३७० क.) सं. मूलमात्र.

न्यायदीपिका. धर्मभूषण्यतिविरचित.

(ज. १७७६ क. ८० ख.) सं.

(ज. १७७७ क. ८१ ख.) "

(ज १७७८ क २४९ क.) सं

(ज १७६६ क ३६८ क्)"

(ज १७८० क ३६६ क.) "

(ज १७८१ क_. ३६४ क) " पं० खूबचंदजी कृत हिंदी सहित_.

परीचामुख. माणिक्यनन्दिप्रणीत.

(ज. १७८२ क ३६६ क) सं. पं०गजाधरजी कृत हिन्दी श्रौर सुरेन्द्रकुमारजी कृत बंगला सहित.

(ज. १७⊏३ क्र. ३६७ क.) सं.

"

भमाण्निर्णय. वादिराजसूरिप्रणीत.

(ज. १७८४ क. २७१ क.) सं.

(ज. १७८४ क. २७२ क.) "

प्रमेयकमलमार्तेड, प्रभाचन्द्राचार्यविरचित.

(ज. १७८६ क. ७४ ख.) सं.

(牙. १७८७ 新. ७५ 码.) "

सप्तभंगीतरंगिग्ही, विमलदासप्रग्हीत.

(ज. १७८८ क. १०४ क.) सं.ठाकुरदासशर्मा कृत हिंदी सहित

(ज. १७८६ क. १०५ क.) सं.

"

(ज. १७६० क. १०६ क.) सं.

"

*

७—स्तोत्र-ग्रन्थ।

374

अकलंकस्तोत्र, अकलंकदेवकृत,

(ज. १७६१ क. ४३४ क.) स पं पन्नालालजी बाकलीवाल कृत हिन्दी सहित.

कल्याग्रमन्दिरस्तोत्र. कुमृदचन्द्राचार्यकृत.

(ज. १७६२ क. ४२३ क.) मं. गुजराती गद्य-पद्यसहित.

(ज. १७६३ क. ४२४ क.) स.

(ज. १७६४ क. ३७१ क.) सं. बुद्धृलाल श्रावक कृत हिन्दी गद्य-पद्य सहित.

कल्याग्मिन्दरस्तोत्र (परमज्योति) बनारसीदासजी कृत.

(ज. १७६४ क. ३७१ क.) हिन्दी पद्य.

जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

(ज. १७६६ क. ४३७ क.) सं. कलापाभरमापाकृत मराठी सहित.

(ज. १७६७ क्र. ४३८ क.) सं.

जिनेन्द्रपंचकल्याण (पंचमंगल) रूपचन्दजी कृत.

(ज. १७६८ क. ३७२ क.) हिन्दीपद्य.

पंचामृताभिषेक.

(ज १७६६ क. ३७२ क.) "

भक्तामरम्तोत्र. मानतुंगाचार्यप्रणीत.

(ज. १८०० क. ४३६ क) सं.

(ज. १८०१ क. ४३६ क.) हिन्दीपद्य हेमराजजी कृत.

म्वयंभृम्तोत्र. समन्तभद्राचार्यविरचित.

(ज. १८०२ क २१२ क.) स प्रभाचन्द्राचार्यप्रणीत संस्कृत टीका खोर जिनवासशास्त्री कत मराठी सहित.

हिटीभक्तामर. गिरिधरशर्माकृत.

(ज. १८०३ क. ३७३ क) पद्म

(ज. १८०४ क. ३७४ क) "

* *

८—पूजा-ग्रन्थ।

· LOSEDZ

जिनयज्ञकल्प. स्रिकल्पत्राशाधरविरचित.

(ज. १८०४ क. ३७४ क.) सं. पं० मनोहरलालजी कृत हिंदी युक्त. ऋषिमंडलयंत्रपूजा. त्राचार्यगुणनन्दिकृत.

> (ज. १८०६ क्र. ३७६ क.) सं. पं०मनोहरलालजी कृत हिन्दी सहित.

तेरहद्वीपपूजाविधान. लालजीऋत.

(ज. १८०७ क. १६८ क.) हिन्दी नि. स. १८७७.

मत्यार्थयज्ञ. मनगंगलालजीकृत.

(ज. १८०८ क. ४४१ क.) हिदी.

६—संग्रह-ग्रन्थ।

371

चर्चाशतक. कविवरद्यानतगयजी कृत

(ज. १८०६ क ७१ ख) हिडीछंट नानागमचन्द्र नाग कृत हिन्दी अर्थ महित

(ज. १८१० क्र. ७२ ख) "

(ज १८११ क ७३ ख) ""

(ज. १८१२ क्र ३७७ क) " नाश्रगमजी प्रेमी कृत हिन्दी सहित.

चौबीसठाणाचर्चा. जुझकधर्मदासजी कृत

(ज. १८१३ क्र. ८८ क.) हिडी मु. १६४८.

(ज. १८१४ क ४६० क) "म २४३२ वी

चौबीसठागादि. (क्र. ४६१ क)

१८१४—चौबीमठागाचर्चा चुन्नकधर्मदासकृत

१८१६—चौबीसठाना हिन्दीपद्य

१८१७—चौबीसटंडक हिर्दीछंट पं० दौलतरामजी कृत.

चौबीसठागादि (क. ४६२ क.)

(ज १८१५-१६-१५२०) क्र. ४६१ वन.

चौबीसठाएगिट. (क्र. ४६३ क.)

(ज. १८२१-१८२२-१८२३) क्र. ४६१ वत्.

*

#

*

(११८)

१०--पद-वित्तास-ग्रन्थ।

जिनवाणीमाताकी पुकार. परमेष्टिटासजी वृ	ज त .			
(ज. १८२४ क. ३६३ क.)	हिन्दी छन्द.			
जैनपदसंग्रह, पं० भागचन्दजी कृत.				
(ज. १८२४ क्र. ३८० क.)	11			
जैनपद्संग्रह. पं० द्यानतरायजी कृत.				
(ज. १८२६ क्र. ३८१ क.)	77			
जैनपदसंप्रह. बुधजनजी कृत				
(ज. १८२७ क्र. ३८२ क.)	"			
ज्ञानानन्दरत्नोकर , मुंशीनाथूरामजी कृत.				
(ज. १८२८ क. २८६ क.)	"			
दौलतविलास. दौलतरामजी कृत				
(ज. १८२६ क. ३८३ क.)	"			
प्रभुविलास. प्रभुदयालजी कृत.				
(ज. १८३० क. २४० क.)	"			
बनारसीविलास. बनारमीटासजी कृत.				
(ज. १८३१ क. ३८६ क.)	51			
ब्रह्मविलास. भैया भगवनीटामजी कृत.				
(ज. १८३२ क्र. ३८४ क.)	"			
(ज. १८३३ क. ३८४ क.)	77			
वृन्दावनविलास. वृन्दावनजी कृत.				
(ज. १८३४ क. ३८७ क.)	"			
(ज. १८३४ क. ३८८ क.)	77			
गोपालभजनमाला. गोपालसाव कृत.				
(ज १८३६ क. ३७८ क.)	"			

चर्चासमाधान, भूधरदासजी कृत.

(ज. १८३७ क. २२ ख.) हिन्दी.

जिनपद्यरबावली. दत्तात्रयभीमाजी कृत.

(ज. १८३८ क. ४४२ क.) मराठी.

* *

११-गुच्छक-ग्रन्थ।

ग्रन्थत्रयी (क्र. ३८६ क.) पं लालारामजी कृत हिदी.

१८३६—तत्वानुशासन (सं.) नागसेनाचार्यविरचित.

१८४०—वैराग्यमिएमाला (सं.) श्रीचन्द्रकविकृत.

१८४१-इष्टोपदेश (सं.) पूज्यपादस्वामिकृत.

तत्वानुशासनादि (क. २७७ क.)

१८४२—तत्वानुशामन. नागसेनाचार्यविरचित.

१८४३ —इष्टोपदेश, पूज्यापाटस्वामिप्रणीत.

१८४४—नीतिसार इन्द्रनन्दिकृत.

१८४४--मोच्चपंचशिका.

१८४६—श्रुतावतार (पद्य) इन्द्रनन्दिकृत.

१८४७-- ऋध्यात्मतरगिणी. सोमदेवसूरिकृत.

१८४८—पचनमस्कारस्तोत्र. विद्यानन्दिविरचित. प्रभाचन्द्राचार्य विरचित संस्कृत टीकायुक्त.

१८४९—ऋध्यात्माष्ट्रक. वादिराजसूरिप्रशीत.

१८४०--द्वात्रिशत्का. ऋमितगतिसूरिकृत.

१८४१—वैराग्यमणिमाला. श्रीचन्द्रकविष्रथित.

१८४२—नत्वसार (प्रा.) देवसेनसूरिप्रणीत.

१८४३-- श्रुतस्कन्ध (प्रा.) ब्रह्महेमचन्द्रविहित.

१८४४--ढाढसीगाथा (प्रा.).

१८४४-- ह्यानसार (प्रा.) पद्मसिह्मुनिकृत.

तत्वानुशासनादि (क. २७८ क.)

(ज. १८४६ से १८६६)

लघीयस्त्रयादि (क. २७६ क.)

१८७०--लघीयस्त्रय, भट्टाकलकदेवप्रगीत अभयचन्द्रसूरि-विरचित स्याद्वादभूषणाख्यतात्पर्यवृत्ति सहित.

१८७१—स्वरूपसम्बोधन पंचविशति. भट्टाकलंकदेवप्रणीत. + १८७२—लघुसर्वज्ञसिद्धि. ऋनन्तकीर्तिकृत.

१८७३—बहत्सर्वज्ञमिद्धि.

लघीयस्त्रयादि (क्र. २८० क.)

(ज. १८७४ से १८७७)

सनातनजैनप्रन्थमाला. प्रथमगुच्छक (क्र. ४३० क.)

१८७८—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यप्रग्रीत.

१८७६ --रत्नकरडश्रावकाचार.

१८८०—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. अमृतचन्द्रसूरि विरचित.

१८८१—त्र्यात्मानुशासन. गु**ग्**भद्रभदतकृत.

१८८२—तत्वार्थसूत्र. उमास्वामिरचित

१८८३—तत्वार्थसार, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८४-- आलापपद्धति, देवसनसूरिविहित,

१८८४-समयसारकलश. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८६—परोत्तामुखसूत्र. माणिक्यनन्दिविरचित.

१८८७-- श्राप्तपरीचा. विद्यानन्दिकृत.

१८८८ — आप्तमीमांसा. समन्तभद्रमथित-वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत वृत्ति सहित.

१८८६--युक्त्यनुशासन

१८६०—नयविवरण, विद्यानन्दिस्वामिप्रणीत.

१८६१-समाधिशतक. पूज्यपादस्वामिकृत.

सनातन जैनग्रन्थमाला-प्रथमगुच्छक.

(ज. १८६२-१६०४)

भक्तामरस्तोत्रादि (क. ३६० क.)

१६०६—भक्तामरस्तोत्र. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिदी गद्य-पद्य युक्त.

१६०७—रत्नकरंडश्रावकाचार. पं० पन्नालालजी कृत हिंदी अर्थसहित. सान्वय.

१६०५—तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत.

१६०६-- त्रालाचनापाठ (हिन्दी पद्य)

१६१०-सामायिक-पाठ. महाचन्द्रजीकृत. (हिंदी पद्य).

१६११-भक्तामरस्तोत्र, मानतुंगाचार्यकृत.

१६१२--भक्तामरभाषा. हेमराजजी कृत. (हिन्दी पद्य.)

१६१३-छहढाला, प० दौलनरामजीकृत

१६१४-- द्रव्यसम्रह, पन्नालालजी बाकलीबालकृत हिदीसहित.

पचामृताभिषेकादि (क्र. ३६१ क.)

१६१५—लघुपचामृतभिषेक (मं.)

१६१६—बृहद्देवशास्त्रगुरुपूजा. (स०-प्रा०)

१६१७—देवशास्त्रगुरुपूजा (हिटी) द्यानतरायजीकृत.

१६१८---बिशतिविद्यमान तीर्थकर पूजा.

१६१६—सिद्धपूजाष्ट्रक (मं.) विमलसेनाचार्यकृत.

१६२०—सिद्धपूजाजयमाला (सं.) पद्मनन्टिकृत.

१६२१—सिद्धपूजाभावाष्ट्रक. (सं.)

१६२२—पंचमहागुरुभक्ति (प्रा.)

१६२३--शान्तिपाठ. (मं)

१६२४-स्तृति (हिदी)

मुनिवंशदीपिकादि. (क्र. ३६४ क.)

१९२४-मुनिवंशदीपिका, यतिनयनसुखजी कृत. (हिन्दी)

१६२६—गुरुस्तुति. कविवृन्दावनदासजी """

१६२७—गुर्वष्टक " " "

१६२८—प्रकीर्णकञ्चंद "

स्याद्वादमंजयीदि (क. ३६४ क.)

१६२६ स्याद्वादमंजरी (हिन्दीपः) तिलोकचन्द्रजी कृत.

१६३०—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. "

पुरुषार्थसिद्धय्पायादि (क्र. १६७ क.)

१६३१-पुरुषार्थसिद्धय पाय. हिन्दी ऋर्थ सहित.

१६३२ — ब्रहढाला. बुधजनजी कृत. नाथूरामजी लमेचू कृत हिन्दी अर्थ सहित.

१६३३—भूधर-जैन-शतक. भूधरदासजी कृत. मुंशी श्रमनसिहजी कृत हिन्दी ऋर्थ युक्त.

स्वानुभवदर्पणादि. (क्र. १६२ क.)

१६३४ स्वानुभवदर्पण. मुंशी नाथूरामजी कृत. (हिन्दी पद्य) स्वकृत हिदी ऋर्थ सहित.

१६३४ — सज्जनचित्तवज्ञभ. मिल्लिषेणाचार्यकृत. मुंशीनाथृरामजी कृत हिन्दी ऋर्थ सहित.

सुभाषितावल्यादि (क. २३६ क.)

१६३६—सुभाषितावली. सकलकीर्तिप्रणीत. (मराठी ऋर्थ-सहिन)

१६३७—सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणाचार्यकृत. "

१६३८—स्वयंभूस्तोत्र, समन्तभद्राचार्यकृत. "

१६३९--पुरुषार्थसिद्धयु पाय. ऋमृतचंद्रसूरिप्रगाीत. "

१६४०-द्रव्यसंप्रह् नेमिचन्द्रसैद्धान्तिप्रणीत. "

मुभाषितावल्यादि. (क. २४० क.)

१६४१-सुभाषितावली सकलकीर्तिकृत.

11

१६४२—सज्जनचित्तवल्लभ मिक्किषेणाचार्य कृत.

सामायिक-पाठादि. (क्र. १६६ क.)

१६४३-सामायिकपाठ (सं०-प्रा.) गुजराती ऋर्थ सहित.

१६४४--श्रावकप्रतिक्रमण "

१६४५-जीवाजीवादितत्वम्बरूप (गुजराती) हर्षकीर्तिकृत.

१६४६—सिद्धप्जा.

"

मामायिकपाठादि.

(ज. १६४७-४० क. १६७ क.) क्र. १६६ वत्. सामायिकपाठादि.

(ज. १६४१-४४ क्र. १६८ क.) १६६ वन्. सामायिकपाठादि.

(ज. २१७५-५० क. ३६७ क.) १६६ वन. सामायिकपाठादि (क्र. ४१७ क.)

> १६४४—द्वात्रिंशत्का. श्रमितगतिकृत. रावजी नेमिचन्द कृत मराठी ऋर्थ सहित.

१६५६—सामायिक (स.)

77

१६५७—सामायिक (हिटी) पं० माहचन्द्रजी कृत. " सामायिकपाठादि.

(ज १६४५-६० क्र. ४१५ क) ४१७ वत्.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६६१–६३ क्र. ४१६ क.) ४५७ वत्. मामायिकपाठादि.

(ज. १६६४–६६ क्र. ४२० क.) ४१७ वन. सामायिकपाठादि.

(ज. १६६७-६६ क्र. ४२१ क.) ४१७ वन.

सामायिकपाठादि,

(ज. १६७०-७२ क्र. ४२२ क.) ४१७ वन्.

नित्यपाठ-संबह. (क. ४६४ क.)

१६७३ — सुप्रभातस्तोत्र. (स.)

१९७४-- दृष्टाष्ट्रकस्तोत्र (सं.) सकलचन्द्रकृत.

१६७४-अद्याष्ट्रस्तोत्र (सं.) गुणनन्दिकृत.

१६७६--नमस्कारस्तोत्र (सं.)

१६७७-जिनमहस्रनाम (सं.) जिनसेनाचार्यकृत.

१६७८-भक्तामरस्तीत्र (सं.) मानतुगाचार्यकृत.

१६७६ - कल्याणमन्दिरम्तोत्र (सं.) कुमुद्चन्द्राचार्यकृत.

१६८०-एकीभावस्तोत्र (म.) वादिराजसूरिकृत.

१६८१—विषापहारम्तोत्र (सं.) धनंजयकविकृत.

१६८२ - भूपालचतुर्विंशतिका. (सं.) भूपालकविकृत.

१६८३—तत्वार्थसूत्र (मं.) उमास्वामिकृत.

१६८४-सामायिकपाठ (हिदी पद्य) माहचन्द्रजी कृत.

१६८४-महावीराष्ट्रक (मं.) पं० भागचन्द्रजी कृत.

नित्यपाठसंप्रह.

(ज. १६८६-१६६८ क. ४६५ क.) ४६४ वन.

नित्यपाठसंप्रह.

(ज. १६६६-२०११ क. ४६६ क.) ४६४ वत.

नित्यपाठसंग्रह.

(ज २०१२-२०२४ क्र. ४६७ क्र.) ४६४ वत्.

हिदीनित्यपाठसंप्रह. (क्र. ४६८ क.)

२०२४--नमस्कारस्तवन, बनारसीदासजी कृत.

२०२६--सप्रभाताष्ट्रक.

२०२७--दर्शनदशक. द्यानतरायजी कृत.

(१२४)

२०२८--दर्शनपाठ दौलतरामजी २०२५--दर्शनपाठ, भूधरदासजी २०३०-प्रातःस्मरगीयपद, दौलतरामजी २०३१--भक्तामरस्तोत्र. नाथूरामजी प्रेमी २०३२--भक्तामरस्तोत्र, हेमराजजी २०३३—विषापहारस्तोत्र. नाथरामजी प्रेमी " २०३४-कल्यागमिन्दरस्तोत्र. बनारसीदासजी कृत. २०३४-- एकीभावस्तोत्र. भूधरदासजी कृत. २०३६—भूपालचतुर्विंशति २०३७--- ऋालोचनापाठ. २०३८—सामायिकपाठ माहचन्द्रजी कृत २०३६—वैराग्यभावना २०४०—निर्वाणकाड, भगवनीदासजी कृत २०४१--गुरुम्तुति. भृधरदासजीकृत २०४२--बारहभावना २०४३--सरस्वतीस्तवन

जैनमिद्धान्तसंप्रह्.

(ज. २०४४-२११० क ४०१ क.) अनेक पृजा स्तोत्र आदि. ७४ पाठ.

चतुर्विशतिजिनपूजा. (क्र. २३ ख.)

२१७०—चतुर्विंशतिजिनप्जामंस्कृत.

२१७१—चतुर्विशतिजिनपूजा. रामचन्द्रजी कृत.

२१७२- " बृन्दावनजी कृत.

२१७३— " बखतावरमलजी कृत.

१२--- प्रकीर्णक-प्रन्थ।

-LUMBE

श्रन्यमतसार,

(ज. २११८ क. १८० क.) हिदी.

श्रनुभवानन्द् शीतलप्रशाद्जी कृत.

(ज. २११९ क. ४०३ क.) हिदी.

कर्मचरित्रसार.

(ज. २१२० क्र. ४४६ क.) हिदी,

जैनधर्मतत्वसम्रह.

(ज. २१२१ क. ४२४ क.) गुजराती

जैनधर्मादर्श, रावजीनेमचन्द कृत.

(ज. २१२२ क. २३८ क.) मराठी.

जैनधर्मामृतसार. नेमचन्द नारायण चवड़े कृत

(ज. २१२३ क. २३७ क.) मराठी.

जैनधर्मामृतसार. नेमचन्द मीनाराम भागवतकर व पत्रालालजी बा० कृत्

(ज. २१२४ क. १८१ क.) हिदी-मराठी.

जैनबालगुटका. ज्ञानचन्द्रजी कृत.

(ज. २१२५ क. १८२ क) प्रथमभाग.

(ज. २१२६ क. १८३ क.) द्वितीयभाग.

एमोकारमत्र का ऋर्थ.

(ज. २१२७ क्र. ४४७ क.) हिंदी.

तत्वमाला शीतलप्रशादजी कृत.

(ज. २१२८ क. ४०४ क.) हिंदी.

दशलचराधर्म, कंकुबाई कृत.

(ज. २१२६ क्र. ४४८ क.) मराठी

धर्मप्रबोधनी. भाईलालकपृर्चनद्रजी कृत.

(ज. २१३० क. ४४३ क.) गुजराती.

(ज. २१३१ क. ४४४ क.)

धर्मचर्चासंग्रह, धर्मचन्द्रहरजीवनदास कृत' (ज. २१३२ क. ४०५ क.) हिंदी. धर्मामतस्वात्मबोध. (ज. २१३३ क. २४२ क.) हिंदी. नर्कदुःखचित्रादर्श. (ज. २१३४ क. २४३ क.) हिन्दी. (ज. २१३४ क. २४४ क.) " बालबोधजैनधर्म, बाबू दयाचंदजी व लालारामजीकृत. (ज. २१३६ क. ४०६ क.) हिन्दी १ भाग. (ज. २१३७ क ४०७ क.) " (ज. २१३८ क. ४०८ क.) "२ भाग. (ज. २१३६ क्र. ४०६ क.) " (ज २१४० क. ४१० क.) " ३ भाग. (ज. २१४१ क ४११ क) " ४ " मनोमतिखंडन. (ज. २१४२ क १३६ क.) हिन्दी. (ज. २१४३ क. १४० क.) " (ज. २१४४ क. १४१ क.) " षोडशकारणभावना, हीराचन्द नेमचन्द्र कृत (ज, २१४४ क. २४७ क.) मंशयतिमिरप्रदीप, उदयलालजी काशलीवाल कृत. (ज २१४६ क १८५ क.) हिन्दी १ भाग. (ज. २१४७ क. १८६ क.) " (ज.२१४८क.४१२क.) " २ भाग (ज. २१४६ क. ४१३ क.) " "

(ज. २१४० क. ४१४ क.) "

77

हिदी की दूसरीपुस्तक. पन्नालालजी बाकलीवाल ऋत.

(ज. २१४१ क. ४२६ क.)

जिनमतदर्परा.

(ज. २१४२ क. ३७६ क.) हिन्दी.

जैन डिरेकुरी.

(ज. २१४३ क्र. १४४ क.)

दिगम्बरजैनमन्थकर्ता. नाथुरामजीप्रेमीकृत.

(ज. २१४४ क. ४१४ क.)

निर्माल्यद्रव्यचर्चा, हीराचन्द्रनेमिचन्द्रकृत.

(ज. २१४४ क. २४४ क.) हिन्दी.

(ज. २१४६ क. २४६ क.) "

विद्वद्रत्नमाला. नाथूरामजी प्रेमीकृत.

(ज. २१४७ क. ४१६ क.)

१३---इंग्लिश-ग्रन्थ।

**

श्राउटलाइन्स ऑफ जैनिज्म, बाबू जुगमन्धरलालजी कृत.

(ज. २१४८ क. ४७१ क.)

की श्रॉफ नॉलेज. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज २१४६ क. ३६१ क.)

जैनिज्म हर्वर्टवारनकृत.

(ज. २१६० क. ४७२ क.)

डिक्सनरी.

(ज. २१६१ क. ४७३ क.)

तत्वार्थाधिगमसूत्र. बाबू जुगमन्धरलालजीकृत.

(ज. २१६२ क. ३४७ क.)

द्रव्यसंप्रह. शरश्चन्द्रघोषालकृत,

(ज. २१६३ क, ३४८ क.)

```
परमात्मप्रकाश. बाबू चम्पतरायजी वैरिस्टर छत.
```

(ज. २१६४ क. ३४६ क.)

पंचास्तिकाय. शरचन्द्र घोषालकृत.

(ज. २१६५ क. ३६० क)

प्रेक्किलपाँथ. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज. २१६६ क्र. ३६२ क.)

रत्नकरंड-श्रावकाचार. बाबू चम्पतरायजी वैरिम्टर कृत.

(ज. २१६७ क्र. ४६९ क.)

द्वात्रिशत्का.

(ज. २१६८ क. ४७४ क.)

स्किग आंफ थांट. बाबू चम्पनरायजी कृत.

(ज. २१६६ क. ४७० क.)

-

नैनसिद्धान्तभास्कर बावृ पद्मराजजी सम्पादित.

(ज. २१७४ क १४^२ क) द्वितीय-तृतीय किरण

(ज २१७५ क. $\frac{883}{6}$ क.) प्रथम किरण.

(ज २१७४ क. $\frac{283}{5}$ क.) द्वितीय-तृतीय किरण.

 $(\pi, २१७६ क \frac{१४५}{2} a.)$ हिनीय-तृतीय किरण.

सत्यार्थदर्पण,

(ज. २१७७ क्र. २३४ क.) +

समाप्तेमं मुद्रितग्रंथानां नामावजी।

श्वेताम्बर-जेन-ग्रन्थ ।

(बिखित विभाग-ख)

श्रनेकान्त-जयपताका. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २१८१ ख. १) सं. प. ३३४ रलो. १२००० ले. १६७४ स्वकृतटीकया युता.

श्रनेकार्थ-संप्रह हेमचन्दार्यकृतः

(ज. २१८२ ख. २) सं, प. २४३ श्लो ११८७६ ले. १६४१ स्वोपज्ञटीकया सहित.

श्रभिधान-चिन्तामणि हेमचन्द्रार्यकृतः.

(ज. २१८३. ख. ३.) स. प. ११२ ले. १७८२.

(ज. २१⊏४ ख. ४) सं. ३४−१⊏७ ले १६६४ म्बोपझटीकया युतः अन्तगडदसं.

(ज. २१८४ ख. ४) श्रा. प. २–२७.

त्राचारांगं सुधर्मस्वामिविहितं.

(ज. २१८६ ख. ६) प्रा. प. ६२ गुजरातीटव्वासहित.

(ज. २१८७ ख. ७) प्रा. प. २४ रलो. १२००० ले. १६४६ शैलाङ्कसूरिकृतवृत्तियुतं.

(ज २१८८ ख. ८) प्रा. प. १०६१. रलो. १०४०० ले. १६६४ नि. १४७३, जिनहंस सूरिकृतदीपकाख्यव्याख्यया संवलितः. स्रावश्यकिया–सत्र.

(ज. २१८६ ख. ११२) प्रा. प. ३०.

उत्तम-चरित्रं चारुचन्द्रचर्चित.

(ज. २१६० ख. ६) सं. प. १७ श्लो. ४७४ ले. १६४३.

(ज. २१६१ ख. १० सं. प. २१ श्लो. ४७४ ले. १७४२.

उत्तराध्ययनं,

(ज. २१६२ ख. ११) प्रा. प २३० श्लो. २००० ले. १८८० गुजरातीटब्बायुक्त.

(ज. २१६३ म्ब. १२) प्रा प. २६८ कमलसंयमोपाध्यायरचित-टोकायुतं.

(ज. २१६४ ख. १३) प्रा. प. १९४ ले. १४४⊏ श्लो. ११००० दीपकाख्यटीकया संभूषितं ।

उपदेश-रत्नमाला. नेमिचन्द्रभंडारीविरचिता.

(ज. २१६४ ख. १०४) प्रा. प. ७.

(ज, २१६६ ख, १०६) प्रा. प. २१

उपदेशमाला धर्मदासगिएाप्रथिता

(ज. २१६७ ख. १४) प्रा प. १८ गा. ४४२ ले. १४४६.

उपमिति-भव-प्रपंचा कथा

(ज. २१६८ ख. १०८) मं. प. २६ ऋपूर्ण.

उपमर्ग.

(ज. २१९६ ख. १५) गुजराती. प ११ ले. १६७४ उवासगदसागं,

(ज. २२०० म्ब. १६ प्रा. प २० ज्लो ८१२.

(ज २२०१ ख १७) प्रा. प. ४८ १लो. २००० ले. १८२६ गु०टबार्थ

(ज. २२०२ ख १०९) प्रा. प. १२० ले. १८४४ गु० टबार्थ. ऋषभटेव को छट.

(ज २२०३ ख. १८) मृ० प. ५ श्रापूर्ण.

ऋषभ पंचाशिका, धनपालकृता,

(ज. २२०४ ख. १६) प्रा. प. २ मावच्रिः.

श्रीपपातिकवृत्तिः स्रभयदेवनिर्मिता.

(ज. २२०४ ख. २०) स० प. ४६ श्लो. ३३३४. कपूरप्रकरणं.

> (ज. २२०६ ख.२१) सं. प. २-१८० जिनसागररचित टीकया युत.

कर्म-प्रन्थः देवेन्द्रसूरिकृतः

(ज. २२०७ ख. २२) प्रा. प. १४ कान्हजीकृत गु० टीका सहित,

(ज. २२०८ स्त. २३) प्रा. प. ३२ संस्कृतटीकायुतः

कल्प-सूत्रं मावचूरि.

(ज. २२०६ ख. २४) प्रा. प. ७६ ले. १६२६.

(ज. २२१० म्य. २५) प्रा. प १२६ ले १७२६

काव्यकल्प-लता-टीका. अमरचन्द्रकृता.

(ज. २२११ ख. ११०) स. प. १०० श्लो. ३३४७ ले. १८६२

(ज. २२१२ ख. २६) स. प. ४८ ले १७४४ अपूर्ण.

(ज. २२१३ ख. २७) सं. प. २२-४४ ऋपूर्ण.

कुलक-वृक्तिः विजयगणिविहिता.

(ज. २२१४ ख. २८) मू. प्रा. वृ. सं. ऋपूर्ण.

कृष्णवेलि-बालावबोध.

(ज. २२१४ ख. २९) गुजराती.

क्रियारत्न-समुचयः हेमचन्द्रकृतः

(ज, २२१६ ख. ३०) सं. प. ६३ श्लो. ४७७८ ले. १६३२ देवसुन्दरकृतव्याख्या समन्वित.

खड-प्रशस्तिः हनूमद्विहिता.

(ज. २२१७ ख. १२२) सं. प. ४४ गुणविनयगुणिकृतव्या-ख्यावभूषिता. गुणस्थान-रत्नराशिः रत्नशेखरसूरिकृत.

(ज. २२१८ ख. १११) सं. प. ५४ ले. १७२० सटोक. गुणम्थानविचार-स्तवनं राजसमुद्रविहित.

(ज २४१६ ख. ३१) गु० प्रा. पत्र ३.

गौतमकुलकवृत्ति ज्ञानतिलकगिएनिर्भिता.

(জ २२२० ख ३२) सं. प. २३ मू० गोतमविरचिता. गौत्तमपृच्छा-वालावबोध

(ज २२२१ ख ३३) गुप, ६-६

चउसरणसत्र-वृत्ति वीरभद्रकृता

(ज. २२२२ स्व ३४) मृ० प्रा. प १६ श्लो. १८८०. चतुर्तिशति-स्तवन

(ज. २२२३ ख. ३४) गुप ४

चौबीसदडक साध्ववन्दना

(ज २२२४ ख. ३६) सुप ४०

चन्द्रनमल्यागिरि-वथा.

(ज २२२५ ख. ३७) गुप ८ ले. १८६९

जिनशतकं जम्बृकृत.

(ज २२२६ स्व ३८) संप. ४ ऋपूर्णं -------

ज्ञाताधर्मकथा

(ज. २२२० व्य ३६) प्राप् ११८ श्लो. ४३७४.

ग्रामोकार-मंत्र-फल

(ज. २२२६ स्व ४०) गु० प. १० ले. १६४४.

त्रैलोक्य-प्रकाशः.

(ज. २२२६ स्त. ११३) स. प २४ गुर्जरार्थान्वितः.

दशवैकालिकसूत्रं.

(ज. २२३० ख ४१) प्रा. प. १४.

(ज २२३१ ख. ४२) प्रा.प. ६२ गुटबार्थसहितं, तो. १८८०. (ज. २२३२ ख. ४३) प्रा.प. ३७ सुमतिस्रिकृतसंस्कृत-व्याख्यायतं.

दीचाग्रह्ग-विधिः.

(ज. २२३३ ख. ४४) सं. प. ४

नर्मदासुन्दरी-कथा. अभयश्रीकथा च.

(ज. २२३४-३४ ख ४४) प्रा. प. ११

परिशिष्टपर्व. हेमचन्द्रसूरिकृतं

(ज २२३६ ख. ४६) मं. प. ५७ ते. १६४३ पर्य पर्णाकल्प.

(ज. २२३७ ख ४७) प्रा. प. ४४ ऋो १२१६

पार्श्वप्रमुस्तवं, रघुनाथदासकृत,

(ज. २२३८ ख. ११८) प. ४

पिडगुद्धि-प्रकरणं, जिनवक्षभस्रिकृतं,

(ज २२३६ ख. ४८) प्रा प २८ ते १६४८ गु. ऋर्थमहितं। पुष्पमालावचुरिः

(ज. २२४० ख. ४६) सं प २-२०

प्रथ्वीचन्द्र-चरित्रं, जयसागरविरचितं

(ज. २४१ ख. ५०) सं. प. ७४ श्लो ३८४४ ले. १४७४ पंचदंड-चरित्र रामचन्द्रकृत.

(ज. २२४२ ख. ४१) सं. प. ४३ श्लो. २४४० पंचसंग्रह-टीका.

(ज. २२४३ ख ४२) मृ. प्रा. टो. सं. प. २६ प्रकरण-संग्रहः

(ज. २२४४ ख ११४) प. ७१ मुद्रिन. श्रप्र्णं. प्रज्ञापना-सूत्रं.

(ज. २२४४ ख. ४३) प्रा. प. ६

प्रबचनसारोद्धारः. नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. २२४६ ख. ४४) प्रा. प. १६२ श्लो. १२००० मेद्रगणि-कृतगुजराती-ऋर्थसहितः।

प्रश्रव्याकरण-सूत्रं.

(ज. २२४७ ख. ४४) प्रा. प. २४ श्लॉ. १२४० ले. १६१४

(ज. २२४८ ख. ४६) प्रा. प. ८८ श्लो. ४७४० ले. १८६०

प्राकृत-पद्यमाला-छाया. जयवल्लभकृता.

(ज. २२४६ स्व. ४७) प्राप ४० ले. १६६८

प्रायश्चित्तौकसाध्यापवर्गोपनिषद्.

(ज २२४० ख. ४८) सं. प. १८० ले. १६६७

भक्तामर-स्तोत्रं. मानतुगाविरचित.

(ज. २२४१ स्व ४६) सं. प. ८ गु० ऋर्थसिंहतं. भगवतीसूत्रं,

(ज. २२४२ ख ६०) प्रा. प. २-२१६ ऋपूर्णं.

(ज. २२४३ ख. ६१) प्रा. प. २३-१२४ "

भरतश्वरवृत्ति

(ज. २२५४ ख. ६२) मू. प्रा. प.१४६ सम्क्रुतर्टाकासंवितता. भुवनभानुकेवितचरित

(ज. २२४४ ख. ६३) मं. प ४७

महीपाल-चरितं, बीरदेवगिण्रिचितं

(ज. २२४६ ख. ६४) प्रा. प ४४

(জ ২২४৬ ख. ६४) प्रा. प. ५७ ले १८४२ गुर्जरान्वित.

महावीरपंचकल्याणस्तवन.

(ज. २२४८ स्व. ६६) गु० प ६ ले. १८२४ मोत्तधर्मकल्पद्रुमः

(ज. २ ४६ ख. १२०) प्रा. प. २४२

युक्तिप्रबोधः मेघविजयविहितः

(ज. २२६० ख. ६७) सं. प. ७२ ले. १७६४ स्वविहितसंस्कृत टीकायुतः।

योगशास्त्रं, सोमसुन्दरगदितं,

(ज. २२६१ ख. ६८) सं. प. ११० ले. १६८५ गुर्जरार्थसमन्वित. रत्नावतारिका.

(ज. २२६२ ख. ६६) स. प. १४--४६ श्रयूर्णा.

रायसेग्गी-सूत्रं.

(ज. २२६३ ख. ७०) प्रा. प. ६४ श्लो. ६०३२ ले. १८४२ गु० टबार्थयुतं

रूपसेनकथा.

(ज. २२६४ ख ७१) स. प २० ले. १८४४

लघुत्तेत्र-समासः रवशेखरकृत.

(ज. २२६४ ख. ७२) प्रा. प. ११.

लघुसंमहणी.

(ज. २२६६ ख ७३) प्रा. प =४ गु० अर्थान्विता.

वीतराग-स्तोत्रं, हेमचन्द्रनिर्मितं,

(ज. २२६७ ख. ७४) स. प. २-१०

(ज. २२६८ ख. ७४) सं. प. २-६ संस्कृतटीकायुक्त.

(ज २२६६ ख १२३) सं. प. २८ " श्लो. ४४० ले. १६२४.

वसुधारा.

(ज. २२७० ख. ७६) स. प. ६ ले. १८२४

विपाकसूत्राङ्ग-वृत्तिः अभयदेवविरचिता.

(ज. २२७१ स्व ७७) मू. प्रा वृ. मं. प. १८ श्लो. ८७८ ले. १८४६.

वृत्तरत्नाकरः भट्टकेदारविरचितः

(ज. २२७२ ख. १२४) सं. प. ४३ ले. १८६६ समयसुन्दर-गर्शिकृतव्याख्यायुतः।

शान्तिनाथचरित्रं. भावचन्द्रकृतं.

(ज. २२७३ ख. ७८) सं. प. १३३ श्लो. ६३६४ ले. १८४३ शान्तिनाथजन्माभिषेकः

(ज. २२७४ ख. ७६) प्रा. प. ४

शोभनस्तुत्यवचूर्णि

(ज. २२७४ ख. ५०) स. प. १०

श्रावक-प्रतिक्रमणं.

(ज. २२७६ ख. ५१) प्रा. प. ३६ गु० टवार्थयुत.

(ज. २२७७ ख. ५२) " प. १३ +

श्रीपालनरेन्द्र-कथा.

(ज. २२७८ ख. ८३) प्रा. प ३४

(ज. २२७६ म्ब. १२४) प्रा प. १२४ ले. १८६०

श्राद्धधर्मोपनिषद् हरिभद्रसृरिकृता,

(ज. २२८० ख. ११६) मं. प ६७

पड्दर्शनसमुचयः हरिभद्रकृतः

(ज. २२६१ ख. ५४) स. प. ४ सचूर्णिः

(ज २२८२ ख. ८४) सं. प. २४ सटीक. श्लो. १२४२

(ज. २२६३ ख. ५६) स. प १५ "

(ज २२८४ ख. ८७) सं. प ४ मूल

पडावश्यकं.

(ज. २२८४ ख. ८८) प्रा. प. १४ ले. १६७६

(ज. २२८६ ख. ८६) प्रा. प. १७ +

सप्ततिका-टीका

(ज. २२८७ ख. ६०) मू-प्रा. टी-स, प. ५२ रलो. ३७८०

सप्तपदार्थी वृत्तिः

(ज. २२८८ ख. ६१) सं. प. २३ श्लो. १८४८ ले. १४३१ सप्तस्मरणं.

(ज. २२८६ ख. ६२) स.-प्रा. प. १६ ले. १८४६ सम्यक्त्वसप्रतिका-टीका, संघतिलककृता.

(ज. २२६० ख. ६३) मू-प्रा. टी-सं. प. १६० श्रपूर्णा.

सिद्धहेमशब्दानुशासनं. हेमचन्द्रचर्चितं.

(ज. २२६१ ख. १२६) सं. प. ४४ ले. १६१२ स्वोपज्ञलघुवृत्तियुतं.

(ज. २२६२ ख. ६४) सं. प. ७ + +

सिद्धान्तचन्द्रिका. रामाश्रमविहिता.

(ज. २२६३ ख. ६४) सं.प. ११६ सदानन्दगणिकृतटीकायुता . सुक्तमुक्तावली. सोमप्रभविरचिता.

> (ज. २२६४ ख. ६६) सं. प. १४ धनविजयकृत गु० अर्थ-संवितता

सूत्रकृताङ्गदीपिका.

(ज. २२६५ ख. ६७) मू-प्रा. प. ६४

(ज. २२६६ ख. ६८) " प. १६१ श्लो.७७०० ले. १७६६ निस १४८३

संघपट्टकं. जिनवस्नभनिर्मितं.

(ज. २२६७ ख. १०७) सं. प. १७ सस्कृतटीकायुतं. संघयणसूत्तं.

(ज, २२६५ ख. ६६) प्रा. प. १६

(ज. २२६६ ख. १००) प्रा. प. ४६ ले. १७४८ टव्बत्थजुत्तं. सन्देह-समुख्यः ज्ञानकलशसकलितः

(ज. २३०० ख. १२४) स. प. १६

सिहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज, २३०१ ख, ४६) सं, प. ४६

म्याद्वाद-मंजरी. मिल्लभूषण्विरचिता.

(ज. २३०२ स्व. १२१) सं. मुद्रिता. ऋपूर्णा च.

(ज. २३०३ ख. १०१) सं. प. ७१ श्लो. ३१००

(ज. २३०४ ख. १०२) सं. प. ६०

म्यादिशब्दसमुचयः श्रमरचन्द्रनिर्मित

(ज, २३०४ स्त्र. १०३) सं. प. ४४ ले. १४८२

स्वाध्यायः कांतिविजयकृतः

(ज. २३०६ ख. १०४) गु० प. ३

हिगुल-प्रकरणं. विनयसागरकृतं.

(ज. २३०७ ख. ११७) सं. मुद्रितं, हीरालालहंसराजकृत-

गुजगतीसहितं.

मंग्रह-माला. (ख. १२७)

१-- चेत्रसमाससूत्र.

२—दंदक–स्तवन

३--संग्रहणीसूत्र.

४-मनुष्यत्तेत्र-ममाम.

५-वेकर जोड़ी वी नव जी

६—आराधना चौपाई.

७—गुग्राठागाम्तवन.

८—हुँडी-विचार

६--तंत्रीमपदवीस्तवन.

१०-गुणठाणा-स्तवन.

११---कर्मग्रन्थ.

१२—सिद्धान्तमार

१३—चौबीसदंडक.

१४—नवतत्व.

(ज. २३०५—२१)

मुद्रित-ग्रन्थ।

- LOGENZ

(विभाग-क)

श्रिहिंसा-दिग्दर्शन. विजयधर्मसूरिकृत.

(ज. २३९४ क. ३०) हि०

श्रभिधानराजेन्द्र-कोष. विजयराजेन्द्रसृग्कित.

(ज. २३६६ क. १) प्राकृतशब्दकोप.

श्रध्यात्म-तत्वालोक. न्यायविजयकृत

(ज. २३६७ क. ३१) गु०

श्रध्यात्म-गीता. देवचन्द्रगणिकृत.

(ज. २३६८ क १४) गु० छंद. ऋमीकृंवर कृतगुजराती ऋथे सहित

श्रध्यात्मकल्पद्रुम. मुनि सुन्दरसूरिकृत.

(ज. २३६६ क ३२) गु०

श्राचाराङ्गसूत्र.

(ज. २४०० क. १६) गु०

आत्महितबोध

(ज २४०१ क. ४८) हि०

उपदेश-तरंगिणी. रत्नमन्दिरगणिकृत्

(ज. २४०२ क. ३३) गु०

अष्टक हरिभद्रकृत.

(ज. २४०३ क. ३३) सं०

उपमितिभवप्रपंचाकथाः नाथूरामजीप्रेमीकृतः

(ज. २४०४ क. ४६) हि० प्रथमभाग

(ज, २४०५ क, ४०) हिं० द्वितीयभाग,

कप्र-प्रकर हरिकविकृत

(ज. २४०६ क. ४१) सं गु० ऋर्थसहित,

कल्पसूत्र विनयविजयकृत

(ज २४०७ क ६) गु०

काव्यानुशासन हेमचन्द्रकृत्

(ज २४०८ क ३४) मं स्वोपज्ञटीकायुक्त

चिकागो-प्रश्नोत्तर् विजयानन्दसरिकृत

(ज २४०९ क २४) हि०

जैनीय-वैराग्य शतक

(ज. २४१० क. ३५) थ्रा. रामचन्द्र दीनानाथ कृतगु०सहित. जैन सम्प्रदाय-शिक्ता श्रीपालचन्द्रकृत.

(ज २४११ क. १७) हिन्दी.

(ज. २४१२ कु १८) हिन्ही.

जैन-भानु, वज्ञभविजयकृत

(ज. २४१३ क. १६) हिटी

द्धं ढकहित-शिचा.

(ज. २४१४ क ४७) हिदी.

द्रव्य-सप्ततिका, लावस्यविजयकृत.

(ज. २४१४ क. २८) प्रा.

द्रव्यानुयोग-तर्कणा. भोजकविकृत

(ज. २४१६ क. १६) सं. म्वोपज्ञ संस्कृतटीका ऋौर ठाकुर-

प्रशादजी कृत हिन्दी सहित

(ज २४१७ क. २०) ""

(ज २४१८ क. २१) "

(ज. २४१६ क. २२) " "

धर्मसर्वस्वाधिकार जयशेखम्रिकृत.

(ज. २४२० क. ४२) सं. गु० ऋथसहित.

कम्तूरी-प्रकरण. हेमविजयगणिकृत.

(ज. २४२१ क. ४२) सं. गु० अर्थ युक्त

धर्मबुद्धिमन्त्री-पापबुद्धिराजा नु रास, उदयरत्नकृत.

(ज. २४२२ क. ४३) गु०

न्यायावतार. सिद्धसेनकृत.

(ज. २४२३ क. ४६) सं संस्कृत टीका श्रीर इंग्लिश श्रनुवाद सहित.

नय-कर्गिका, विनयविजयकृत.

(ज. २४२४ क. ५७) मं संस्कृतटीका ऋौर डंलिश ऋनु-वादयुक्त.

प्रकरणमाला.

(ज. २४२४ क. २४) प्रा. गु० ऋर्थ महित

प्रकरगा-रत्नाकर,

(ज २४२६ क. ८) सं-प्रा-गृ० चारों भाग.

प्रतिक्रमग्रसूत्र

(ज २४२७ क. १०) प्रा. गु० सहित.

प्रश्नोत्तर-रत्नचितामणि. ऋनुपचंद मल्कचंद कृत

(ज. २४२८ क. १३) गु०

प्रेक्टिकल साईकोलाजी.

(ज. २४२६ क. ३७) गु०

नीमज्ञानत्रिशका.

(ज. २४३० क. ३८) हिंदी.

(ज. २४३१ क. ३६) हिंदी.

महाजनवंशमुक्तावली. रामलालजी गणि कृत

(ज. २४३२ क. ४०) हिन्दी.

मोचमाला. राज्यचन्द्रकृत.

(ज. २४३३ क. ४१) गु०

योगतत्व. हेमचन्द्रकृत.

(ज. २४३४ क. ४२) सं. गु० सहित.

योगशास्त्र. हेमचन्द्रकृत.

(ज. २४३४ क. ४३) सं. केशरविजयकृत गु० सहित.

(ज. २४३६ क. ४४) सं

लोकतत्व-निर्णय. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २४३७ क. २६) सं. गु० सहित.

लोक-प्रकाश. विनयविजयकृत.

(ज. २४३म क. ४४) सं, दीरालाल इसराज कृत गु० सहित १ भाग.

श्रीपालराजानु रास.

(ज. २४३६ क. ११) गु०

शुद्धोपयोग.

(ज. २४४० क. ४८) स. फतेचन्द्र कपूरचन्द लालन कृत-गु० सहित.

सभाष्य-तत्वार्थोधिगमसूत्र, उमास्वातिकृत,

(ज. २४४१ क. २३) स. ठाकुरप्रशादजी कृत. हिंदी सहित. सम्यक्त्वशल्योद्धार. विजयानन्दसूरिकृत.

(ज. २४४२ क. २६) हिंदी.

(ज २४४३ क २७) हिदी.

सामुद्रिक-शास्त्र,

(ज. २४४४ क. ४४) गु०.

सूक्तमुक्तावली. सामप्रभक्तत

(ज. २४४x क. ४^४) सं गु० ऋथसहित.

स्याद्वादानुभवरत्नाकर. चिदानन्दकृत,

(ज, २४४६ क, १२) हिन्दी,

स्याद्वाद-मंजरी मिल्लिषेणकृत.

(ज. २४४७ क. १४) सं. पंडित जवाहरलालजी दि॰ जैन कृत हिंदी सहित

हीरसौभाग्य, विमलगणिकृत,

(ज. २४४८ क. ४६) सं. स्वोपज्ञ सस्कृतटीकायुक्त.

समाप्तेयं श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थानां नामावितः

अन्य सम्प्रदाय-प्रन्थ ।



(लिखित विभाग-ख.)

श्रनंकार्थ**ध्वनिमंजरी**

(ज २३२२ ख. १) संप ध

अष्टाध्यायी, पाणिनिमुनिकृता,

(ज. २३२३ ख. २) स. प. ६-४६.

कादम्बरी, वारणविरचिता

(जा २३२४ खा ३) साम १०३

कारकचक भवानन्दसिद्धान्तवागीशकृतं

(ज.२३२४ ख.४) स.प. ६

काव्य-प्रकाशः मस्मटभट्टविरचित

(ज २३२६ ख. ४) स प. १३७ श्लां ४४८७ ले. १६६१, सरस्वतीतीर्थकृतव्याख्यायतः

किरातार्जुनीय भारविनिर्मित

(ज. २३२७ ख.६) संप म६ लं १६११

कुवलयानन्दः अप्पदिचितविरचितः

(ज २३२८ ख ७) स प ६४

गीतगोविन्द् हिंदी-पद्य

(ज. २३२६ ख. ८) प. २२

ज्यवधूतानुभूति

(ज. २३३० ख. ६) सं. प. १८

तर्कामृतं, जगदीशभट्टाचार्यविरचितं,

(ज. २३३१ ख. १०) संपूर्

दमयन्ती-कथा. त्रिविक्रमभट्टरचिता.

(ज २३३२ ख ११) सं प ३-३७ श्रपूर्ण.

नैषधकाव्यं हर्षकविकृतं

(ज. २३३३ ख. १२) सं. प. ६७ श्लो. १४८४

(ज. २३३४ ख. १३) सं. प. ६ प्रथमसर्गमात्रं.

न्यायसारः भासर्वज्ञकृतः

(ज. २३३४ ख. १४) सं. प. ११ रलो. ३६४ परिभाषावृत्तिः पुरुषोत्तविहिता

(ज २३३६ ख_. १४) संपुर**्ले** १६१२

परिभाषेन्द्रशेखरः भागोजीभट्टकृतः

(ज. २३३७ ख. १६) स. प. २४ ले. १६११

प्रक्रिया-कौमुदी. रामचन्द्रकृता

(ज, २३३८ ख. १७) सं. पं ६२

वलावलसूत्रवृत्तिः

(ज २३३६ ख १८) सं. प. ७

भूमनिन्दागराभाष्यं

(ज. २३४० ख. १६) सं. प. ४

भोज-प्रबन्धः वङ्गालकृतः

(ज. २३४१ ख. २०) संप. ६४. ले. १८६२.

मित-भाषिणी, माधवकृता,

(ज. २३४२ ख. २१) सं. प २२ ऋपूर्ण.

माघकाव्यं माघकविविरचितं

(ज. २३४३ ख. २२) सं. प. ११० ऋपूर्णं मिल्लनाथक्ठत-टीकालंकुतं

(ज. २३४४ ख. २३) सं. प. १०-१०४, १६७-१७२.

माधवानलकथा.

(ज. २३४४ ख. २४ संप. १४.

मेघदूत. कालिदासकृत.

(ज. २३४६ ख. २४) सं. प. २२ ले १६१६.

रत्नमाला. परमानन्द्देवकृता

(ज. २३४७ ख. २६) सं. प ४.

रघुवंशकाव्यं, कालिदासविरचितं.

(ज. २३४८ ख. २७) सं. प. २-६१ ऋपूर्णं.

विदग्धमुखमंडनं, धर्मदासरचित.

(ज. २३४६ ख. २८) सं. प. १४

वृत्तरत्नाकरः केदारनाथकृतः

(ज. २३४० स्त. २६) सं. प. १३

शब्द-मंजरी-टीका. कृष्णन्यायवागीशकृता.

(ज. २३४१ ख. ३०) सं. प. ४४

शब्दभेदप्रकाशः

(ज. २३५२ ख. ३१) सं. प. ६

शाकुन्तलनाटकं. कालिदामविरचितं.

(ज. २३४३ ख. ३२) सं. प. ४१

श्रृतबोध' कालिदासकृतः

(ज. २३^५४ ख. ३३) सं. प. ६ ले. १७०४ सारस्वत−श्राख्यातप्रक्रिया.

(ज. २३४४ ख. ३४) सं. प. ७४ ले. १८६०

सिद्धान्तमंजरी. चूड़ामणिभट्टाचार्यकृता.

(ज. २३४६ ख. ३४) स. प. २४

सिद्धान्तमुक्तावलिः विश्वनाथपंचाननरचिता.

(ज. २३४७ ख. ३६) सं. प. १७ ऋपूर्णा.

सिंहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज. २३४८ ख. ३७) सं. प. २४

सुभाषित-पौराणिकश्लोकाः

(ज. २३४६ ख. ३८) सं. प. ७

हठ-प्रदीपिका. म्वात्मारामयोगेन्द्रविरचिता.

(ज. २३६० ख. ३६) मं. प. १४ ले. १६११ हारावली. पुरुषोत्तमदेवकृता.

(ज. २३६१ ख. ४०) सं. प. १४ ले. १८६३

+ + +

त्र्यागमचेष्टा-प्रकरण्.

(ज. २३६२ स्व. ४१) सं. प. ६ ले. १६७४

चमत्कार-चिन्तामगिः

(ज. २३६३ ख. ४२) सं. प. १२ गुट सहिता चन्द्रार्की.

(ज. २३६४ ख. ४३) सं. प. ३

जन्म-पत्री.

(ज. २३६४ ख. ४४) सं. प. ६४ ऋपूर्णा.

जन्मपत्री-पद्धतिः

(ज. २३६६ ख ४४) सं. प. ६६-१२६ ऋपूर्गा

च्योतिष-रत्नमाला. श्रीपतिकृता.

(ज. २३६७ ख. ४६) सं. प. ४६ परमकारुणिककृतहिन्दी-सहिता.

(ज. २३६८ ख. ४७) सं. प. ११६ लघुदुं ढिकासहिता.

त्रिविक्रमशतं. त्रिविक्रमकृतं.

(ज. २३६६ ख. ४८) सं. प. ४

त्रैलोक्यचक्रं

(ज. २३७० ख. ४६) सं. प. ६ नरपति-जय-चर्या.

(ज. २३७१ ख. ४०) सं. प. ३४ ले. १८८० बृहज्जातकं. बराहमिहरक्रत.

(ज. २३७२ म्व ४१) मं. प ४० श्लो. ७३७ बृहज्ज्योतिषार्णवं.

(ज. २३७३ ख. ५२) मं + मुद्रितं मकरन्द्रविवरएं. दिवाकरकृतं.

(ज. २३७४ ख. ४३) स. प. १२ ले. १८७६ पट्पंचाशिका.

(ज. २३७४ स्व ४४) मं. प. हिन्दीसहिता.

+ + +

रसरत्नाकर.

(ज. २३७६ ख. ४४) मं. प. २२

स्त्रीप्रयोग.

(ज. २३७७ म्व. ४६) हिन्दी प. म कालज्ञान.

(ज. २३७८ स्व ४७) " प. ३

कोकशास्त्र.

(ज. २३७% ख. ४८) " प. २८ ले. १८७४

(ज. २३८० ख ४६) " " ३१

(ज २३८१ ख. ६०) " " ४१-८६

पाशाकेवली.

(ज. २३५२ ख. ६१) " " ४

(ज. २३८३ ख. ६२) " "३

```
( १ko )
```

(ज. २३८४ म्ब. ६३) " "६

(ज. २३५४ ख, ६४) " " १७

(ज. २३८६ ख. ६४) " " २३

मुष्टिमन्त्र.

(ज. २३८७ ख. ६६) " "४ राक्जनावली.

(ज. २३६६ म्ब. ६७) " " १०

(ज. २३८६ ख. ६८) " "२

स्वप्नचिन्तामणि, जगदेवकृत,

(ज. २३६० ख. ६६) सं. प. ४४

स्वप्राध्याय.

(ज. २३६१ ख. ७०) सं. प. ४

(ज. २३६२ ख. ७१) हि०

संगीत-विनोदसार.

(ज. २३६३ ख. ७२) प. १⊏ संस्कृत–पत्री.

(ज. २३६४ ख ७३) प. २८

(विभाग-क)

· KINDY.

श्रभिज्ञान-शांकुंतल. कालिदासकृत.

(ज. २४४६ क. ३६) सं. राघवभट्टकृतसंस्कृत टीका सहित. श्रमरकोष. श्रमरसिङ्कृत.

(ज. २४४० क. १२०) सं.

श्रमृतसागर.

(ज. २४०४ क. १४)

```
( १४१ )
```

(ज. २४२३ क. १४)

(ज, २४८२ क, १६)

श्रनुराग-रहस्य.

(ज. २४८४ क ११७)

श्राल्हा-खंड.

(ज. २४४१ क. ४) हिंदी.

त्रारोग्यदिग्दर्शन.

(ज. २४९७ क. ६४)

ईसाब-नीति.

(ज. २४६६ क. ३४)

उत्तररामचरित. भवभूतिकृत.

(ज. २४४४ क. ३७) सं. वीरराघव कृत संस्कृतटीका सहित.

उपनिषदार्यभाष्य. आयेमुनिकृत हिदी सहित.

(ज. २४४४ क. ४) सं. प्रथम खड.

(ज. २४४६ क. ६) सं. द्वितीय खंड.

(ज. २४४७ क. ६) सं. तृतीय खंड.

उपदेश-कुसुम,

(ज. २४३४ क. ७८)

उद्यांग-प्रारब्ध-विचार.

(ज. २४४४ क. ९१)

ऋतुसंहार. कालिदासकृत.

(ज. २४४२ क. ७२) स. मिएरामकृत संस्कृतटीकासहित.

ऐतिहासिक-स्त्रियां.

(ज. २४३८ क. ७६)

श्रौषधिसार-यूनानी.

(ज. २४१८ क. २५)

किरातार्जुनीय, भारविकृत.

(ज. २४४८ क. ३८) स. मिल्लनाथकृतटीकायुक्त.

कठिनाई मे विद्याभ्यास.

- (ज. २४७३ क. ७०)
- (ज. २४७४ क. ८६)
- (ज. २४७६ क. ६०)
- (ज. २४७७ क. ६१)
- (ज. २४७८ क. ६२)
- (ज. २४७६ क. ६३)
- (ज. २४८० क. ६४)

कन्यापाक-शास्त्र.

- (ज. २४७८ क. ८६)
- (ज. २४७६ क. ८७)
- (ज. २४७४ क. ८४)

कन्याभजन-भंडार,

(ज. २४५२ क. ११०)

केरलीय-जातक.

(ज. २४२६ क. १०६)

केरलमत-प्रश्न-संप्रह.

(ज. २४४० क. ४६)

कौतुकमाला-बोधवचन.

(ज. २४४१ क, ६७)

कन्यादिन-चर्या.

(ज. २४७३ क. ८४)

गुलशनपाकदामनादि.

(ज. २४०४ क. १३)

```
( १५३ )
```

```
गर्भाधान-विधि.
```

(ज. २४३१ क. ६०)

चम्पूभारत, ऋनंतभट्टकृत.

(ज. २४४६ क. ३६) स. रामचन्द्रकृतटीकायुक्त.

चौरासी-श्रासनयोग.

(ज. २४४४ क. ६८)

चाणिक्यनीति-दर्पण,

(ज. २४४८ क. ४४)

जादूगर

(ज. २५६१ क १०४)

टेली-शफ-बुक.

(ज. ५४३२ क ११६)

तित्व-इहमानी

(ज २४६० क. ४७)

त्रिवेगी.

(ज. २४८४ क १२२)

दियातले अधिरा

(ज २४८३ क. ७४)

दृष्टान्तप्रदीपिनी

(ज २४१२ क २३)

धात्रीकर्म-प्रकाश.

(ज. २४६२ क ८०)

निघट्र-भाषा.

(ज. २४११ क. २२)

नारायणी-शिचा.

(ज. २४१६ क. २७)

नीति-सूत्रें.

(ज. २४२८ क. ११८)

पंच-तंत्र, विष्णुशर्मा कृत,

(ज. २४६१ क. ४०) सं. ज्वालाप्रशादकत हिदीसहित. पंचीकरण.

(ज. २४६२ क. ६६) हिदी.

प्रेमशतक.

(ज. २४८४ क. १२३)

पदार्पग्.

(ज. २४६४ क. १३३)

प्रतिभा.

(ज. २४६६ क. ६६)

पचासवर्षके नीलामो के दहाड़े.

(ज. २४४४ क, ४७)

पंचांग-दीपिका.

(ज. २४६८ क. ११२)

प्रेम-पथिक.

(ज. २४७१ क. ८१)

फिर निराशा क्यो.

(ज. २४२७ क. ७७)

वंगीय-सार्वधर्म-परिषद्.

(ज. २४७६ क. ७४)

बालिका-विनय.

(ज. २४८८ क. १२६)

(ज. २४८६ क. १२७)

बनस्पति आहार थी थता फायदा.

(ज. २४३६ क. ११४)

```
बालतंत्रवैद्यक.
```

(ज. २४४६ क. ४४)

भर्तृहरि-शतक. भर्तृहरिकृत.

(ज. २४६३ क. ७) सं. संस्कृत हिंदीटीकायुत.

भावना-लहरी.

(ज. २४९३ क. १३१)

(ज. २४६४ क. १३२)

मूर्ति-पूजा. हरिप्रशादकृत.

(ज. २४६४ क. ४१) सं.

मेघदूत. कालिदासकृत.

(ज. २४६४ क. ४२) सं. मिल्लनाथकृत संस्कृतटीका सिहत.

महात्मा-गाँधी.

(ज. २४८६क. १२४)

(ज. २४८७ क. १२४)

मेघ-माला.

(ज. २४६८ क. १११)

मनुस्मृति.

(ज. २४०१ क. ३) ज्वालाप्रशाद मिश्र कृत हिदी सहित.

मोहिनी.

(ज. २४२४ क. ८३)

मुऋक्षिम-सितार.

(ज. २४६४ क. १०३)

मोती-काव्य.

(ज. २४७० क. ४८)

मनोरंजक-कहानियाँ.

(ज. २४७४ क. ७६)

योग-चिन्तामिए, हर्षकीर्तिकृत,

(ज. २४०३ क. १२) गर्णेशशर्मा कृत हिंदी सहित.

योग-महिमा.

(ज. २४२६ क. ११६)

योग दर्शन.

(ज. २४४४ क. ४२)

योग-रसायन,

(ज. २४६४ क. ६८)

रघु-वंश. कालिदासकृत.

(ज. २४६६ क. ४३) सं मिक्कनाथ कृत सम्कृत-टीकायुक्त. रमल-चिन्तामणि

(ज. २४०८ क. १६)

रमल-गुलजार,

(ज. २५१३ क. २४)

रमल-ज्योतिष-सार्

(ज २४२१ क. ३२)

राजनीति पंचोपाख्यान.

(ज. २४४१ क. ६७)

(ज २५४७ क ६६)

रामायए

(ज. २४८१ क. १)

लुकमानी-इलाज.

(ज, २४२२ क, ३३)

लदमण्बोध-नाटक,

(ज. २४३३ क. ६६)

विदग्ध-मुख-मंडन. धर्मदासकृत.

(ज. २४६७ क. ४४) सं. स्वकृतसंस्कृतटीकायुक्त

वैद्यसार-संप्रह्.

(ज. २४६८ क. ८) म

वियोगिनी.

(ज २४०० क. ६३)

वैद्य-जीवन.

(ज. २४१४ क. २४)

विदुर-नीति.

(ज. २४३४ क. १०४)

वागी-विलास.

(ज. २४४८ क. ६४)

व्याकरण् की उपक्रमणिका.

(ज. २५५६ क ४३)

व्यापार-समाचार,

(ज. २४९३ क. ११४)

विचित्र-म्त्री-चरित्र.

(ज. २४६६ क १२१)

श्रङ्गार-तिलक, कालिदासकृत,

(ज. २४४३ क. ७२) सं.

शिव-महापुराण. ज्वालाप्रशाद मिश्र कृत.

(ज २४६६ क. ६) हि०

शिश्-पालन.

(ज. २४७७ क. ७३)

शिचा-मणि.

(ज. २४१६ क. ३०)

शिव-स्वरोद्य

(ज. २४२० क. ३१)

```
( १४५ )
शब्द-रूपावली.
         (ज. २४२४ क. ३४)
शरीर-पुष्टि-विधान.
         (ज. २४३७ क. १०८)
शिवस्वरोदय.
         (ज. २४४६ क. ४६)
शिवबोध.
         (ज. २४४३ क. ४०)
शिचा.
         (ज. २४१४ क. २६)
सुभाषितरत्नभंडागार.
         (ज. २४७० क. १०) सं.
स्वप्न-प्रकाशिका.
        (ज. २४७१ क. ६१) सं. हिदीसहित.
बी-दर्पण.
         ( ज. २४७२ क, ४८ )
सम्री-देवियाँ.
         (ज, २४८० क, १०२)
सुशीला-कन्या.
        (ज. २४८१ क. १०९)
सेवा-धर्म.
        ( ज. २४६० क. १२८ )
        ( ज. २४६१ क. १२६ )
समर्पण.
```

(ज. २४६२ क. १३०)

(ज. २४६६ क. ६२)

संयुक्त-प्रान्त-प्रदर्शिनी.

```
सामुद्रिक-शास.
```

(ज. २४०२ क. ११) सं. राधाकुष्ण मिश्र कृत हिंदी सहित.

रुरताल-समृह.

(ज. २४०६ क. १७)

ब्री-प्रबोधिनी.

(ज. २४०६ क. २०)

गलिगा-सलेवृत्त.

(ज. २४१० क. २१)

भी-शिचा-शिरोमणि.

(ज. २४१७ क. २८)

सभाविलास.

(ज. २४३० क. १०७)

सूर्यपुराणादि २१ रत्न.

(ज. २४३६ क. १००)

सन्तान-कल्प-द्रुम,

(ज. २४४२ क. ७१)

सती-सावित्री.

(ज. २४४३ क. ४६)

सत्कुलाचरण.

(ज. २४४६ क. १०१)

वास्थ्य-सहाय.

(ज. २४४० क. ८८)

वाधीनता.

(ज. २४४२ क. ६४)

ांस्कृत-प्रवेशिका

(ज. २४६७ क, ११३)

सदाचारी बालक.

(ज. २४७२ क, पर)

सहस्र रजनी-चरित्र.

(ज. २४८३ क. २)

हठयोग-प्रदीपिका.

(ज. २४०७ क. १८)

हितोपदेश. नारायण पंडित.

(ज. २४४७ क ४४) रामेश्वर भट्ट कृत हिन्दी सहित.

(ज. २४६० क. ४६) कन्हैयालाल पंडित कृत. हिन्दी सहित.

ममाप्तेयं-ग्रजैन ग्रन्थानां नामावलिः ।

(सं० १६८६ कार्तिक बर्दा SS बी० ति० २४४७ पृरा)